SINDOGR

द फोटोन न्यूज

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने दी जानकारी



दोनों देशों के बीच शाम पांच बने से लागू हो गया युद्ध विराम, कल अगली ब्रीफ्रिंग

मैप से समझें भारत ने पाक के

किन टिकानो पर किया अटैक

किसी भी पक्ष की ओर से अब नहीं किए जाएंगे जमीन, आकाश और समुद्री अटैक

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर

110.00 (नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम) **OBRIEF NEWS**

कॉलम की सूचना प्रत्येक रविवार को हमारा नियमित कॉलम 'नौकरशाही' जाता है। युद्ध जैसी स्थिति के संकट के कारण यह इस बार स्थगित किया गया।

अगले रविवार से यह नियमित रूप

पाकिस्तानी गोलाबारी में छह लोगों की मौत

SRINAGAR: शनिवार को सीजफायर से पहले जम्मू क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से की गई भारी मोर्टार गोलाबारी और ड्रोन हमलों में जम्म-कश्मीर सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी और सेना के एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) समेत छह लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गोलाबार्र से प्रभावित आवासीय इलाकों का शनिवार को दौरा किया और हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। जम्मू शहर और संभाग के अन्य प्रमुख करबों के निवासी सुबह करीब पांच बजे हवाई हमले के सायरन और विस्फोटों की तेज आवाजों से जागे, जबिक सीमा पार से हो रही भारी गोलाबारी के कारण सीमावर्ती निवासियों की रात बिना सोए गुजरी।

आतंकवादी कृत्य को अब युद्ध मानेगा भारत

NEW DELHI : सरकार ने शनिवार को निर्णय लिया कि भारत अपनी सरजमीं पर भविष्य में होने वाले किसी भी आतंकवादी हमले को युद्ध की कार्रवाई मानेगा और उसी के अनसार जवाब देगा। शीर्ष आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ संघर्ष के बीच सरकार ने यह स्पष्ट चेतावनी दी है। इस निर्णय के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आतंकवादी घटनाओं के खिलाफ एक स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींचने की कोशिश की है और यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी फिर से भारत को निशाना बनाते हैं, तो सरकार पहलगाम घटना के बाद जैसी ही सैन्य प्रतिक्रिया देगी।

सर्वदलीय बैठक व संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

NEW DELHI : शनिवार को भारत और पाकिस्तान के तत्काल संघर्ष विराम की घोषणा के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पोस्ट कर कहा कि वाशिंगटन डीसी से आई अभृतपूर्व घोषणाओं के संदर्भ में अब यह राष्ट्रीय आवश्यकता बन गई है कि प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैटक की अध्यक्षता करें और देश के राजनीतिक दलों को विश्वास में लें, ताकि इस संकट की घड़ी में राष्ट्रीय हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

NEW DELHI @ PTI: 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी

हमले के बाद और भारत की ओर से 7 मई को ऑपरेशन सिंदुर को अंजाम देने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ गया था। शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार शाम 6 बजे बताया कि सीजफायर शाम 5 बजे से लाग हुआ। अब दोनों देश जमीन, आकाश और समुद्र में एक-दूसरे पर हमला नहीं करेंगे। दोनों देशों के डीजीएमओ 12 मई को दोपहर 12 बजे बातचीत करेंगे और ब्रीफिंग की जाएगी। इस बीच सीजफायर के लिए अमेरिका ने मध्यस्थता का दावा किया। शनिवार शाम 5:30 बजे यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रात यूएसए की मध्यस्थता में चली लंबी बातचीत के बाद मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं। मैं दोनों देशों को कॉमनसेंस, समझदारी से भरा फैसला लेने के लिए बधाई देता हं। इससे पहले सबह 10.30 बजे भारत की ओर से की जा रही जवाबी कार्रवाई के बारे में अधिकृत जानकारी देने के लिए सेना और विदेश मंत्रालय की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी। इसमें बताया गया था कि शनिवार को तड़के पाकिस्तान ने भारत के सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए डोन, लंबी दरी के हथियार, हथियार और लड़ाकू विमानों का उधमपुर, भुज, पठानकोट, बठिंडा

इंडियन आर्मी बोली- हमारी सेनाएं पूरी तरह तैयार, फिर हमला किया तो देंगे मुंहतोड़ जवाब सबह में चलता रहा वॉर भारत

बेस और दो रडार ठिकाने

• ड्रोन, लंबी दूरी के हथियारों व लडाकु विमानों से अटैक के प्रयास का इंडियन आर्मी ने दिया करारा जवाब

 विंग कमांडर व्योमिका सिंह बोलीं- भारतीय सशस्त्र बलों ने चिह्नित सैन्य लक्ष्यों पर किया सटीक हमला

भारत ने दोहराया- हम तनाव वृद्धि नहीं चाहते, बशर्ते पाकिस्तान भी ऐसा ही करे



🛮 सेना और विदेश मंत्रालय की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी गई अधिकृत

• कर्नल सोफिया बोलीं-पाकिस्तान की सेना पश्चिमी सीमाओं पर लगातार करती रही

 उकसावे वाली कार्रवाई के जवाब में भारत ने हमले व घुसपैठ सहित कई खतरों को किया

• विदेश सचिव बोले-भारत ने दिया प्रभावी ढंग से जवाब, आठ सैन्य प्रतिष्ठानों को

ह्यनाया गया निशाना

लिस्ट, सूची में कंधार हाईजैक-मुंबई रावलपिंडी में नूर खान एयरबेस, इस्लामाबाद से १० किलोमीटर दूर रहीमयार खान हमले के मास्टरमाइंड भी शामिल एयरबेस, शोरकोट में रफीकी एयरबेस और मुरीद एयरबेस को पहुंचा भारी नुकसान

ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पीओके में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। खुफिया एजेंसियों के हवाले से शनिवार को इनमें से 5 आतंकियों की लिस्ट जारी की गई। इनके नाम अबू जुंदाल, हाफिज मुहम्मद जमील, मोहम्मद युसुफ अजहर, मोहम्मद सलीम, घोसी साहब और मोहम्मद हसन खान हैं। यूसुफ कंधार हाईजैक का मास्टरमाइंड और जुंदाल मुंबई हमले में शामिल था। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम अटैक के बाद आतंकियों के 9 ठिकानों को मिसाइल से निशाना बनाया था। ये पांचों आतंकी एक साथ या अलग-अलग मारे गए, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इधर, न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, जम्मु क्षेत्र के आरएस पुरा में पाक गोलाबारी में बीएसएफ के आठ जवान घाँयल हैं। उधर, भारत-पाकिस्तान में सीजफायर के बाद

मारे गए आतंकियों की सामने आई

मैप प्रतीकात्मक है।



संघर्ष विराम की घोषणा के बाद पीएम मोदी ने की हाई लेवल मीटिंग : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार की शाम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित शीर्ष सरकारी अधिकारियों के साथ यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक इस घोषणा के बाद हुई कि भारत और पाकिस्तान में सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए सहमति बन गई है। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे।

हार्ड स्पीड मिसाइलों का इस्तेमाल | हम पूरी तरह से सतर्क : नायर

सोफिया ने कहा कि पाकिस्तान ने उधमपुर, भुज, पठानकोट, बिंडा में वायु सेना के ठिकानों पर हमारे उपकरणों और कर्मियों को नकसान पहंचाया है। पाकिस्तान ने पंजाब के वायु सेना बेस को निशाना बनाने

पाकिस्तान ने श्रीनगर. सेना के ठिकानों पर अस्पतालों और स्कूल परिसरों को निशाना बनाया। के लिए रात 1:40 बजे हाई-

स्पीड मिसाइलों का इस्तेमाल किया। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि एक निंदनीय और गैर-पेशेवर कत्य के रूप में अवंतीपुर और उधमपुर में वायु

कोमोडोर रघु आर नायर ने कहा कि भारतीय आर्मी. नेवी और एयरफोर्स मातभमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्धि हैं। हम पूरी तरह से तैयार और सतर्क हैं। पाकिस्तान की किसी भी

भी तनाव बढ़ाने की कोशिश

अतिक्रमण से निपट रही है। ये अतिक्रमण बेहद निंदनीय है और पाकिस्तान इसके लिए जिम्मेदार है। मिसरी ने कहा,

पाकिस्तान के सीजफायर तोडने पर विदेश

कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, पिछले कुछ घंटे

से सीजफायर समझौते का पाकिस्तान की

ओर से उल्लंघन हो रहा है। भारतीय सेना

जवाबी कार्रवाई कर रही है और

सचिव विक्रम मिसरी ने रात 11 बजे पेस

कार्रवाई करे। सीजफायर के तीन घंटे बाद करीब ८ बजे पाकिस्तान ने जम्म-कश्मीर राजस्थान, पंजाब और गुजरात में शैलिंग और ड्रोन अटैक किया।

पाकिस्तान ने भारतीय सीमा में घुसना

चाहा, हमने भारतीय सेना को फ्रीहैंड दे

दिया है। हमारा मानना है कि पाकिस्तान

इस स्थिति को ठीक से समझे और इस

अतिक्रमण को रोकने के लिए तुरंत उचित

हमले किए। इसके बावजद भारत नहीं चाहता, बशर्ते पाकिस्तान भी

ब्लैकआउट कैंसिल कर दिया गया है।

जुन से सितंबर के बीच ज्यादा बारिश का अनुमान

इस्तेमाल किया। इस कार्रवाई से में वायु सेना के ठिकानों पर साइबर अपराधियों को सिम बेचने वालों पर कार्रवाई

42 ठिकानों पर सीबीआई ने मारी रेड, पांच गिरफ्तार

शनिवार को सेंट्रल ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन सीबीआई (दिल्ली) की टीम ने साइबर अपराधियों को सिम कार्ड बेचने वालों के 42 ठिकानों पर छापा मारा है। सिम बेचने वालों के आठ राज्यों के ठिकानों पर हुई छापेमारी के दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों ने गलत तरीके से साइबर अपराधियों को सिम कार्ड सीबीआई ने साइबर अपराधियों के खिलाफ जारी

अपने विशेष अभियान के तहत



बिहार, बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलांगना,कर्नाटक और तमिलनाड में सिम कार्ड बेचने वालों के ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान सिम बेचने के दौरान की गई गडबड़ी से संबंधित दस्तावेज, मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रानिक गजट जब्त किये गए हैं।

झारखंड के ११ जिलों में 13 को बारिश की संभावना

उपकरणों और कर्मियों को

RANCHI : झारखंड के 11 जिलों में 13 मई को हल्के दर्जे की बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी। राज्य के जिन इलाकों में बारिश होने की सम्भावना है उनमें दक्षिणी पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसांवा और मध्यवर्ती जिले रांची, खूंटी, गुमला, हजारीबाग और बोकारो शामिल है। वहीं राज्य के कई जिलों में लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। 12 मई को राज्य के उत्तर–पूर्वी जिलों दुमका, पाकुड, गोड्डा और साहिबगंज तथा 13 मई को बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, देवघर, जामताडा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज में कहीं कहीं लू चलने की आशंका है। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान ३६.३ डिग्री, जमशेदपुर में ३९.६, डाल्टेनगंज में 38.8, बोकारो में 36.1 और चाईबासा में अधितकतम तापमान ३९ .४ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान की

लगातार उकसाने वाली कार्रवाई भारत ने सीमा पार के चार एयरबेस और दो रडार ठिकानों पर हवाई

ने दोहराया है कि भारत तनाव वृद्धि

अंडमान और निकोबार में 13 मई तक मानसून के आने की संभावना

मौसम विभाग ने कहा- १६ साल बाद मानसून के जल्दी आने का अनुमान

एक जून को केरल में हो सकती है मानसून की एंट्री

AGENCY NEW DELHI: इस बार मानसून देश में तय समय से 4 दिन पहले पहुंच सकता है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। अंडमान और निकोबार में 13 मई तक मानसन की एंट्री का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगर मानसून 27 मई को आता है तो यह 16 साल में पहली बार होगा, जब यह इतनी जल्दी दस्तक देगा। 2009 में 23 मई को और 2024 में 30 मई को मानसून

विदेश सचिव बोले- पाक ने फिर तोड़ा सीजफायर, हमने जवाब दिया

अर्थ एंड साइंस मिनिस्ट्री के सेक्रेटरी एम रविचंद्रन ने कहा– जुन से सितंबर के दौरान सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। 4 महीने के दौरान ८७ के औसत से १०५ फीसदी बारिश हो सकती है। आमतौर पर 96 से 104 फीसदी बारिश को सामान्य माना जाता है। ९० फीसदी से कम बारिश को सामान्य से बहुत

कम, 90 से 95 फीसदी के बीच सामान्य से कम, 104 से 110 फीसदी के बीच सामान्य से ज्यादा और 110 फीसदी से ज्यादा बारिश बहुत ज्यादा माना जाता है। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि मानसून के दौरान देश भर में होने वाली कुल वर्षा और शुरूआत की तारीख के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।

ने केरल में दस्तक दी थी। इसके अलावा 2018 में 29 मई को मानसून आया था। आईएमडी ने

उत्तराखंड चारधाम यात्रा के

बताया कि 1 जून को केरल पहुंचने के बाद मानसून 8 जुलाई तक अन्य

राज्यों को कवर करता है। 17

सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है।

चिंताजनक हालात मारत सहित कई विकासशील देशों में बढ़ रहा स्वास्थ्य संकट

नदियों और अन्य जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहीं एंटीबायोटिक दवाएं

प्रदूषण की समस्या पुरी दुनिया को परेशान कर रही है। हवा, पानी और ध्विन प्रदूषण के कारकों और उसके प्रभाव पर निरंतर रिसर्च हो रहे हैं। दुनिया की निदयों और अन्य जल स्रोतों में पाई गई एंटीबायोटिक दवाओं से उत्पन्न प्रदूषण ने गंभीर चिंताजनक हालत की ओर संकेत किया है। हाल में हुए रिसर्च से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि भारत सहित कई विकासशील देशों में एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध उपयोग और अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन ने नदियों और अन्य जल स्रोतों को गंभीर रूप से प्रदूषित कर दिया है। एंटीबायोटिक दवाओं के कारण भारत की नदियों की सेहत लगातार बिगडती जा रही है। एक नई वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, देश की लगभग 80 फीसद नदी

प्रणालियां एंटीबायोटिक दवाओं के प्रदूषण से प्रभावित

हैं। यह न केवल पारिस्थितिक तंत्र को खतरे में डाल

प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यह चिंताजनक निष्कर्ष

कनाडा की मैकगिल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के

रही हैं, बल्कि करोड़ों लोगों की सेहत पर भी

अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में सामने आया है।

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK

कनाडा की मै<u>कगिल</u> तक किया है अध्ययन प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित हुई है विस्तृत रिपोर्ट

दुनिया के ८७७ स्थलों

एंटीबायोटिक दवाओं

की पाई गई मौजूदगी

पर 21 प्रमुख

नदियों में एंटीबायोटिक स्तर पाया गया गंभीर रूप से उच्च

सांस की बीमारियों में प्रयुक्त दवाएं

रिपोर्ट का आकलन है कि भारत में लगभग ३१.५ करोड़ लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन नदियों के संपर्क में आ रहे हैं, जो एंटीबायोटिक दवाओं से दिवत हैं। खास बात यह है कि इन

दवाओं में सेफिविसम प्रमुख है, जो श्वसन संबंधी बीमारियों के इलाज में दी जाती है और नदियों में सबसे अधिक पाए जाने वाली एंटीबायोटिक के रूप में चिह्नित हुई है।

मेडिकल वेस्ट का कारगर तरीके से प्रबंधन नहीं होने के कारण परेशानी में इजाफा

ईको सिस्टम के साथ करोड़ों लोगों की सेहत पर पड़ रहा नकारात्मक प्रभाव

तैयार किया गया व्यापक रिवर एटलस

अध्ययन में ८७७ वैश्वक स्थलों पर २१ प्रमुख एंटीबायोटिक दवाओं की उपस्थिति को मापा गया। एक व्यापक रिवर एटलस तैयार किया गया. जिसमें 3.6 करोड़ किलोमीटर लंबी नदियों के 84 लाख से ज्यादा खंड शामिल हैं। इसके आधार पर यह अनुमान लगाया गया कि करीब 60 लाख किलोमीटर लंबी नदियों में, खासकर जब

एंटीबायोटिक की मात्रा इतनी अधिक होती है कि वह पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचाती है। भारत में 38 लाख किमी लंबी नदियों में एंटीबायोटिक स्तर गंभीर रूप से उच्च पाया गया। 2012 से 2015 के बीच ४० प्रमुख एंटीबायोटिक दवाओं की २९,२०० टन वार्षिक खपत का अनुमान लगाया गया, जिसमें से 8500 टन नदियों व धाराओं पानी का स्तर कम होता है, में पहुंच रहा है।

लिए दोपहर बाद फिर से शुरू हुई हेलीकॉप्टर सेवा RUDRAPRAYAG : उत्तराखंड

की चारधाम यात्रा के लिए दो घंटे तक हेलीकॉप्टर सेवा बंद रहने के बाद दोबारा से शुरू हो गई है। एटीसी से विलरेंस मिलने के बाद शनिवार को दोपहर सवा बारह बजे से हेलीकॉप्टर सेवा पुन: सुचारू हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों की सुगम यात्रा के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते शनिवार को सुबह 10 बजे केंद्रीय एयर टैफिक कंट्रोल ने चारधाम में हेलिकॉप्टर सेवा को अग्रिम आदेश तक रोक दिया था। इस दौरान बहुत से यात्री मायूस हो गए थे। इसको लेकर केदारनाथ यात्रा पर आए कई यात्री हेली कंपनियों के कार्यालय में जानकारी जुटाते रहे। दोपहर 12.15 बजे एटीसी से क्लिरेंस मिलते ही हेलीकॉप्टर सेवा के सुचारू होने पर यात्रियों ने राहत की सांस ली।

र्डडी की टीम ने पीएमएलए कोर्ट में किया पेश

न्यायिक हिरासत में भेजे गए जीएसटी घोटाले के आरोपी

PHOTON NEWS RANCHI: एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन

निदेशालय (ईडी) की टीम ने जीएसटी घोटाले के मास्टर माइंड शिव कुमार देवड़ा सहित तीन अन्य गिरफ्तार आरोपितों को शनिवार को पीएमएलए कोर्ट में पेश किया, जहां श्याम नंदन तिवारी की अदालत ने सुनवाई की और सभी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। आदालत के आदेश पर सभी आरोपितों को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया गया है। बता दें कि ईडी ने शिव कुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा और अमित गुप्ता को शुक्रवार को कोलकाता से अरेस्ट किया था। मोहित देवड़ा, मास्टर माइंड का बेटा



• अदालत के आदेश पर सबको भेजा गया बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार

है। वह भी अपने पिता और अमित गुप्ता के साथ जीएसटी घोटाले को अंजाम देने में शामिल है। शिव कुमार देवड़ा और उसके गिरोह के सदस्य अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर एक नाम की कंपनियों का अलग-अलग जीएसटी लेने का काम करते थे।

www.thephotonnews.com

Sunday, 11 May 2025



रोमांटिक और साहसिक गंतव्य : पहलगाम की यात्रा

स वक़्त मैंने दिल्ली की धूल 📥 कहा, ठीक उसी वक़्त मेरे

मन में पल रहा एक सपना एकदम से हकीकत के करीब खड़ा दिखाई दिया। यह सपना था पहलगाम घूमने और इस जगह पर स्थित पर्यटन स्थलों को देखने का। लेकिन यह सपना इतने जल्दी हकीकत में बदल जाएगा, मुझे भी नहीं मालूम था। वह जगह कश्मीर की लिद्दर घाटी में बसी है, जहाँ हरे-भरे मैदान, बफीर्ली चोटियाँ और लिद्दर नदी की मधुर ध्वनि एक जादुई दुनिया रचती हैं। यह यात्रा केवल एक पर्यटन स्थल की सैर नहीं थी. बल्कि यह प्रकृति. आध्यात्मिकता और मानवीय जज्बे की कहानी थी।

मेरी यात्रा सुबह की एक उड़ान से शुरू हुई। दिल्ली के हवाई अड्डे से श्रीनगर तक का 1.5 घंटे का सफर हिमालय के बफीर्ले शिखरों की झलक के साथ बीता। श्रीनगर में उतरते ही ठंडी हवा ने मेरे चेहरे को छआ और डल झील की चमक ने मेरे मन को तरोताजा कर दिया। यहाँ से मैंने एक टैक्सी किराए पर ली, जो मुझे पहलगाम तक ले गई। रास्ता हरे-भरे खेतों, छोटे गाँवों और लिद्दर नदी के समानांतर चलता था। हर मोड़ पर प्रकृति का एक नया रंग दिखता। कभी पेड़ों की छाँव, कभी पहाड़ों की ऊँचाई। पहलगाम पहुँचकर ऐसा लगा कि हम एक स्वप्निल दुनिया में आ गए हैं। मैंने लिद्दर नदी के किनारे एक कॉटेज में ठहरने का फैसला किया। रात में नदी की आवाज मेरे लिए लोरी बनी और सुबह सुरज की किरणों ने मुझे जगाया। पहलगाम की शांति ने मुझे पहले ही दिन इसका दीवाना बना दिया। मैंने नदी के किनारे टहलना शुरू किया, जहाँ पानी इतना साफ था कि तल में पत्थर चमकते दिखते थे। स्थानीय मछुआरे मुझे देखकर मुस्कुराए और उनकी गर्मजोशी ने मेरे मन को छू लिया। मैंने वाटर राफ्टिंग का मजा लिया। नदी का तेज बहाव और आसपास के पहाड़ों का नजारा मेरे लिए एक रोमांचक अनुभव था। शाम को मैंने नदी के किनारे पिकनिक मनाई, जहाँ कश्मीरी चाय और स्थानीय नमकीन ने मेरे दिन को और खास बना

भरी सड़कों को अलविंदा **धुमक्कड की पाती**

मेरी यात्रा सुबह की एक उड़ान से शुरू हुई। दिल्ली के हवाई अड्डे से श्रीनगर तक का 1.5 घंटे का सफर हिमालय के बफीर्ले शिखरों की झलक के साथ बीता। श्रीनगर में उतरते ही ठंडी हवा ने मेरे चेहरे को छुआ और डल झील की चमक ने मेरे मन को तरोताजा कर दिया। यहाँ से मैंने एक टैक्सी किराए पर ली, जो मुझे पहलगाम तक ले गई। रास्ता हरे-भरे खेतों, छोटे गाँवों और लिइर नदी के समानांतर चलता था। हर मोड़ पर प्रकृति का एक नया रंग दिखता। कभी पेड़ों की छाँव, कभी पहाड़ों की ऊँचाई। पहलगाम पहुँचकर ऐसा लगा कि हम एक स्वप्निल दुनिया में आ गए हैं।



दिया। अगले दिन मैं बैसरन घाटी की ओर बढ़ा, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड कहते हैं। 5-6 किमी की यह यात्रा घुड़सवारी के साथ और भी मजेदार थी। हरे-भरे मैदान, जंगली फल और बफीर्ली चोटियाँ, बैसरन एक परीकथा की तरह थी। मैंने यहाँ कुछ देर बैठकर प्रकृति की शांति को महसूस किया।

एक स्थानीय नागरिक ने बताया कि पहलगाम का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। इसका नाम कश्मीरी भाषा में पुहेअल (चरवाहा) और गाम (गाँव) से आया, जिसका अर्थ है चरवाहों का गाँव होता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, इसे बैलगाम कहा जाता था, जो अमरनाथ गुफा की ओर जाने वाले नंदी से संबंधित है। प्राचीन काल में, यह चरवाहों और पशुपालकों का प्रमुख केंद्र था, जो गर्मियों में अपने मवेशियों को यहाँ की घासभूमियों में चराने लाते थे।

17वीं और 18वीं सदी में, कश्मीर पर मुगल शासकों का प्रभाव बढ़ा। मुगल बादशाह विशेष रूप से जहांगीर कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता के दीवाने थे। 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन के दौरान. पहलगाम एक हिल स्टेशन के रूप में



नई दिल्ली



1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें। 2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

उभरा। ब्रिटिश अधिकारी गर्मियों में यहाँ शीतलता और शिकार के लिए आते थे। 20वीं सदी में, अमरनाथ यात्रा ने पहलगाम को धार्मिक महत्व दिया। यह यात्रा का प्रमुख पड़ाव बन गया, जहाँ से श्रद्धालु 32 किमी की पैदल यात्रा शुरू

बॉबी और बेटा की हुई थी शूटिंग

1950 के दशक से, भारतीय पर्यटकों और फिल्म निमार्ताओं ने पहलगाम की खोज की। बॉलीवुड फिल्मों जैसे बेटा और बॉबी ने इसके दृश्यों को लोकप्रिय बनाया। 2000 के दशक में पर्यटन स्कीइंग, स्लेजिंग और घुड़सवारी जैसे खेलों की तस्वीरें देखकर मैंने लेकिन झील के किनारे की शांति ने सारी थकान मिटा दी। मैंने कोलाहोई ग्लेशियर की ओर भी एक छोटी ट्रेकिंग की जहाँ बर्फ और मन ही मन सर्दियों में लौटने का फैसला किया। यह महोत्सव पहलगाम को सर्दियों में जीवंत बनाता है। ट्रेकिंग के लिए पहलगाम चट्टानों का मेल देखकर मैं दंग रह गया। घुड़सवारी और कैंपिंग ने

बर्फ महित्सव का अलग आकर्षण

मेरे साहसिक अनुभव को और समृद्ध किया। एक स्वर्ग है। मैंने अरु घाटी और तुलियन झील तक की यात्रा की। फिल्म से पड़ा घाटी का नाम मैंने बेताब घाटी भी देखी जिसे बॉलीवुड फिल्म बेताब ने मशहूर किया। यहाँ के रंग-बिरंगे फूल और हरे मैदान किसी चित्र की तरह थे। ममलेश्वर मंदिर, 12वीं सदी का एक शांत स्थल, मेरे लिए आध्यात्मिक सुकून का ठिकाना बना। यहाँ की शांति और नदी की

आवाज ने मेरे मन को शांत किया। पहलगाम की यात्रा के दौरान मैंने

एक सामुदायिक सभा में देखा कि लोग संगीत, नृत्य और कश्मीरी

खाने के साथ एक-दूसरे का हौसला बढ़ा रहे थे। पहलगाम की यह

बैसरन की हरियाली, अमरनाथ यात्रा की आध्यात्मिकता और ट्रेकिंग

यात्रा मेरे लिए एक संपने की तरह थी। लिइर नदी की मधुर ध्वनि,

हालाँकि मैं गर्मियों में पहलगाम गया लेकिन स्थानीय लोगों ने मुझे

बर्फ महोत्सव के बारे में बताया, जो जनवरी-फरवरी में होता हैं।

का रोमांच, सब कुछ मेरे साथ हमेशा रहेगा। लेकिन इस यात्रा ने मुझे यह भी सिखाया कि खूबसूरती के पीछे कितनी जटिलताएँ छिपी होती हैं। पहलगाम एक ऐसी जगह है, जो न केवल आपको प्रकृति के करीब लाती है, बल्कि आपको मानवीय संघर्ष और उम्मीद के बीच के तनाव को भी समझाती है। जब मैं वापस लौटा तो मेरे साथ पहलगाम की यादें थीं। उसके नजारे, उसके लोग और उनकी अट्ट उम्मीद। मैंने एक वादा किया कि मैं फिर लौटूँगा क्योंकि पहलगाम न केवल एक जगह है, बल्कि एक भावना है जो हर यात्री को अपने

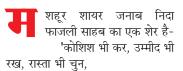
अरु की हरी-भरी वादियाँ और तुलियन झील का नीला पानी मेरे लिए अविस्मरणीय था। तुलियन तक का रास्ता चुनौतीपूर्ण था,

बुनियादी ढांचे के विकास ने इसे वैश्विक पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाया। बताया जाता है कि इस जगह की प्राकृतिक

1970-80 के दशक में पहलगाम को रोमांटिक और साहसिक गंतव्य के रूप में पेश किया जिसने भारतीय पर्यटकों को सुंदरता, लिद्दर नदी, बैसरन घाटी और आकर्षित किया। पहलगाम से 32 किमी बफीर्ली चोटियाँ ने इसे ट्रेकिंग, स्कीइंग की पैदल यात्रा पवित्र अमरनाथ गुफा तक और प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग बनाया। जाती है। मैंने चंदनवाडी का दौरा किया जो तीसरा, बॉलीवड और क्षेत्रीय सिनेमा ने यात्रा का पहला पडाव है। यहाँ का

आध्यात्मिक माहौल और श्रद्धालुओं की भक्ति ने मुझे गहरे तक प्रभावित किया। मैंने स्थानीय लोगों से यात्रा की कहानियाँ सुनीं और उनके आतिथ्य ने मेरे मन को सुकून दिया। चंदनवाड़ी के बफीर्ले नजारे और शांत वातावरण ने मझे एक अलग ही दुनिया में ले गए।

व्यंग्य ■ बर्बरीक



फिर इसके बाद थोड़ा मुकद्दर तलाश

मगर विज्ञापनों की दुनिया में तो हर काम तुरत-फुरत होना चाहिए।

1. मसलन अगर आप टू जी, थ्री जी और कॉमनवेल्थ खेल घोटालों से दुखी और परेशान हैं। आप चाह कर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं, तो बस रेगुलर टाटा की चाय पीयें, इससे आपके मुंह का स्वाद बदले या न बदले मगर देश जरूर बदल जाएगा।

2. 'रहिमन पानी राखिए, बिन पानी जग सून'।

कविवर ने पानी की महत्ता उस युग में बहुत ही महत्वपूर्ण बताई थी। भले ही पानी के मसले पर सिंधु जल समझौता तोड़ने पर भारत और पाकिस्तान युद्ध के मुहाने पर खड़े हों। मगर देश के अंदर आपकी प्यास को तभी कायदे से बुझा हुआ माना जाएगा, जब आप पानी की

3. आम तौर पर इस देश में सिदयों से यह माना जाता है कि रगड़-रगड़ कर नहाने से लोग कम बीमार पड़ते हैं, लेकिन डेटॉल वाले यह गारंटी दिला देते हैं कि जिस घर में डेटॉल का प्रयोग होता है, वहां लोग कम बीमार पड़ते हैं।

जगह कोका कोला या पेप्सी से अपनी

प्यास बुझाएं।

4. वैसे तो हमारे देश में पुरुषार्थ और मर्दानगी के तमाम उच्च मानदंड माने जाते रहे हैं, मगर विज्ञापनों की दुनिया आपके एतबार पर संदेह पैदा करा देती है कि अगर आपने लक्स कोजी बिग शॉट बनियान नहीं पहनी है तो आपको मर्द कहलाने का हक कदाचित ही हो।

5. अमुमन कहीं ऊंचाई से जब कोई कूदता है, तो पैराशूट लेकर ही कूदता है, ताकि वह व्यक्ति सुरक्षित नीचे पहुंच सके। मगर, माउंटेन ड्यू पीकर आप माउंटेन (पर्वत) से कूद जाइए। इस कोल्डड्रिंक को बनाने वाली कंपनी वाले आश्वासन

देते हैं कि आपको कुछ नहीं होगो 6. आम हिंदुस्तानी दिन रात अपनी रोजी-रोटी की जरूरतें पूरा करने में पिसा रहता है। तीज-त्योहार पर एक तोला सोना भी नहीं खरीद पाता। लेकिन, फिल्मस्टार सलमान खान के अनुसार अगर कोई बंदा महीने भर का व्हील डिटर्जेंट ले आए, तो कई किलो सोने का मालिक बन सकता है। फिर, उस बंदे को रोजी-रोटी का उद्यम

'इश्तिहार-ए-इश्क'



करने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी।

7. भारत में आम तौर पर युवक-युवतियां एक-दूसरे के गुण, सौंदर्य पर आकर्षित होकर विवाह करते हैं। मगर, फिल्मस्टार सैफ अली खान और अभिनेत्री करीना कपूर ने शादी जैसा महत्वपूर्ण निर्णय आपस में एक-दूसरे के सिर का डैंड्रफ देख कर किया था, एक सार्वजनिक इश्तिहार में ऐसा उन दोनों को बताते देखा गया है।

8. आम तौर पर बाथरूम बेहद निजी स्थान माना जाता है। लोग बेडरूम जैसी जगह में तो साथ रह लेते हैं, मगर हर व्यक्ति बाथरूम अकेले ही जाता है। हर व्यक्ति बाथरूम में अपनी पूर्ण सुरक्षा और निजता सुनिश्चित भी करता है। परन्तु, विज्ञापन में यदि किसी को आपके टूथपेस्ट में नमक की उपस्थिति पता लगानी हो, तो वह बाथरूम का दरवाजा तोड़कर आपके ट्रथपेस्ट में नमक होने की तत्काल दरयाप्त कर सकता है। विज्ञापन वाले आपके बाथरूम का दरवाजा खोलकर बाहर आने का इंतजार नहीं कर सकते।

9. मोबाइल फोन मनुष्यों को एक-दूसरे से सम्पर्क एवं संवाद के लिए बनाए गए हैं, जो भारत की करीब-करीब पूरी आबादी प्रयोग करती है, अपनी सुविधा एवं हैसियत के अनुसार। लेकिन, टीवी पर आने वाला विज्ञापन स्पष्ट मेसेज देता है कि मानवों के लिये सैमसंग गैलैक्सी र3 फोन ही उचित है। बाकी फोन का प्रयोग करने से मनुष्य के दोबारा मानव से बंदर बन जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। अर्थात, सभ्यता के विकास की गाड़ी रिवर्स गियर में आ सकती है।



10. आम भारतीय मां-बाप अपने लड़कों को बचपन से ही डराते रहते हैं कि पढ़-लिखकर किसी काबिल बन जा। नहीं तो, तुझे विवाह करने के लिये कहीं लड़की नहीं मिलेगी। मगर टीवी पर आने वाला कोल्डड्रिंक उन भारतीय माताओं-पिताओं की समस्या का निजात करने का दावा करता दिखता है। टीवी का विज्ञापन बताता है कि स्प्राइट नामक कोल्डड्रिंक लड़के में इतनी काबिलियत भर देगा कि वह किसी लड़की के योग्य बन सकता है और लड़की उस पर आकर्षित हो जाएगी।

11. अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग पर बताते रहते हैं कि वह पिछले तीन दशक से मीठे से परहेज कर रहे हैं, मगर कैडबरी डेयरी मिल्क का पैकेट हाथ में लिए अक्सर वह लोगों को उकसाते रहते हैं कि 'कुछ मीठा हो जाये'।

12. सरकारें अब इस बात की पहल कर रही हैं कि बिजली को लोगों का मौलिक अधिकार बना दिया जाए। क्योंकि, शहर हो या गांव, बिजली न होने पर हर जगह जन-जीवन ठप हो जाता है। लोग अपने घर की बिजली बचाने और बिजली के न कटने के लिए तरह-तरह के उपाय करते हैं, लेकिन यदि आप हैप्पीडेंट चबा रहे हों तो भले ही आपके घर की बिजली कट जाए। तो भी आप अपने घर

13. भले ही आपके परिवार वाले आपके सुख-दुख की फिक्र कम करते हों। सात फेरे लेकर सात जन्म तक साथ निभाने वाला आपका जीवनसाथी आपकी फिक्र में कोई कोताही कर सकता है, मगर टीवी का विज्ञापन बताता है कि आपका इंश्योरेंस एजेंट आपकी फिक्र आपके माता -पिता और जीवनसाथी से भी ज्यादा

14. आपके पड़ोस में लगने वाली फलमंडी से ज्यादा पौष्टिक व शक्तिवर्धक फल आपके शैम्पू की शीशी में होते हैं, टीवी के विज्ञापन इसकी गांरटी लेते रहते

15. आप अपने ड्राइंगरूम को साफ-सुथरा और चमकदार रखें या न रखें, मगर अपने टॉयलेट को चमचमाता हुआ जरूर रखें। क्योंकि, पता नहीं कब अभिनेता अक्षय कुमार हार्पिक और कैमरा लेकर आपके टॉयलेट की सफाई का सजीव प्रसारण करना शुरू कर दें। यह भी संभव है कि भविष्य में कोई सिनेमा का सुपरस्टार आपके घर पधारे तो सबसे ड्राइंगरूम में बैठने की बजाय आपके बाथरूम की सैर पहले करना चाहे।

निरंतर अभ्यास करने वाले व्यक्ति समाज और मोहल्ले में बुद्धिमान माने जाते हैं। लेकिन, अगर आप औसत बुध्दि के व्यक्ति हैं और अल्प शिक्षित हैं और चाहते हैं कि आपका मोहल्ला आपको बुद्धिमान समझे। तो बस अपना घर एशियन पेंट से रंगवा लीजिए। कंपनी का विज्ञापन बताता है कि ऐसा करने पर आप मोहल्ले में सबसे ज्यादा बुद्धिमान माने

17. बेटे को अगर रामानुजम जैसा तेज दिमाग और महेंद्र सिंह धोनी जैसा शांत दिमाग का बनाना है तो कुछ खास करने की जरूरत नहीं है। बच्चा अगर बॉर्निवटा पीता है तो कभी भी मंदबुद्धि नहीं होगा।

टीवी के इश्तिहार अब इश्क जैसे दिलफरेब और छलिया हो चले हैं। उस्ताद शायर बशीर बद्र साहब ने अपनी एक नज्म में फरमाया है झ

'मुझे इश्तिहार सी लगती हैं ये मोहब्बतों की कहानियाँ,

जो कहा नहीं वो सुना करो, जो सुना

नहीं, वो कहा करो'।

यकीन जानिए साहिबान, इश्क और इश्तिहार,दोनों के प्रभाव से बचना नामुमिकन है।



मैंने हर शहर में महात्मा गांधी मार्ग देखा चित्र देखे, उन पर माल्यार्पण देखा नहीं देखा किसी को चरखा चलाते सूत कातते नहीं देखा वैसी ऐनक लगाकर छूत-अछूत को एक भाव से देखते

सभी जगह महात्मा थे कोर्ट परिसर से संसद तक बच्चे-बच्चे तक जानते थे उनके अधनंगे शरीर और सहारा देती लाठी को

नहीं जाना किसी ने कैसे जीता था यह शरीर कितना काम लिया गया था इससे चलने का पांवों से लिखने का हाथों से बोलने का मुख से सोचने का दिमाग से

साबरमती आश्रम में रखी हुई सौ किताबों वाली इस रचनावली को चित्रों के साथ सजे हुए देखकर भारत का हर पथ महात्मा का बनाया नजर आता है कितना अच्छा साफ मार्गदर्शन देने वाला

असंख्य जिसके पीछे चल रहे निरंतर लाभान्वित होते

अनेक बुरे भी शामिल अपने पद-चिह्न बनाने के लिए महात्मा के पथ को मिटाने की कोशिश करते

हर कोशिश के बावजूद महात्मा का पथ जिंदा है भले बदल कर नाम अंग्रेजी में एम. जी. रोड हुआ!

रिम्स में बन रही हाईटेक टीबी लैब, एमडीआर से ग्रसित मरीजों की होगी पहचान

झारखंड में टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कसी कमर

🔊 पहले इटकी टीबी सेनेटोरियम में थी राज्य की सबसे बड़ी लैब

VIVEK SHARMA RANCHI:

रांची : झारखंड में टीबी को जड से खत्म करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। इसके तहत लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में अत्याधुनिक टीबी लैब का निर्माण किया जा रहा है। यह लैब न केवल आधुनिक तकनीकों से लैस होगी, बल्कि इसका उद्देश्य मल्टी डग रेसिस्टेंट (एमडीआर) टीबी मरीजों की पहचान को तेज और सटीक बनाना भी है। इसके अलावा टीबी के अन्य जांच भी एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा। इस प्रोजेक्ट पर कुल 2.1 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे है। हाईटेक लैब में एक साथ 150 सैंपल की जांच करने की क्षमता है। यह मशीनें जीन एक्सपर्ट और अन्य आधुनिक तकनीकों से लैस होंगी, जो टीबी के जीन और दवा प्रतिरोध क्षमता की पहचान करने में सक्षम होंगी। अब तक एमडीआर टीबी की जांच में कई

≫ कराया जा रहा लैब का निर्माण

एक बार में १५० सैंपल टेस्ट 께 करने की है मशीन की कैपेसिटी

कोर्स के बीच में ही टीबी की दवा 🎾 छोड़ने से बढ़ रहे एमडीआर के मरीज

᠉ जागरूकता से सरकारी और प्राइवेट हेल्थ सेंटर में बढ़ी मरीजों की तादाद

तेज होगी जांच की रफ्तार स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मरीजों में जागरूकता बढ़ने के चलते सरकारी और निजी स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। पहले राज्य का सबसे बडी टीबी लैब इटकी टीबी सेनेटोरियम में था, लेकिन अब रिम्स में बनने वाली यह नई लैब न केवल सुविधाओं के लिहाज से बेहतर होगा, बल्कि यहां जांच की रफ्तार भी कहीं ज्यादा तेज होगी। के शरू होने से समय की बचत

होगी और मरीजों को समय पर

इलाज मिल सकेगा। वहीं जांच

के लिए लोगों को कहीं भी

भटकने की जरूरत नहीं होगी।

दवा का कोर्स परा करना जरूरी एमडीआर टीबी के मामले इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि कई मरीज इलाज के दौरान दवा का

कोर्स को बीच में ही छोड देते हैं।

जब टीबी का इलाज अधरा छोड दिया जाता है, तो बैक्टीरिया दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं और फिर दवाओं का उन पर असर नहीं होता। ऐसे मरीजों का

इलाज अधिक जटिल और महंगा हो जाता है। वहीं मरीजों का इलाज लंबा चलता है। इसके लिए एमडीआर टीबी टेस्ट कराना जरूरी होता है।

इस साल टीबी को खत्म करने का है लक्ष्य

स्वास्थ्य विभाग ने टीबी को 2025 तक खत्म करने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए न केवल आधुनिक सुविधाएं तैयार की जा रही हैं, बल्कि लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं। डॉक्टरों की मानें तो यदि कोई व्यक्ति लगातार दो सप्ताह से ज्यादा खांसी, बुखार और वजन घटने जैसी समस्याओं से जुझ रहा हो तो उसे तुरंत टीबी की जांच करानी चाहिए। इससे तत्काल मरीज का इलाज शुरू होगा। साथ ही अन्य लोगों को चपेट में आने से भी रोका जा सकता है।

मजदूर नहीं, मालिक बनकर राज्य के किसान करें काम : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची के बनहोरा जतरा मैदान में जिला स्तरीय कृषि कर्म शाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों को मालिकाना सोच के साथ खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के किसान अब मजदुर नहीं, बल्कि अपनी जमीन के मालिक हैं। उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों के जरिए आत्मनिर्भर बनना होगा और लाखों का रोजगार खुद खड़ा

लगाए गए थे स्टॉल : कार्यक्रम में किष प्रदर्शनी के साथ-साथ विभाग की योजनाओं की जानकारी के लिए स्टॉल लगाए गए थे। गांवों से आए लोगों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से लाभ लेने



शिल्पी नेहा तिर्की ने सरहुल आजीविका फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी का उदाहरण देते हुए बताया कि यह कंपनी आज करीब १ करोड़ रुपये का सालाना कारोबार कर रही है। इसके सामूहिक प्रयासों को मान्यता देते हुए सरकार की ओर से इसे 15 लाख रुपये का ग्रांट प्रदान किया गया है। इस अवसर पर सरई फुल महिला फार्मर प्रोडयसर कंपनी को भी 15 लाख रुपये की सहायता दी गई। मंत्री ने कहा कि झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में शूकर पालन आम बात है, लेकिन बहुत से किसानों को यह जानकारी नहीं हैं कि झारखंडी शूकर की मांग देशभर में है। यदि किसान इसे व्यावसायिक रूप से अपनाएं तो वे बेहतर आय अर्जित कर सकते हैं।

की प्रक्रिया से अवगत कराया लेकिन उन्नत तकनीक और गया। उन्होंने कहा कि पहले एक वैज्ञानिक विधियों को अपनाकर एकड़ में किसानों को 25 हजार रुपये तक की आमदनी होती थी,

यह मुनाफा अब 1 लाख रुपये तक पहुंच सकता है।

अब अस्पताल शव को नहीं रोक सकेंगे, स्वास्थ्य विभाग का निर्देश जारी

RANCHI : झारखंड सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब अस्पताल किसी भी हालत में शव रोक कर नहीं सकेंगे। मृतक के परिजनों परेशान नहीं किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने सभी उपायुक्तों और सिविल सर्जनों को पत्र भेजकर केंद्र के इस निर्देश को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज ने राज्य के सभी उपायुक्त और सभी सिविल सर्जन को पत्र लिखा है। पत्र में सभी उपायुक्त को अपने–अपने जिले में यह सुनिश्चित कराने को कहा है कि किसी भी अस्पताल में इलाज के दौरान मरीजों की मौत होने के बाद शव को इसलिए नहीं रोक कर रखा जाए, क्योंकि इलाज का बिल बकाया है। क्<mark>या है नया नियम :</mark> नये नियम के तहत, अस्पतालों में इलाज के दौरान मरीज की मृत्यु के बाद बिल का भुगतान नहीं होने पर भी शव नहीं रोका जा सकता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का निर्देश : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मरीजों की शिकायतों को सुलझाने एवं चिकित्सा सेवा को बेहतर बनाने के लिए एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत पेशेंट राइट एवं रेस्पांसिबिलिटी चार्टर को लागू किया है।

O BRIEF NEWS

दिन लग जाते थे, लेकिन इस लैब

रेलवे सुरक्षा बल ने एक नाबालिग को किया रेखय

RANCHI: रांची रेलवे सुरक्षा

बल (आरपीएफ) के डिविजनल सिक्योरिटी कमिश्नर पवन कुमार के निर्देश पर नाबालिग बच्चों को असामाजिक तत्वों के चंगूल से बचाने और उनका रेस्क्यू करने का काम लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को रांची आरपीएफ मंडल की 'नन्हे फरिश्ते' टीम ने एक 15 वर्षीय नाबालिग बच्ची को रांची रेलवे स्टेशन से सकशल रेस्क्य किया। टीम ने प्लेटफार्म संख्या एक पर चेकिंग के दौरान उक्त नाबालिग को अकेले बैठे हुए देखा । संदेह होने पर जब उससे पछताछ की गई, तो उसने अपना नाम और पता बताया । पछताछ में नाबालिग ने बताया कि उसके परिवार वाले उसकी जबरन शादी करवाना चाहते थे, जिससे परेशान होकर वह घर से भाग आई।

जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक कल

RANCHI: प्रदेश जनता दल (य) कार्यसमिति की बैठक 12 मई को आहूत की गयी है। पार्टी के प्रवक्ता सागर कमार ने शनिवार को इसकी जानकरी दी। उन्होंने बताया कि इसी दिन प्रदेश जदय के नव निर्मित कार्यालय का उद्घाटन भी किया जाएगा। दिन के 11.30 बजे से प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो की अध्यक्षता में बैठक होगी, जिसमें विधायक सरयू रॉय भी उपस्थित होंगे। बैठक रांची - पटना रोड में बीआईटी मोड़ के ऑपोजिट मॉडर्न स्कल के समीप नव निर्मित पार्टी कार्यालय में होगी।

मास्को में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेट ने भारतीय प्रवासियों से किया संवाद

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मॉस्को में भारतीय दुतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुये। उन्होंने मॉस्को में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के साथ मुलाकात की और उनके साथ संवाद किया। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने भारतीय प्रवासियों और दुतावास की ओर से राज्य मंत्री का स्वागत किया । कार्यक्रम में दुतावास के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रूस में रह रहे भारतीय समुदाय के लगभग 120 प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। रक्षा राज्य मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भारतीय प्रवासियों उपलब्धियों और योगदान की



अहम भूमिका है' उन्होंने भारतीय समुदाय से 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में सिक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों की महत्वपर्ण भिमका पर भी जोर दिया गया। सेठ ने कहा कि भारतीय जहां भी रहते हैं, वो अपने सत्य कर्मों से जाने जाते हैं। उनका जन्म भले ही हिंदुस्तान में हुआ हो, लेकिन उनकी कर्मभिम जहां होती है, वहां वह सत्य और निष्ठा से अपने कार्यों को करते हैं।

रांची और चक्रधरपुर मंडल की ट्रेनें रहेंगी रह

RANCHI: रांची और चक्रधरपुर रेल मंडल में विकास कार्यों के लिए ट्रैफिक और पावर ब्लॉक के कारण कई ट्रेनें प्रभावित होंगी। इसमें ट्रेन संख्या 18175/18176, हटिया-झारसुगुड़ा-हटिया मेमू एक्सप्रेस 11 मई से 26 मई तक और फिर 28 मई और 30 मई को रद रहेगी। इन ट्रेनों का बदला समय टेन संख्या 18310: जम्म तवी-सम्बलपर एक्सप्रेस 15 मई को अपने निर्धारित समय से 4 घंटे 30 मिनट देर से जम्मू तवी से चलेगी। टेन संख्या 07051: चर्लपल्ली-रक्सौल स्पेशल ट्रेन 24 मई को अपने निर्धारित समय से 2 घंटे 15 मिनट देर से चर्लपल्ली से चलेगी।

पावर ब्लॉक के कारण

काम में नहीं लग रहा मन तो ले लें वीआरएस : डीसी

PHOTON NEWS RANCHI: शनिवार को समाहरणालय में उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में अंचल निरीक्षक और राजस्व उप निरीक्षक के कार्यशैली बेहतर बनाने को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनहित में कार्य करना ही हमारी प्राथमिकता है। यदि कोई अधिकारी अपने कार्य में रुचि नहीं लेता, तो वह स्वैच्छिक सेवानिवत्ति ले ले। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आम नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार करें तथा यह सनिश्चित करें कि कार्यालयों में किसी भी प्रकार के बिचौलियों की उपस्थित न हो।



RANCHI: समाहरणालय रांची स्थित ब्लॉक-बी के सभागार में उपायुक्त मंजनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाहरणालय अंतर्गत सभी कार्यालयों के प्रधान लिपिक, उच्च वर्गीय लिपिक, निम्न वर्गीय लिपिक तथा कम्प्यूटर ऑपरेटरों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और जन शिकायतों के त्वरित निष्पादन के साथ-साथ कार्यालयों की कार्य संस्कृति में सुधार लाना था। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाए।

की कि यदि कहीं बिचौलियों की संलिप्तता दिखे तो अबुआ साथी-9430328080 पर

जानकारी दें, उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी। इसकी लोगों से मिलेंगे

अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक मंगलवार को आम जनता से मिलें और उनकी समस्याओं का समाधान करें। शेष कार्य दिवसों में भी दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक जनता से मिलकर समस्या समाधान किया जाए। कार्यशाला में हल्कावार लंबित दाखिल-खारिज मामलों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित हल्का कर्मचारियों से लंबित मामलों के कारण पछे और निर्देश दिया कि 10 डिसिमल तक की भूमि के 90 दिनों से लंबित म्युटेशन मामलों का निपटारा 7 दिनों के अंदर किया जाए। इसके अतिरिक्त जाति, आवासीय प्रमाण-पत्र, सीमांकन एवं परिशोधन पोर्टल में लंबित मामलों के भी शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिये गये।

अधिकारी : उपायुक्त ने अंचल

विवेकानंद केंद्र ने झारखंड में नमाज-ए-ईशा के बाद ४ को होगा तामीर-ए शुरू किया युवा भारत अभियान

स्वामी विवेकानन्द के मानव निर्माण और राष्ट्र पुनरूत्थान के दृष्टिकोण से प्रेरित अनेक आध्यात्मिक सेवा संगठन हैं जो वर्षों से काम कर रहे हैं। रांची में भी विवेकानन्द केन्द्र है, जिसकी ओर से शनिवार को राजभवन में युवा भारत अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के लिए झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने शुभकामनाएं दी और युवा वर्ग को अभियान से जुड़ने का संदेश दिया। युवा भारत अभियान का उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना और सशक्त बनाना है। कार्यशालाओं, नेतृत्व कार्यक्रमों,

जाएगा ताकि आने वाली पीढ़ियां

भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान और

योगदान से प्रेरणा ले सकें। उन्होंने

निगम के संबंधित पदाधिकारियों को

इसे 'स्टेट ऑफ द आर्ट' के रूप में

विकसित करने के निर्देश दिए। साथ

ही कहा कि इस जगह को ट्रिस्ट



सांस्कृतिक गतिविधियों और सामुदायिक सेवा के माध्यम से यह अभियान झारखंड के 10 हजार युवाओं में सेवा, देशभक्ति और जिम्मेदारी की भावना को जागत करने का प्रयास करेगा। इस अवसर पर बिहार झारखण्ड प्रान्त के संचालक शिव शंकर प्रसाद, नगर

संचालक जयंत कमार झा. विभाग संपर्क प्रमुख श्रेयांस भारद्वाज और जीवनव्रती कार्यकर्ता चिराग परमार उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि स्वामी विवेकानन्द के दृष्टिकोण से प्रेरित अनेक संगठन आज भी काम कर रहे हैं और लोगों को

१४ को होगा तामीर-ए-मस्जिद का आयोजन

उन्होंने आम जनता से भी अपील

RANCHI: कांके प्रखंड अंतर्गत सतकनांदु गांव में 14 मई को नमाज-ए-ईशा के बाद एक भव्य इस्लामी जलसे इस्लाह-ए-मुआशरा व तामीर-ए-मस्जिद का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम समाज में इस्लामी उसूलों पर आधारित सुधार (इस्लाह) और मस्जिद निर्माण की आवश्यकता को लेकर जागरूकता फैलाने हेतु समर्पित होगा। सतकनांदु कमेटी के सदर एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य मुजीब उर रहमान और जलसा कमेटी के सदर मोहम्मद वैश आलम ने बताया कि यह जलसा एक पवित्र और सामाजिक उद्देश्य से प्रेरित कार्यक्रम है, जिसमें इस्लामी शिक्षा, सामाजिक सुधार और मस्जिद निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश

देश के लिए मर मिटने वाले जवानो को अपमानित किया जा रहा : बाबूलाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने कहा है कि जहां एक ओर पूरे देश में सैनिकों के सम्मान में फूल बरसाए जा रहे हैं, उनकी वीरता और शौर्य की गाथाएं सुनाई जा रही हैं, लोग उन्हें गर्व से सलाम कर रहे हैं। दूसरी ओर झारखंड में हेमंत सरकार के संरक्षण में असामाजिक तत्वों की ओर से वीर शहीद जवान राजकुमार महतो की मूर्ति को तोड़ा जा रहा है, देश के लिए मर मिटने वाले जवानों को अपमानित किया जा रहा है। मरांडी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि जब



देश अपनी सीमाओं पर पाकिस्तान की नापाक हरकतों से जझ रहा है. जब हमारे सैनिक अपनी जान की परवाह किए बिना देश की रक्षा के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं, तब झारखंड में कुछ जयचंद किस्म के लोग इस देश की नींव को कमजोर करने पर तुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे शहीदों ने

अपनी जान को दांव पर लगाकर, हमारे देश को बचाने का कर्ज चुकाया है। ऐसे कायरों और गद्दारों को यह समझना होगा कि जो शहीदों के अपमान में शामिल हैं, वे देश के हर नागरिक की आत्मा पर चोट कर रहे हैं. वे भारत पर

चोट कर रहे हैं। इसके बाद एक प्रश्न जो हर झारखंड और देशवासियों के मन में है कि कौन हैं वे लोग, जिनकी आंखों में हमारे शहीदों की वीरता चभ रही है। कौन हैं वे लोग, जो देश की धरती पर पलकर, उसी की शान के खिलाफ काम कर रहे हैं और पाकिस्तानियों की तरह

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने निगम के अधिकारियों के साथ किया स्थल का निरीक्षण, बोले-

भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल की बदलेगी सूरत

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने शनिवार को रांची के कोकर स्थित भगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम के प्रशासक

संदीप सिंह, अपर प्रशासक संजय कुमार मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यह पवित्र स्थल न केवल झारखंड की ऐतिहासिक विरासत है, बल्कि समस्त झारखंडवासियों की आस्था, सम्मान और गौरव का प्रतीक भी है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने समाधि स्थल की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और वहां की साफ-सफाई, संरक्षण तथा विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस ऐतिहासिक स्थल को आधुनिक स्वरूप में विकसित किया



कोकर स्थित मगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल का निरीक्षण करते मंत्री सुदिव्य कुमार व अन्य

प्लेस की तरह डेवलप करे। वहीं लोगों की जानकारी के लिए बड़ी शिलापट्ट लगाए। जिससे कि यहां आने वाले लोगों को बिरसा मुंडा के बारे में जानकारी मिल सके।

सफाई को लेकर विशेष निर्देश मंत्री सुदिव्य कुमार ने अधिकारियों को

निर्देशित किया कि स्थल की सफाई व्यवस्था नियमित रूप से सुनिश्चित की जाए तथा सौंदर्यीकरण के लिए आधुनिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए काम किया जाए। इसके अंतर्गत परिसर में लाइट, पर्यटकों के लिए आवश्यक आधारभृत सुविधाएं,

पथ निर्माण, हरियाली और डिजिटल जानकारी केंद्र भी बनाने को कहा। विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध मंत्री ने समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह भी कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस स्थल का सर्वांगीण विकास सरकार की प्राथमिकता में है। इसके अलावा उन्होंने समाधि स्थल के पास बैठने के इंतजाम करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आसपास की खुली नालियों को ढंकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि डिस्टिलरी पुल के नीचे की सफाई कराने की जरूरत है। केसर ए हिंद की जमीन को भी उपयोग में लाने का निर्देश उन्होंने निगम के अधिकारियों को दे।

जनजातीय भाषाएं अब भी उपेक्षित, छात्रों के भविष्य पर संकट

RANCHI : झारखंड राज्य के गठन को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन जनजातीय समाज की भाषा, संस्कृति और शिक्षा को लेकर जो सपने संजोए गए थे, वे अब भी अधूरे नजर आ रहे हैं। रांची विश्वविद्यालय में जनजातीय भाषाओं के अध्ययन के लिए विभाग की स्थापना तो की गई, परंतु इसे सशक्त बनाने की दिशा में अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। मुंडारी, कुड़ुख, संथाली, हो और खड़िया जैसी जनजातीय भाषाओं को विश्वविद्यालय स्तर पर पढ़ाए जाने की शुरूआत हुई है। हालांकि इन विषयों के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की गंभीर कमी बनी हुई है, जिससे इन भाषाओं में अध्ययनरत छात्रों के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

रांची रेल मंडल में चार अफसरों और जवानों को मिला डीजी इंसाइनिया अवार्ड

PHOTON NEWS RANCHI: भारतीय रेलवे सुरक्षा बल के 201 जवानों को उनके उत्कृष्ट सेवा और साहसिक कार्यों के लिए रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक की ओर से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन जवानों को प्रदान किया गया है, जिन्होंने रेलवे परिसरों में अपराधों की रोकथाम, यात्री सुरक्षा और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में असाधारण प्रदर्शन किया।

उत्कृष्ट सेवा के लिए डीजी इंसाइनिया रेलवे परिसरों में अपराधों की रोकथाम और यात्री सुरक्षा में असाधारण योगदान के लिये पुरस्कार प्राप्त करने वालों में आरपीएफ सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह, निरीक्षक लाल बहादुर, सहायक उपनिरीक्षक शक्ति सिंह और महिला प्रधान आरक्षी कल्पना कुमारी के नाम भी शामिल

हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य आरपीएफ के जवानों की मेहनत और समर्पण को मान्यता देना है, जो भारतीय रेलवे की सुरक्षा और यात्रियों की भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक ने इन जवानों की बहादुरी और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान रेलवे सुरक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। यह पुरस्कार समारोह भारतीय रेलवे की सुरक्षा में आरपीएफ के महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करता है और अन्य जवानों को भी प्रेरित करता है कि वे अपनी जिम्मेदारियों को और भी बेहतर तरीके से निभाएं। इन जवानों की बहादुरी और समर्पण भारतीय रेलवे की सुरक्षा को और मजबूत बनाएंगे और यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेंगे।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की बरसी पर याद किए गए सेनानी

JAMSHEDPUR : देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 10 मई 1857 की बरसी पर भारतीय जन महासभा ने सेनानियों को याद किया। ऑनलाइन



मीटिंग में महासभा के अध्यक्ष धर्म चंद्र पोद्दार ने बताया कि इसकी शुरूआत 16 नवंबर 1817 की मध्य रात्रि को हुई थी, जब अंग्रेजों ने पुणे के शनिवार बाड़े से भगवा ध्वज उतार कर यूनियन जैक लगा

अनेक संस्थानों पर अपना स्वामित्व बनाया। तभी से भारतीयों ने अपने देश को स्वतंत्र कराने की ठान ली थी। 1857 के कई वर्ष पूर्व से संग्राम की तैयारी प्रारंभ हो चुकी थी। इस मीटिंग में अनेक प्रांत के लोगों ने भाग लिया, जिनमें संरक्षक गंगादीन जांगिड, महासचिव सखेन मखोपाध्याय, निशा वाणी, मधु सिन्हा, ओमप्रकाश अग्रवाल, मधु परिहार, अंतयामी पांडा, पुष्पेंद्र सिसोदिया, लक्ष्मी गुंसाई, आरती श्रीवास्तव, गोविंद जैथलिया व मेघाश्री मुखोपाध्याय भी शामिल थीं। धन्यवाद ज्ञापन पुष्पेंद्र सिसोदिया

बच्चों ने माताओं को लगाया टीका, बरसाए फूल

GHATSILA: गोपालपुर स्थित किडजी प्री स्कूल में शनिवार को मदर्स डे मनाया गया। इसमें दीप



प्रज्वलन के बाद बच्चों ने अपनी माताओं को टीका लगाया और फूल बरसाए। सीनियर केजी के बच्चों ने मां शारदे गीत सुनाया। शांभवी सिंह व काव्या महतो

ने नत्य प्रस्तत किया। प्रिया राहल व श्वेता अग्रवाल ने मां को समर्पित कविता सनाई। देवांश पांडा व अद्विका अग्रवाल ने अपनी मां के साथ नृत्य प्रस्तुत किया। जयप्रकाश, उर्वी मार्डी, आदित्य सिंह व कनिष्क शर्मा ने अपनी मां के लिए बहुत ही सुंदर पंक्ति सुनाई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका अनु जायसी ने किया, जबकि आयोजन को सफल बनाने में स्कूल की कनकलता, इंद्राणी राय, लिली बोस, सुमिता दास, सिमरत कौर, कनक लता देव, सुपर्णा बेरा, नीतू सिंह आदि सक्रिय रहे।

वैज्ञानिक शोध-अनुसंधान से अवगत हुए स्कूली छात्र

JAMSHEDPUR : बर्मामाइंस स्थित सीएसआईआर-एनएमएल का शनिवार को टीएमएम प्लस=2 हाई स्कूल, काड़ाडूबा (घाटशिला), पूर्वी सिंहभूम के 29 छात्रों ने भ्रमण किया। एमएवी प्लस 2 हाई स्कूल, मटियाबांधी (चाकुलिया), पूर्वी



सिंहभूम के 30 छात्र भी एनएमएल का दौरा करने आए। बच्चों के साथ दोनों स्कूल के 4-4 शिक्षक भी थे। इस दौरान एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी ने छात्रों को पिछले 82 वर्षों में हुए विभिन्न तकनीकी विकास और देश के विकास में सीएसआईआर के

योगदान के बारे में बताया। डॉ. शर्मिष्ठा पालित सागर ने सीएसआईआर-एनएमएल के महत्व तथा सीएसआईआर प्रयोगशाला में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर चर्चा की। इसके बाद, आईएमडीसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिमेष जाना ने जिज्ञासा कार्यक्रम के बारे में भी चर्चा की।

योजनाओं की धीमी प्रगति पर डीसी नाराज

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने



शनिवार को उपविकास आयक्त संदीप कमार मीणा के साथ जगन्नाथपुर प्रखंड निरीक्षण किया। सबसे पहले

डीसी ने प्रखंड कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक की। इसमें योजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने करंजिया, मोंगरा और तोडांगहातु पंचायतों के सचिवों को फटकार लगाते हुए स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी सचिवों को एक सप्ताह के भीतर संतोषजनक प्रगति लाने के निर्देश भी दिए। मनरेगा योजनाओं की संख्या कम होने और वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान योजना में प्रगति नहीं होने के कारण कसीरा पंचायत के रोजगार सेवक बरय परती से भी जवाब मांगा गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि तीन दिनों के भीतर सभी पंचायतों में खेल मैदान के लिए स्थल चयन कर योजना शुरू की जाए। बैठक के बाद उपायक्त ने बडानंदा पंचायत के ग्राम बडानंदा में बिरसा हरित ग्राम योजना और आम बागवानी योजना का स्थल निरीक्षण किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निकाली जय हिंद यात्रा

JAMSHEDPUR: पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को साकची गोलचक्कर पर जय हिंद यात्रा निकाली। जिलाध्यक्ष आनंद



बिहारी दुबे के नेतृत्व में हुए आयोजन में पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता भी शामिल हुए। बन्ना कहा कि आतंकवाद को पनाह देने वाले और आतंकियों को सबक सिखाने का वक्त आ

गया है। हमें भारतीय सेना पर गर्व है। इस दौरान कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भारतीय सेना जिंदाबाद, जय हिंद, भारत माता की जय... का नारा भी लगाया।

व शराब परोसने की रखी मांग

विरोध करने पर पिस्तौल दिखाकर होटल मालिक से की मारपीट

डीएसपी बन पहुंचा ढाबा, लड़की

PHOTON NEWS CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां डीएसपी बनकर एक ढाबा मालिक पर रौब जमाने वाले तीन लोगों ने शराब और लड़की परोसने का डिमांड किया था। जब ढाबा मालिक ने कहा कि यहां दारू और लड़की नहीं मिलती है, तो तीनों ने कमर से पिस्तौल निकाल कर मारपीट की और गाली-गलौज किया। इसके

जानकारी के अनुसार, चाईबासा थाना अंतर्गत सिकुरसाई में बालेश्वर जामुदा ढाबा चलाते हैं। जामुदा ने बताया कि शुक्रवार को रात में वह ढाबा बंद कर सो गया था।

बाद ढाबा मालिक काफी डर

गया। उसने थाना में मामला दर्ज

• बंधक बनाकर अपराधियों ने कार में बैटा लिया, कुछ दूर जाकर रास्ते में उतारा



मुक्तमोगी ढाबा मालिक

गाड़ी से तीन लोग ढाबा पहुंचे। तीनों ने ढाबा खटखटाकर जबरदस्ती उठाया। जब दरवाजा खोला तो देखा तीन लोग खड़े हैं। इसमें एक युवक ने

अपने आप को चाईबासा का डीएसपी बताते हुए कहा कि मुझे बीयर और लड़की चाहिए। जब हमने कहा कि यहां बीयर और लडकी नहीं मिलती है, तो अचानक डीएसपी बोलने वाले युवक ने कमर से पिस्तौल निकाल कर गालीगलौज करते हुए मारपीट करने लगा। जब हमने इसका विरोध किया तो उसने जबरदस्ती मुझे अपनी गाड़ी में बैठा कर ले गए। कुछ दुर जाने के बाद फिर मारपीट की और उसके बाद हमें वहीं उतार दिया और चले गए। बालेश्वर जामदा ने मफ्फसिल थाना में मामले की शिकायत दर्ज कराई है। इसमें उन्होंने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि इस तरह की घटना फिर से कहीं ना हो । इधर घटना से स्थानीय

लोगों में भी आक्रोश है।

लेखापाल पर ६.२४ लाख रूपये की अवैध निकासी मामले में जांच शुरू

SONUA: पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत सोनुवा प्रखंड में बीआरसी के लेखापाल सह कंप्यूटर ऑपरेटर रोमा चक्रवर्ती पर 6 लाख 24 हजार रुपये की अवैध निकासी के आरोप में जांच शुरू हो गई। शनिवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी



टोनी प्रेमराज टोप्पो के नेतृत्व में जिला की टीम सोनुवा बीआरसी पहुंची। डीईओ और जांच टीम में शामिल अन्य अधिकारियों ने मौके पर बीईईओ तपन सत्पथी की मौजूदगी में लेखापाल से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच-पड़ताल की। इसके अलावा लेखापाल द्वाराँ सोनुवा बीआरसी के बीपीओ राजीव सिन्हा और एमडीएम ऑपरेटर आशीष प्रमाणिक के खिलाफ की गई शिकायत के मामले की भी जांच हुई इस दौरान डीईओ ने कई बिंदुओं पर तीनों कर्मियों को कड़ी फटकार भी लगाई। टीम ने बीआरसी कार्यालय के विभिन्न मद के भगतान से संबंधित पंजियों की भी जांच की। डीईओ ने कहा कि फिलहाल अवैध निकासी का आरोप सिद्ध नहीं हो पाया है। बता दें कि पिछले दिनों इस मामले में डीसी को लिखित शिकायत की गई थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने कहा था कि लेखापाल द्वारा स्कूलों के शिक्षकों द्वारा दिए गए बिल-वाउचर को गलत बताकर अपने करीबी वेंडर के बिल पर हस्ताक्षर कराकर रुपये की निकासी कर ली है।

राष्ट्रीय लोक अदालत



जिला व्यवहार न्यायालय में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें कल 2.54.348 केसों का हुआ, 21,31,84,371 रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन पूर्वी सिंहभूम के प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय, झारखंड स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन राजेश कुमार शुक्ल, पूर्वी सिंहभूम के ग्रामीण आरक्षी अधीक्षक ऋषभ गर्ग, जिला परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश अजित कुमार सिंह, श्रम न्यायालय के न्यायाधीश टी हसन, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रथीन दास, सचिव कुमार राजेश रंजन और डालसा के सचिव धर्मेंद्र कुमार ने संयुक्त

रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मानगो में जमीन विवाद को लेकर दो महिलाओं के बीच हुआ हंगामा

मापी के बाद सुलझेगा मामला, बिरसा सेना ने बिचौलिए को दी चेतावनी

मानगो के संकोसाई रोड नंबर-5 स्थित जेपी स्कूल के पास शनिवार को दो आदिवासी महिलाओं के बीच तीन एकड़ जमीन को लेकर जमकर हंगामा हुआ। विवाद की जानकारी मिलते ही बिरसा सेना के केंद्रीय अध्यक्ष दिनकर कच्छप भी घटनास्थल पर पहुंचे। विवाद की गंभीरता को देखते हुए पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। जानकारी के अनुसार, इस जमीन पर बाघरी सिंह सरदार और बिरसी गोराई दोनों अपना-अपना दावा कर रही हैं। बाघरी सिंह सरदार का कहना है कि यह जमीन उनके दादा बंगाली सिंह सरदार की थी और पिछले 10 वर्षों से वह इस जमीन पर रह रही



हंगामा करती महिला से बात करते बिरसा सेना के कार्यकर्ता

हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक बिचौलिया जान-बुझकर इस विवाद को बढ़ा रहा है, ताकि जमीन को बेचा जा सके। दूसरी ओर बिरसी गोराई भी जमीन पर अपना हक जता रही हैं। दिनकर कच्छप ने बताया कि इस मामले में पहले भी अनिल नामक व्यक्ति से बाघरी का केस चला था, जिसमें डीसीएलआर

था। उन्होंने कहा कि दोनों महिलाएं आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासन से बात कर मापी कराने का निर्णय लिया गया है। अमीन द्वारा की गई मापी के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि किसका

कोर्ट ने बाघरी को कब्जा दिलाया

बालू लदे दो ट्रैक्टर



JAMSHEDPUR अनन्य मित्तल के निर्देश पर पूर्वी सिंहभूम जिले में अवैध खनिज परिवहन, भंडारण और उत्खनन के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खनन विभाग ने बहरागोड़ा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दो ट्रैक्टरों को जब्त किया गया, जो बिना वैध परिवहन चालान के बालू ले जा रहे थे। इसके अलावा धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के कोकपाड़ा चेकनाका पर एक डंपर जब्त किया, जिस पर बालू लदा था। दोनों वाहनों को थाना के सुपूर्द कर दिया गया।

विकास योजनाओं की गुणवत्ता देखने प्रखंडों में पहुंचे अधिकारी



राशन दुकान का जायजा लेते प्रशासनिक पदाधिकारी

JAMSHEDPUR: पूर्वी सिंहभूम जिले में सरकारी योजनाओं और सेवाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर सभी प्रखंडों और नगर निकायों में तैनात नोडल अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य पंचायत और वार्ड स्तर पर संचालित योजनाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता को सुनिश्चित करना है। हर शनिवार को नोडल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र का दौरा कर यह मूल्यांकन करते हैं कि जनता को सरकार की सुविधाएं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और मनरेगा जैसी योजनाएं सही ढंग से मिल रही हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति, स्वास्थ्य उपकेंद्रों में उपलब्ध दवाएं व स्टाफ, विद्यालयों में पढ़ाई की स्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति, परिसर की स्वच्छता, मनरेगा योजनाओं की प्रगति तथा पीडीएस दुकानों से राशन

घाटशिला कॉलेज में बताए गए युद्ध के दौरान सुरक्षा के उपाय



कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य

• फोटोन न्यूज

GHATSILA: घाटशिला कॉलेज में आम नागरिकों को सुरक्षा को लेकर शनिवार को पूर्वाभ्यास (मॉकड़िल) किया गया। मॉकड़िल में पूर्व सैनिक सुशील कुमार, लुगु बास्के, आरके सिंह व मनोहर बास्के ने शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को आपातस्थिति में बरतने वाले उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रभारी प्राचार्य पीके गुप्ता ने कहा कि युद्ध की परिस्थितियों में हम सभी नागरिक साहस और धैर्य से काम लें और सरकार और सेना पर पूरा विश्वास रखें, हम जरूर सफल होंगे। कार्यक्रम का संचालन संचालन प्रो. इंदल पासवान व धन्यवाद ज्ञापन एनसीसी अधिकारी प्रो. महेश्वर प्रमाणिक ने किया। कार्यक्रम में डॉ. दिलचंद राम, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. संदीप चंद्रा, डॉ. संजेश तिवारी, प्रो. राम विनय, डॉ. कन्हाई बारीक, डॉ. सींगो सोरेन, डॉ. रुचि स्मिता, प्रो. सरयू पॉल, डॉ चिरंतन महतो, डेजी, मल्लिका शर्मा, शर्मिष्ठा पातर के साथ एनसीसी कैडेट, एनएसएस वॉलंटियर्स और काफी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

मानगो में फ्लाईओवर निर्माण



JAMSHEDPUR : मानगो क्षेत्र में फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान एक बार फिर पथ निर्माण विभाग की लापरवाही से पाइप फट गया। अर्जुन टॉवर के पास पिलर के लिए की जा रही खोदाई के दौरान पेयजल विभाग की मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे करीब 200 घरों में जलापूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक सरय राय पहुंचे। उन्होंने तुरंत पेयजल विभाग के अधिकारियों से फोन पर संपर्क कर पाइपलाइन की शीघ्र मरम्मत करने का निर्देश दिया। सरयू राय के साथ विधायक प्रतिनिधि पिंटू सिंह, संतोष भगत, मनोज ओझा और बिजेंद्र सिंह भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। इससे पूर्व छोटे पुल के पास डिमना डैम से

शहर में आने वाली मुख्य पाइपलाइन

क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

लोक अदालत में प. सिंहभूम के ९४,११० मामलों का निष्पादन



लोक अदालत के दौरान लगी आवेदकों की भीड

CHAIBASA: राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के तत्वावधान में शनिवार को चाईबासा सिविल कोर्ट और चक्रधरपर अनमंडल न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 94,110 वादों का निष्पादन कर 74 करोड़ 13 लाख 22 हजार 405 रुपये राजस्व प्राप्त हुआ। इसमें बैंक से संबंधित 1710, आपराधिक (कंपाउंडबल) के 2079, बिजली से संबंधित 71, श्रम के तहत 4, मोटर वाहन के तहत 10, कुटुंब न्यायालय से 6, एनआई एक्ट से संबंधित 14 तथा अन्य सिविल वाद से संबंधित 160 वादों का निष्पादन किया गया। इसके साथ ही 90,056 मामलों के निष्पादन से विभिन्न योजनाओं में लाभुकों में 71 करोड 30 लाख 5 हजार रुपये वितरित किए गए। प्रत्येक तीन माह पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है, जिसमें लोग अपने सुलहनीय मामलों के निष्पादन के लिए अपील कर सकते हैं।

फंदे पर लटकी मिली महिला की लाश, पति पर हत्या का आरोप

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा

थाना क्षेत्र में एक महिला की लाश

शक्रवार रात फंदे पर लटकी हुई

मिली। मृतका की पहचान 23

वर्षीय भारती कमारी के रूप में हुई है, जो सिदगोडा निवासी डेविड

की पत्नी थी। महिला गोलमुरी में

एक पेटोल पंप पर काम करती थी।

जानकारी के अनुसार, महिला के

दो पति थे।



• फोटोन न्यूज

पहले उसने अमित मुखर्जी से 2017 में प्रेम विवाह किया था, लेकिन तीन साल से वह दूसरे पति डेविड के साथ रह रही थी। पहले पति ने भारती की हत्या का आरोप लगाया है। उसने कहा कि गुरुवार को डेविड के साथ भारती, उसकी मां और भाई चाईबासा अपने गांव गए थे. लेकिन किसी बात को लेकर वह पति को बिना बताए सिदगोड़ा लौट आई। यहां आने के बाद उसने आत्महत्या

प्रखंड के विकास कार्यों का उपायुक्त ने लिया जायजा, उद्यमिता, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा पर दिया जोर

मुसाबनी में डीसी ने जमीन पर बैट कर महिलाओं से किया संवाद

PHOTON NEWS JSR: पूर्वी सिंहभूम जिले के आकांक्षी प्रखंड मुसाबनी में उपायुक्त अनन्य मित्तल व उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान ने शनिवार को सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्वरोजगार, कृषि, शिल्प, पोषण और शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन किया और स्थानीय लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया। डीसी अनन्य मित्तल ने जमीन पर बैठ कर महिलाओं से संवाद किया। उनसे बात की और उनकी समस्या जानी। योजना के बारे में भी जानकारी ली। डीसी के साथ ही डीडीसी भी उनके साथ फर्श पर बैठे। उपायुक्त ने महिला स्वयं सहायता समृह, किसानों, महिला उद्यमियों और शिल्पकारों से मुलाकात कर उनके कार्यों की



जमीन पर बैठकर महिलाओं से बात करते उपायुक्त अनन्य मित्तल व उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान

हस्तकरघा और डोकरा के शिल्पकारों का बढाया हौसला

मुसाबनी स्थित हस्तकरघा केंद्र में महिलाओं से संवाद कर 🏻 शिल्प, बांस शिल्प और सॉस निर्माण इकाइयों का निरीक्षण उपायुक्त ने उनके उत्पादों की गुणवत्ता, बिक्री और आय के कर इन पारंपरिक विधाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने स्तर की जानकारी ली। वहीं कुईलीसुता गांव में डोकरा पर बल दिया गया।

सराहना की और उन्हें आगे बढ़ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता के लिए मार्गदर्शन किया। उन्होंने है कि स्थानीय कला, शिल्प और

खेती के माध्यम से ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाया जाए।

समुदाय आधारित हो पोषण व स्वास्थ्य सेवा

गोहला पंचायत के मानसी कार्यक्रम के तहत माताओं और बच्चों की पोषण स्थिति का निरीक्षण किया गया। उपायुक्त ने कृपोषण मुक्त बच्चों की प्रगति देखी और सिकल सेल जांच व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सक्रिय एवं समुदाय आधारित बनाने पर जोर दिया।

समावेशी विकास की ओर मजबुत कदम

इस क्षेत्रीय दौरे के माध्यम से प्रशासन ने यह संदेश दिया कि मुसाबनी जैसे आकांक्षी प्रखंडों में सतत और समावेशी विकास ही प्राथमिकता है। स्थानीय समुदाय की भागीदारी और प्रशासन की सक्रियता से समग्र विकास संभव है। इस दौरान बीडीओ अदिति गुप्ता, सीओ ऋषिकेश मरांडी सहित जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कृषि में करते रहें नवाचार व प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग

पारुलिया और गोहला गांव में चल रहे फार्मिंग क्लस्टर का निरीक्षण कर अधिकारियों ने किसानों से जैविक खेती, आधुनिक तकनीक और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित कृषि को अपनाने का आह्वान किया।

योजनाओं की पहुंच और पारदर्शिता का दिया निर्देश

उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि सरकार की योजनाओं की जानकारी और लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचें। उन्होंने पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की आवश्यकता पर बल देते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

केंद्रीय टीम ने देखी आयुष्मान आरोग्य मंदिर की जमीनी स्थिति



आरोग्य मंदिर का निरीक्षण करने पहुंचे केंद्रीय टीम के सदस्य 🏻 • फोटोन न्यूज GHATSILA: आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बाराजुरी में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की केंद्रीय टीम पहुंची, जहां उन्होंने केंद्र में स्वास्थ्य सेवा की स्थिति का आकलन किया। इस टीम में रायपुर से डॉ. अभ्युदय शक्ति तिवारी व पटना से डॉ. कोमल रमन खोबरागड़े शामिल थे। टीम ने जिन सात महत्वपूर्ण सेवाओं की स्थिति देखी, उसमें गर्भावस्था व प्रसव, नवजात व शिशु स्वास्थ्य, बाल व किशोर स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, गैर-संचारी रोगों की जांच, रोकथाम, नियंत्रण और प्रबंधन शामिल थे। आकलन के बाद टीम द्वारा मार्किंग की जाएगी। आकलन पूर्ण होने पर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इस मौके पर अनुमंडल अस्पताल के प्रभारी डॉ. आरएन सोरेन, जिला से क्वालिटी सेल की मौसमी रानी व प्रेमा मरांडी, बीपीएम मयंक सिंह, बीएएम सुशील कुमार दीप, बाराजुरी सेंटर की सीएचओ शांता सविता एक्का, एएनएम झरना दास, सत्येंद्र कुमार, अन्ना मंजूषा कुजूर, संगीता दे, सुप्रिया दे, कल्याणी महतो, हीरा मुर्मू, बीटीटी व सहिया साथी उपस्थित थीं।

BRIEF NEWS

यात्रियों से भरी बस पेड़ से टकराई, दर्जनों घायल



इलाके में पेड़ से टकरा गई, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा यात्री घायल हो गए। बस चतरा से को सदर थाना पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से सदर अस्पताल भेजा। इसमें कई बच्चे भी घायल हैं। बताया जाता है कि चालक का बस से संतुलन बिगड़ने के कारण दुर्घटना हुई। हालांकि सभी घायल खतरे से बाहर हैं।

बाइक सवार तीन युवक सड़क हादसे में घायल



KODERMA: जिले के चंदवारा थाना अंतर्गत गजरे में शनिवार को सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए। घायलों की पहचान चंदवारा थाना क्षेत्र के काकरिया थमाय निवासी रंजीत यादव (22), प्रदीप यादव (24) और मनीष यादव (25) के रूप में हुई है। जानकारी के अनसार एक बाइक पर तीनों यवक सवार होकर बरही में एक शादी समारोह से अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान गजरे में सड़क किनारे ईंट के ढेर में टक्कर होने से तीनों घायल हो गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तीनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए तीनों को रिम्स रेफर कर दिया गया।

अनाथ बच्चों के लिए खाद्य साम्रगी सौंपी



JAMSHEDPUR : सोनारी स्थित एडॉप्शन सेंटर में लायंस क्लब जमशेदपुर (यूनिटी) ने शनिवार को अनाथ बच्चों के लिए खाद्य साम्रगी, पैंपर्स, दुध का डिब्बा, बिस्किट समेत अन्य सामान सेंटर की संयोजक गुरविंदर कौर को सौंपी। इस दौरान वे बच्चों से भी मिले, उनका हालचाल लिया। कार्यक्रम में संस्था के वाइस प्रेसिडेंट धर्मेंद्र सिंह, सेक्रेटरी उपेंद्र प्रसाद, आरती सुमन, सुजाता सिंह व रेखा मिश्रा भी मौजूद थीं।

महर्षि मेंही परमहंस महाराज की जयंती आज



KHUNTI: महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज की 141वीं जयंती 11 मई को मलियादा, शांति पुरी मुरहू और बंदगांव आश्रम में मनाई जाएगी। संरक्षक डॉ. डीएन तिवारी व अध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि बंदगांव और मुरहू में प्रभातफेरी निकाली जाएगी। पूर्वाह्न दस बजे से सभी आश्रमों में स्तृति प्रार्थना के बाद गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डाला जायेगा। सदगरु के उपदेश और सत्संग कार्यक्रम होंगे। साथ ही विशेष भंडारा की भी व्यवस्था रहेगी।

पूरी हुई आदिवासियों की वर्षों पुरानी मांग

JAMSHEDPUR : ऑल इंडिया संताली राइटर्स एसोसिएशन तथा जाहेरथान कमेटी के महासचिव रवींद्र नाथ मुर्मू ने कहा कि वे वर्षों से पं. रघुनाथ मुर्मू की जयंती पर छुटी की मांग कर रहे थे। इसे झारखंड सरकार के संयुक्त सचिव, आसिफ हसन द्वारा द्वारा अधिसूचित कर दिया कि 12 मई को बद्ध पर्णिमा के साथ-साथ पं रघनाथ मर्म के जन्मदिवस पर भी एनआई एक्ट के तहत छुट्टी रहेगी। ज्ञात हो कि यह सरकारी छुट्टी प. बंगाल तथा ओडिशा सरकार द्वारा पूर्व में ही घोषित की गई थी। राज्य सरकार के फैसले पर अध्यक्ष सीआर माझी, गणेश टुडू, मानसिंह माझी, ताला मुर्मू, जोबा मुर्मू, पीताम्बर माझी, वीर प्रताप मुर्मू आदि ने भी खुशी

आईएमए ने डॉक्टरों को तैयार रहने का किया आग्रह

DHANBAD: भारत-पाकिस्तान युद्ध को देखते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, झारखंड चैप्टर ने सभी चिकित्सकों से अलर्ट रहने का आग्रह किया है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण कमार सिंह के साथ धनबाद जिला अध्यक्ष डॉ. बीएन गुप्ता ने बताया कि सभी सदस्यों को सीपीआर के बारे में तैयार रहना है। जरूरत पड़ने पर कहीं भी सेवा देकर आम नागरिकों की मदद की जा सकती है। इसके साथ ही आश्रय जागरूकता को लेकर भी अभियान चलाया जाएगा इसके तहत किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना के बाद कैसी जगह पर जाकर छिपना है, इसके बारे में लोगों को बताया जाएगा। डॉ. गुप्ता ने बताया कि किसी भी प्रकार की चिकित्सा सेवा के लिए आम लोग इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से संपर्क कर सकते हैं। जिला और राज्य भर में इसे लेकर दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। सचिव डॉ. राकेश इंदर व कोषाध्यक्ष डॉ. प्रणय कुमार ने भी लोगों से अपील की है।

अवैध हथियार के साथ क्रव्यात अपराधी गिरफ्तार, बड़ी वारदात की योजना नाकाम

एसपी को मिली गुप्त सूचना पर मेदिनीनगर के गोरह मंदिर जाने वाले रास्ते से हुई गिरफ्तारी

• लोडेड देसी पिस्तौल चाकू व अन्य सामान किए गए बरामद

AGENCY PALAMU:

मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत टी.ओ.पी.-2 के कान्दू मुहल्ला गोरहो मंदिर के समीप शुक्रवार देर रात वारदात की योजना बनाते एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक लोडेड देसी पिस्तौल, चाकू बरामद किया गया। आरोपी की पहचान नितेश शर्मा उर्फ राहुल शर्मा के रूप में हुई है। नीतेश कान्दू मुहल्ला का रहने वाला है। शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार ने शनिवार को जानकारी



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते थाना प्रमारी देवव्रत पोद्दार • फोटोन न्यूज

दी कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कुछ अपराधी किसी गंभीर आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में छिपे हए हैं। पलिस अधीक्षक के

निर्देशानुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए टीओपी दो के प्रभारी सहायक अवर निरीक्षक राकेश कुमार ने टाइगर मोबाइल दल के साथ मौके पर पहुंचकर सर्च

ऑपरेशन चलाया। टीम ने जब गोरह मंदिर जाने वाले रास्ते के समीप स्थित गली में तलाशी ली, तो देखा कि अंधेरे में झाडियों के पुलिस को देखते ही सभी व्यक्ति भागने लगे। इस दौरान एक युवक नितेश शर्मा उर्फ राहुल शर्मा पकड़ा गया। उसके पास से एक लोडेड देसी पिस्तौल, चाकू बरामद किया गया। पछताछ में पता चला कि वह तेजा उर्फ विशाल शर्मा और दो अन्य साथियों के साथ किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहा था। नितेश शर्मा 13 अप्रैल 2025 को रेलवे स्टेशन के पास हुई कार्रवाई में फरार हो गया था। उसके खिलाफ डकैती, लूट, धमकी और आर्म्स एक्ट के कुल छह मामले दर्ज हैं। पुलिस पछताछ में मिली जानकारी के आधार पर अन्य अपराधियों की

नकदं व जेवरात समेत 17 लाख की चोरी

गदड़ा में बंद घर से

क्षेत्र के गदड़ा स्थित ड्राइवर कॉलोनी में एक बंद घर को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने रामकिशून प्रसाद नामक व्यक्ति के घर से करीब 15 लाख रुपये के गहने और एक लाख 90 हजार रुपरे नकद पार कर दिया है। पीड़ित परिवार अपने पैतुक गांव गया में करीब डेढ महीने से था, इसी दौरान चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया। रामकिशन प्रसाद ने बताया कि चोर उनके घर क मुख्य ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी में रखे सारे कीमती जेवरात और नकदी समेट कर ले गए। चोरी की इस घटना को लेकर उन्होंने कुछ लोगों पर संदेह जाहिर किया है। चोरी की शिकायत परसुडीह थाना में दर्ज कराई गई है, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी या छानबीन की ठोस पहल नहीं की गई है। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस की टाइगर मोबाइल टीम मौके पर पहुंची थी. फोटो खींचे और फिर घर को बंद कर लौट जाने को कह दिया। थाना प्रशासन की इस निष्क्रियता से पीडित परिवार में रोष है। उनका कहना है कि जब स्पष्ट जानकारी और आशंका के आधार पर रिपोर्ट दी गई है, तो पुलिस

को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए थी।

पलामू व्याघ्र परियोजना से विस्थापितों के एसपी ने ९ पुलिसकर्मियों को किया लाइन हाजिर लिए बनेगा मॉडल ग्राम : मुख्य सचिव

LOHARDAGA : लोहरदगा जिला मै बाल का अवैध कारोबार धडल्ले से हो रहा है। एसपी हारिश बिन जमा खुद सड़क पर शक्रवार देर रात निकले तो उन्हें भी बालू लदे अवैध टैक्टर धडल्ले से दौडते नजर आए। एसपी ने तत्काल कारवाई करते हुए नौ पुलिस कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। लोहरदगा मे पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी कि बालू का अवैध परिवहन हो रहा है। सच क्या है यह देखने के लिए लोहरदगा एसपी खुद सड़क पर निकल पड़े। जो कुछ भी नजर आया, उसके बाद लोहरदगा एसपी ने बड़ी कार्रवाई कर दी है। खुद लोहरदगा एसपी हारिस बिन जमां ने इस मामले की पृष्टि की है। बालू के अवैध परिवहन के मामले में लोहरदगा में बड़ी कार्रवाई हुई है।



एसपी हारिश बिन जमा लोहरदगा एसपी ने पूरे मामले की जांच कराई और खुद भी मामले की सत्यता जानने को लेकर सड़क पर निकले थे। जिसमें पाए गए तथ्यों के आधार पर एसपी ने कार्रवाई की है। लोहरदगा एसपी हारिस बिन जमां ने बालू के अवैध परिवहन के मामले में नौ पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। ये पुलिसकर्मी थाना ड्यूटी नहीं करेंगे। इनमें भंडरा, लोहरदगा और सेन्हा थाना के पुलिसकर्मी शामिल हैं। लोहरदगा एसपी की इस कार्रवाई के बाद हड़कंप मच

PHOTON NEWS LATEHAR:

राज्य सरकार की मख्य सचिव अलका तिवारी शनिवार को लातेहार पहुंचीं। इस मौके पर वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव अबु बक्कर सिद्दिकी व जल संसाधन विभाग के सचिव प्रशांत कुमार भी थे।

परिसदन में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंडल डैम के निर्माण को लेकर आ रही समस्याओं की समीक्षा की गई। बैठक में उप निदेशक, पलाम् व्याघ्र परियोजना दक्षिणी प्रमंडल ब्रजेश कांत जेना ने बताया कि मंडल डैम निर्माण के अंतर्गत 6 गांव डूब क्षेत्र में आते हैं। सर्वे किए गए सभी 780 परिवारों को विस्थापित करते हुए सरकार द्वारा द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं सहित अन्य सुविधाओं से भी लाभान्वित किया

इसके पश्चात मुख्य सचिव पलामू जिले के पोलपोल गांव में ब्याघ्र परियोजना से पूर्नवासित लोगों से मिली। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि सरक्षित स्थान पर पनर्वासित करना



मुख्य सचिव का स्वागत करते डीसी उत्कर्ष गुप्ता

सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने पुनर्वासित लोगों को संपत्ति के दस्तावेजी अधिकार देने की बातें कहीं। उन्होंने आवंटित भूमि, मकान का मालिकाना हक प्रदान करने की पहल करने का निर्देश दिया। मालिकाना हक प्रदान करने के लिए उन्होंने प्रावधान के अनुरूप आवंटित संपत्ति-भूमि के रजिस्टर-2 में नाम दर्ज कराने संबंधी प्रस्ताव तैयार कर राज्य को भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसे मॉडल ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने सभी परिवारों का आधार कार्ड बनवाने एवं बने

आधार कार्ड में पत्ता बदलवाने तथा सभी पुनर्वासित परिवारों को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, सिंचाई विभाग आदि विभिन्न विभागों की योजनाओं से आच्छादित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही बच्चों को स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र से जोड़ने को कहा। विदित हो कि ब्याघ्र परियोजना के कोर क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को जीवन परिवर्तित करने, वन्य जीवों से सुरक्षा प्रदान करने एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ-साथ बिजली, पानी की सुविधा एवं पक्का मकान का सपना साकार करने को लेकर पलाम् ब्याघ्र परियोजना के कोर क्षेत्रों से वन विभाग के पूर्नवास योजना के तहत सुरक्षित स्थान पोलपोल में बसाया जा रहा है। इसके तहत वन विभाग के कोर क्षेत्र गारू प्रखंड के कुजरूम से 57 एवं जयगीर से 22 परिवारों को बसाया जा रहा है। इसमें जयगीर से 22 एवं कुजरूम से 35 परिवार बसाए जा चुके हैं। ग्रामीणों को प्रति लाभुक

बड़ी नगद राशि भी प्रदान की जा रही है।

डाकघर में लगी आग, कई सामान जलकर हुए राख

जिला मुख्यालय स्थित मुख्य डाकघर में शनिवार को अचानक आग लगने से कंप्यूटर सहित कई अन्य सामान जलकर राख हो गए। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार शनिवार को डाकघर से धुआं निकलता देख आसपास के लोगों ने डाक कर्मी और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही डाक कर्मी और अधिकारी पहुंचे और जैसे ही डाकघर का दरवाजा खोला, तो भयानक आग और धुआं दिखा। इसी क्रम में फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर सबसे पहले बिजली कनेक्शन काटा और पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काब पाया जाता. तब तक कई सामान जलकर राख हो चुके थे। अग्निशमन पदाधिकारी



इसी डाकघर में हुई घटना

रमेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट लगती है। उन्होंने बताया कि आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। नुकसान के बारे में डाक विभाग के अधिकारियों की ओर से कोई लिखित जानकारी नहीं दी गई है। उप डाकपाल अनाथ कुमार दास ने बताया कि शुक्रवार शाम में काम खत्म होने के बाद सभी कर्मी और अधिकारी कार्यालय बंद कर चले गए थे। शनिवार को

आग लगने की सूचना आसपास के लोगों ने दी। आग लगने के कारण कई कंप्यूटर, सर्वर, प्रिंटर, स्कैनर, टेबल, कुर्सी, इनवर्टर, बिजली के तार सहित कई अन्य सामान जलकर राख हो गए हैं। उन्होंने बताया कि कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बच गए हैं। आग की जांच के लिए दुमका से अधिकारी आ रहे हैं। आग लगने से काफी नुकसान हुआ है और इस कारण काम पूरी तरह

बीएड-एमएड की परीक्षा आज, निषेधाज्ञा लाग्

HAZARIBAG: बीएड, एमएड, बीपीएड की संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 11 मई को सदर अनुमंडल अंतर्गत कुल 13 केंद्रों पर होगी। इसमें अनंदा कॉलेज. इंटर साइंस कॉलेज, ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ फामेर्सी, संत स्टीफन स्कूल, अमृत नगर हाई स्कुल, डीएवी पब्लिक स्कूल, मोंटफोर्ट स्कूल, अनंदा हाई स्कूल, संत रॉबर्ट गर्ल्स हाई स्कूल, संत कोलंबस कॉलेजिएट स्कूल, संत रॉबर्ट हाई स्कूल, बिहारी गर्ल्स हाई स्कूल व हिंद प्लस टू हाई स्कूल शामिल हैं। उपायुक्त हजारीबाग एवं पुलिस अधीक्षक हजारीबाग आदेशानुसार सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने परीक्षा केंद्र के बाहर धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू की है। परीक्षा केंद्र के 100 मीटर की परिधि के अंदर परीक्षार्थी को छोडकर अन्य व्यक्तियों की प्रवेश प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केंद्र के इर्द-गिर्द घातक हथियार, लाठी, आग्नेयास्त्र इत्यादि लेकर घूमने की मनाही रहेगी।

डीसी ने किया केरेडारी का दौरा योजनाओं का लिया जायजा

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय ने शनिवार को केरेडारी प्रखंड का दौरा कर केरेडारी प्रखंड कार्यालय व अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने इस दौरान प्रखंड और अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों कर्मियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जांच की और लंबित कार्यों को जनहित में बिना बिलंब निष्पादित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रोकड़ पंजी, उपस्थिति पंजी, लॉगबुक, दाखिल-खारिज के लंबित मामले. कोल कंपनी से संबंधित राजस्व संबंधित मामले, प्रखंड कार्यालय से संबंधित मनरेगा. जेएसएलपी के कार्य. प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मंईयां सम्मान योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा



लिया और जनहित में कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रोकड़ पंजी विधिवत संधारित नहीं पाए जाने पर नाराजगी भी व्यक्त की और तुरंत रोकड़ पंजी, उपस्थिति पंजी को अद्यतन करने के निर्देश दिए। प्रखंड मख्यालय में आगंतक के लिए पेयजल उपलब्ध नहीं रहने पर भी नाराज दिखीं और तरंत पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि प्रखंड व अंचल कार्यालय में प्रखंडवासी अपनी समस्याओं और योजनाओं के लाभ को लेकर आते है, इस बाबत उनके साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाएं और प्राथमिकता के आधार पर उनकी समस्याओं को सुनें।

नहीं मिला एक भी मकान बनाने का टारगेट, मालिकाना हक न होना बनी वजह

पीएम भागीदारी आवास योजना से कटा जुगसलाई व जमशेदपुर का नाम

MUJTABA RIZVI @ JSR: प्रधानमंत्री भागीदारी आवास योजना से जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति और जुगसलाई नगर परिषद को बाहर कर दिया गया है। इस योजना से इन दोनों नगर निकायों का पत्ता कट गया है। इस साल नगर विकास एवं आवास विभाग ने इन दोनों नगर निकायों को एक भी भागीदारी आवास बनाने का लक्ष्य नहीं दिया है। इन दोनों नगर निकायों में योजना के तहत इस साल एक भी आवास नहीं बनाया जा सकेगा। ऐसा जमीन के पेंच की वजह से हुआ है।

लाभुकों के पास उनकी जमीन का मालिकाना हक नहीं होने की वजह से ही जमशेदपुर अक्षेस और जुगसलाई को इस योजना से दूर रखा गया है।



विवादित जमीन पर नहीं बनेंगे आवास

जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र में अधिकतर सरकारी जमीन है। इनका मालिकाना हक मकान मालिकों के पास नहीं है। लोगों ने सरकारी जमीन पर मकान बना लिए हैं। इनके कागजात मकान मालिकों के नाम नहीं होने की वजह से इस क्षेत्र के लोगों को योजना का लाभ नहीं मिलेगा। जुगसलाई की स्थिति अलग है। यह एक छोटा सा इलाका है। यहां अधिकतर मकान पक्के बने हुए हैं। जो कुछ झोपड़ियां अभी हैं, उनके पास जमीन के कागजात नहीं हैं। इन इलाकों में योग्य लाभुक नहीं हैं।

क्या है प्रधानमंत्री भागीदारी आवास योजना

पहले हम जान लेते हैं कि आखिर प्रधानमंत्री भागीदारी आवास योजना क्या है। इस योजना के तहत वह लोग लाभुक होते हैं, जिनके पास अपनी रैयती या रजिर्स्टर्ड जमीन होती है। ऐसे लाभुक जिनकी जमीन के कागजात उनके नाम हैं और जमीन पर झोपड़ी या कच्चा मकान है, वह भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना में चयनित लाभुकों को अपनी जमीन के दस्तावेज नगर निकाय को देने होते हैं। नगर निकाय अंचल अधिकारी को जमीन के कागजात भेज कर इसकी पुष्टि कराता है कि संबंधित जमीन लाभुक के ही नाम है या किसी और के नाम। अगर जमीन किसी और के नाम है, तो उस लाभुक को योजना का लाभ नहीं दिया जाता है।

नगर निकायों में भागीदारी आवास का टारगेट

मानगो - 50 चाकुलिया - 300 सरायकेला - 50

आदित्यपूर - 500 कपाली 100 चाईबासा

चक्रधरपुर - 300

- 200

कोल्हान के अन्य नगर निकायों को मिला लक्ष्य

नगर विकास विभाग ने इस साल योजना का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसमें जमशेदपुर और जुगसलाई दोनों नगर निकायों को कुछ नहीं मिला है। जबिक, कोल्हान के अन्य नगर निकायों में मानगो, चाकुलिया, सरायकेला, आदित्यपुर, कपाली, चाईबासा और चक्रधरपुर को भागीदारी आवास बनाने के लक्ष्य दिए गए हैं।

कहां बनाए जाएंगे कितने आवास

बड़हरवा- ३००, बड़की सरैया-250, बासुकीनाथ- 300, बिश्रामपुर - 500, बुंडू -200, चास- 700, चतरा- 400, छतरपुर- ५००, चिरकुंडा- ५००, देवघर- 2000, धनबाद - 2000, धनवार- ३००, डोमचांच - ३००, दुमका- २००, गढ़वा- ३००, गिरिडीह- १५००, गोड्डा - ७००, गुमला- 500, हरिहरगंज- 1000, हजारीबाग- १०००, हुसैनाबाद-700, जामताडा- 700 झुमरीतिलैया– 250, खूंटी– 200, कोडरमा– २००, लातेहार– २००, लोहरदगा- 500, मधुपुर- 700, महागामा - 500, मंझिआंव - 300, मेदिनीनगर- १०००, मिहिजाम-500, पाकुड-400, फुसरो- 50 राजमहल- 200, रामगढ़- 1000, रांची- 2000, साहेबगंज- 300, बंशीधरनगर- 500 और सिमडेगा- 300।

टाटानगर से होकर चलने वाली लंबी दूरी की एक दर्जन ट्रेनें रह

मंडल में विकास कार्यों के कारण टाटानगर से होकर चलने एक दर्जन ट्रेनें रद्द चल रही है। रविवार को इनमें से 4 ट्रेनें रद्द रहेंगी। 18 मई तक लंबी दुरी की एक दर्जन ट्रेनें रद्द होने से हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना होगा। इन ट्रेनों में सांतरागाछी-

हावडा–बड़बिल–हावड़ा जनशताब्दी

JAMSHEDPUR: खड्गपुर रेल बादामपहाड् एक्सप्रेस, शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस, बादामपहाड़ -राउरकेला-बादामपहाड् एक्सप्रेस, पोरबंदर-सांतरागाछी हावड़ा-जगदलपुर कांटाबाजी-हावड़ा एक्सप्रेस और हावड़ा अहमदाबाद एक्सप्रेस को अलग अलग दिनों में रद्द किया गया है।

ये ट्रेनें हुईं कैरिसल

• शालीमार-बादामपहाड् एक्सप्रेस - 17 मई • बादामपहाड-शालीमार एक्सप्रेस - 18 मई • बादामपहाड़–राउरकेला–बादामपहाड़ एक्सप्रेस – 🛮 18 मई शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस

११ मई • सांतरागाछी-पोरबंदर एक्सप्रेस 11 मई हावड़ा–घाटशिला–हावड़ा एक्सप्रेस - 11 मई • हावड़ा-हटिया-हावड़ा क्रियायोग 11 व 18 मई

• कांटाबाजी–हावड़ा एक्सप्रेस 17 मई • हावडा –कांटाबाजी एक्सप्रेस 18 मई अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस - 16 मई • हावड़ा–अहमदाबाद एक्सप्रेस

17 मई - 17 और 18 मई

मां धरती पर विधाता की प्रतिनिधि यानी देवतुल्य है



ललित गर्ग

मदर्स डे, उन उल्लेखनीय महिलाओं का सम्मान करने का एक हार्दिक उत्सव है जो हमारे जीवन को प्यार, ज्ञान और असीम शक्ति से भर देती हैं। माँ का प्यार किसी भी ताजे फूल से अधिक सुंदर है। एक माँ की खुशी एक प्रकाश स्तंभ की तरह होती है, एक प्रकाशगृह यानी लाइट हाउस, जो भविष्य को रोशन करती है लेकिन प्यारी यादों के रूप में अतीत पर भी प्रतिबिंबित होती है।

र्ज दर्स डे' या मातृ दिवस एक ऐसा महत्वपूर्ण एवं संवेदनात्मक दिन है जो हमें अपनी माताओं के प्यार और बलिदान के लिए धन्यवाद देने और उन्हें सम्मान देने का अवसर देता है। जननी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का तथा मातृशक्ति की अभिवंदना का यह एक स्वर्णिम अवसर है। माँ की महिमा को उजागर करने का ऐतिहासिक दिन है। सेवा और समर्पण की साक्षात प्रतिमूर्ति मातृ-शक्ति ने केवल अपनी संतान को ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को सजनात्मक एवं रचनात्मक दिशाएँ दी हैं। अपने त्याग और बलिदान से परिवार, समाज और राष्ट्र की अस्मिता को बचाने का हर संभव प्रयत्न किया है। यहाँ तक कि परिवार संस्था की आधारभित्ति भी मातृ-शक्ति के इर्द-गिर्द ही टिकी हुई है। माँ एक चलता-फिरता चमत्कार है। माँ के प्रभाव से अधिक शक्तिशाली कोई प्रभाव नहीं है। मातृ दिवस मनाने की अनेक विचारधाराएं एवं मान्यताएं हैं। विश्व के विभिन्न भागों में यह अलग-अलग दिन मनाया जाता है। मदर्ड डे का इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है। प्राचीन ग्रीक और रोमन इतिहास में मदर्स डे मनाने का उल्लेख है। 16वीं सदी में इंग्लैण्ड का ईसाई समुदाय ईशु की माँ मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए यह त्योहार मनाने लगा। इस दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वृडरो विलसन ने 8 मई, 1914 को लिया। कुछ लोगों का मानना है कि मदर्स डे कि शुरूआत एक अमेरिकन एक्टिविस्ट एना जार्विस से होती है। एना जार्विस को अपनी माँ से खास लगाव था। माँ के गुजर जाने के बाद एना ने माँ से प्यार जताने के लिए मदर्स डे की शुरूआत की। तब से हर साल मई माह के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। माँ का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि माँ अपने बच्चे की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ लेती है। एक मां का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है, एक मां के बिना ये दुनियां अधूरी है। मर्दर्स डे सामान्य रूप से माताओं, मातृत्व और मातृ संबंधों को मान्यता देता है, साथ ही उनके परिवारों और समाज में उनके सकारात्मक योगदान को भी दशार्ता

मदर्स डे, उन उल्लेखनीय महिलाओं का सम्मान करने का एक हार्दिक उत्सव है जो हमारे जीवन को प्यार, ज्ञान और असीम शक्ति से भर देती हैं। माँ का प्यार किसी भी ताजे फूल से अधिक सुंदर है। एक माँ की खुशी एक प्रकाश स्तंभ की तरह होती है, एक प्रकाशगृह यानी लाइट हाउस, जो भविष्य को रोशन करती है लेकिन प्यारी यादों के रूप



में अतीत पर भी प्रतिबिंबित होती है। एक माँ शक्ति और गरिमा से सुसज्जित होती है, भविष्य के बारे में बिना किसी डर के हँसती है। प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा है कि जब मैं पैदा हुआ, इस दुनिया में आया, वो मेरे जीवन का एकमात्र ऐसा दिन था जब मैं रो रहा था और मेरी मां के चेहरे पर एक सन्तोषजनक मुस्कान थी।' एक माँ हमारी भावनाओं के साथ कितनी खूबी से जुड़ी होती है, ये समझाने के लिए उपरोक्त पंक्तियाँ अपने आप में सम्पूर्ण हैं। मां का त्याग, बलिदान, ममत्व एवं समर्पण अपनी संतान के लिये इतना विराट है कि परी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां के ऋण से उऋण नहीं हुआ जा सकता है। मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं। इसीलिये एच. डब्ल्यू. बीचर ने कहा कि मां का हृदय बच्चे की पाठशाला है।

भारतीय संस्कृति में मां का स्थान सर्वोपरि माना गया है। मां को देवतुल्य माना गया है। इसीलिये 'मातृ देवो भवः' यह सुक्त भारतीय संस्कृति का परिचय-पत्र है। ऋषि-महर्षियों की तपः पूत साधना से अभिसिंचित इस धरती के जरें-जरें में गुरु, अतिथि आदि की तरह माँ भी देवरूप में प्रतिष्ठित रही है। महर्षि वाल्मीकी की यह पंक्ति- 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादिप गरीयसी' जन-जन के मुख से उच्चारित है। प्रारंभ से ही यहाँ 'मातृशक्ति' की पूजा होती आई है। वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में माँ की आराधना होती है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धन-धान्य आदि प्राप्त होता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया। एक माँ हमारे जीवन की हर छोटी बड़ी जरूरतों का ध्यान रखने वाली और उन्हें पूरा करने वाली देवदूत होती है। कहने को वह इंसान होती है, लेकिन भगवान से कम नहीं होती। वह ही मन्दिर है, वह ही पूजा है और वह ही तीर्थ है। तभी ई. लेगोव ने कहा है कि इस धरती पर मां ही ऐसी देवी है जिसका कोई नास्तिक नहीं। यही कारण है कि सम्ची दुनिया में मां से बढ़कर कोई इंसानी रिश्ता नहीं है। वह सम्पूर्ण गुणों से युक्त है, गंभीरता में समुद्र और धैर्य में हिमालय के समान है। उसका आशीर्वाद वरदान है। जरा कभी मां के पास बैठो, उसकी सुनो, उसको देखो, उसकी बात मानो। उसका आशीर्वाद लेंकर, उसके दर्शन करके निकलो। फिर देखो, जो चाहोगे मिलेगा- सुख, शांति, शोहरत और कामयाबी। ध्यान रहे, मां का दिल दुखाने का मतलब ईश्वर का अपमान है। संसार महान व्यक्तियों के बिना रह सकता है, लेकिन मां के बिना रहना एक अभिशाप की तरह है। इसलिये संसार मां का महिमामंडन करता है,

उसके गुणगान करता है। मां शब्द में संपूर्ण सृष्टि का बोध होता है। मां के शब्द में वह आत्मीयता एवं मिठास छिपी हुई होती है, जो अन्य किन्हीं शब्दों में नहीं होती। मां नाम है संवेदना, भावना और अहसास का। मां के आगे सभी रिश्ते बौने पड़ जाते हैं। समाज में मां के ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जिन्होंने अकेले ही अपने बच्चों की जिम्मेदारी निभाई। मां रूपी सूरज चरेवैति-चरेवैति का आह्वान है। उसी से तेजस्विता एवं व्यक्तित्व की आभा निखरती है। उसका ताप मन की उम्मीदों को कभी जंग नहीं लगने देता। उसका हर संकल्प मुकाम का अन्तिम चरण होता है। मां को धरती पर विधाता की प्रतिनिधि कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं

किंतु वर्तमान परिवेश को देखते हुए यह सवाल अवश्य खड़ा होता है कि क्या आज की माँ जननी की भूमिका का सम्यव निर्वहन कर रही है? अथवा क्या वे समाजशास्त्रियों के इस अभिमत पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगा रही कि बच्चा नागरिकता का पहला पाठ माँ की वात्सल्यमयी गोद में सीखता है। जबिक वस्तुस्थिति तो यह है कि माँ की गोद उसे नसीब होती कहाँ हैं? कुक्षि से बाहर आते ही उसे अलग पालने में सुला दिया जाता है। सोता है तो दूध की बोतल उसके मुँह से लगा दी जाती है। उसका लालप-पालन या देखरेख नर्स या आया के द्वारा होती है अथवा डे केयर सेंटर, बेबी केयर सेंटर में भेजकर कर्तव्यपूर्णता का लेबल लगा दिया जाता है। दो-ढाई वर्ष का होते ही नर्सरी में कम्प्यूटर द्वारा उसे अक्षर-बोध प्राप्त होता है। कुछ बड़ा होते ही उसे होस्टल में प्रविष्टि दिला दी जाती है। कितनी आधुनिक माताएँ तो ऐसी हैं जिन्हें अपने बच्चों से संवाद स्थापित करने का क्षण भी उपलब्ध नहीं होता। करें भी कैसे? उन्हें अपने निजी कार्यक्रमों से ही फुर्सत नहीं है। तब भला वह कैसे उन्हें बात-बात में तत्त्वबोध दें? कब मीठी-मीठी प्रेरक लोरियाँ सनाकर संस्कारों की सौगात सौंपे? किस माध्यम से पारिवारिक, सामाजिक मान-मयार्दाओं की अवगति दें? कैसे जीवन में धर्म की उपयोगिता का अहसास करवाएँ? तब फिर शून्यता के सिवा शेष हाथ भी क्या आएगा? मातृ दिवस मां की अस्मिता के धुंधलाने के कारणों की पडताल करने का भी अवसर है। कन्याभ्रूणों की हत्या एक ओर मनुष्य को नृशंस करार दे रही है, तो दूसरी ओर स्त्रियों की संख्या में भारी कमी मानविकी पर्यावरण में भारी असंतुलन उत्पन्न कर रही है।' अन्तर्राष्ट्रीय मातृ-दिवस को मनाते हुए मातृ-महिमा पर छा रहे ऐसे अनेक धुंधलों को मिटाना जरूरी है, तभी इस दिवस की सार्थकता है।

OPERATION

SINDOR

संपादकीय

जंग की भाषा

भारत द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई से झुंझलाए पाक ने ड्रोन, मिसाइलों और लड़ाकू विमानों से पलटवार किया। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के नागरिक इलाकों समेत सैन्य ठिकानों पर हमले करने के दुश्मन के प्रयासों का भारतीय सेना ने मुंहतोड़.जवाब दिया। उनकी सभी मिसाइलें और ड्रोन मार गिराए। चीन निर्मित एफ17 और अमेरिका निर्मित एफ16 जैसे विमानों को भी मार गिराया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, लाहौर में एयर ड़िफेंस सिस्टम को नष्ट करने की भी जानकारी है। इन ड्रोनों का मलबा विभिन्न स्थानों से बरामद किया जा



रहा है। हालांकि ऑपरेशन सिंदुर शुरू करते हुए भारत ने स्पष्ट किया था कि वह पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना तभी बनाएगा जब वह जवाबी कार्रवाई के लिए उकसाएगा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ, कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और राजौरी में मोर्टार तथा भारी तोपों का प्रयोग किया गया। इनमें ड्रोन से पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, बठि भुज आदि स्थानों पर हमला करने की कोशिशें भी शामिल हैं। हालांकि उसने इससे साफ इंकार करते हुए कहा कि

पाकिस्तान हमला करेगा तो सब को पता चलेगा परंतु उसका आरोप है। कि लाहौर, गुजरांवाला, रावलपिंडी, मियांवाली और कराची में घुसपैठ के प्रयास करने वाले ड्रोन्स को उन्होंने तबाह किया है। भारत का दावा है कि स्थिति बिगाडऩे का काम पाकिस्तान ने किया है, इसलिए तनाव को कम करने की जिम्मेदारी भी उसी की है। इस दरम्यान अमेरिका ने कहा है कि दोनों देशों को एक-दूसरे पर हमले बंद करने चाहिए। उसने तनाव कम करने के प्रयासों में शामिल होने की बात भी कही है पर युद्ध में शामिल होने से स्पष्ट इंकार किया है। बहरहाल, पाकिस्तान आंतरिक कलह से भी कम नहीं जुझ रहा है। जंग और हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। जंग की भाषा सिर्फ मारकाट, मौतें और विध्वंस ही होती है। इससे देशों की अर्थव्यवस्था तो ढुलमुलाती ही है, आम नागरिकों की बिला-वजह मौत भी हो जाती है। गोलाबारी के चलते सीमावर्ती इलाकों के रहवासियों को अपना सब कुछ छोड़-छाड़. कर आनन-फानन भागना पड़ा, सो अलग। बेहतर हो कि दोनों मुल्क कूटनीतिक तौर पर सहमित बनाते हुए आतंकवाद से लड़ने की रणनीति बनाएं जिससे समूची दुनिया वास्तव में लड़ऩे को राजी है। आतंकवादियों को दिया गया प्रश्रय कभी सार्थक नहीं हो सकता।

चिंतन-मनन

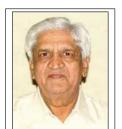
वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा

मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया

मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

(ऑपरेशन सिंदूर) राष्ट्र का पराक्रम उन्नत करने का जतन...!



ओमप्रकाश मेहता

अर्थ परेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सेना ने एक बार फिर अपने सटीक और संयमित प्रहार से यह सिद्ध किया कि शौर्य केवल रणभूमि की चीख नही अपितु विवेक और चैतन्य मूल्यबोध की गर्जना भी हो सकता है, यह ऑपरेशन किसी जाति, धर्म या भू-भाग के विरूद्ध नही था, यह उस भ्रष्टाचार के विरूद्ध था जो जेहाद के नाम पर मासूमियत का गला घोंटता है। भारतीय सेना की दूरदर्शिता, संवेदन शीलता तथा साहस स्तुत्य है, यह केवल बंदूक की जीत नहीं यह उस मयार्दा की जीत थी जो युद्ध के क्षण में भी मानव सीमाओं का उल्लंघन नहीं करता। भारत का गौरव बढ़ाने वाले इस परिदृष्य के लिए भारतीय सेना की जितनी भी तरीफ की जाए, वह कम है। इस ऐतिहासिक कार्यवाही की नींव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी की दुरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता स्पष्ट झलकती है, उनके दृढनिश्चय और दृष्टिकोण ने सेना को मनोबल और राजनीतिक सम्बल प्रदान किया, जिसके चलते इस प्रकार का राजनीतिक कदम संभव हो सका। यह सिद्ध करता है कि जब निर्णय लेने वाला निष्ठावान हो तो राष्ट्र स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है। भारत ने यह सिद्ध किया है कि उसे पाकिस्तान की जनता से कोई नाराजी या विरोध नहीं है बल्कि विकृत राजनीति और चरमपंथी



दृष्टिकोण की प्रतिध्वनि है, ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के

माध्यम से भारत ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि

अब देश न सिर्फ आतंकवाद या मुकाबला करेगा,

से है. जिसने इस भु-भाग को अपने ही रक्त से बिल्क उसे जड़ से उखाड़ने के लिए सीमा पार तक पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के मूल सि

जाकर ठोंस कार्यवाही करेगा। वैसे यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह ह्याएयर स्टाइकह्न भारत में आए निर्णायक अंतर को भी दशाती है, जहां पहले की सरकारें रणनीतिक धैर्य की नीति पर चलती थी, वहीं अब की नीति 'स्टेज्टेजिक रिस्पांस' की है और वह भी बिना बेगुनाहों को नुकसान पहुंचाए। 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य कार्यवाही नहीं है, यह एक कूटनीतिक संदेश भी है भारत न सिर्फ अब युद्ध झेलेगा बल्कि जवाब भी देगा और वह भी अन्तर्राष्ट्रीय मानदंडों का पालन करते हुए।

भारत की अब तक की यह मूल धारणा रही है कि पूरा विश्व बिना किसी भेद-भाव के शांति से जिये, और

'जीयों और जीने दो' का ईमानदारी से पालन करें, किंतु किया क्या जाए, भारत के पड़ौसी चीन व पाकिस्तान जैसे देश अब तक इस संदेश के मर्म को समझ नीह पाए और अपनी आक्रामक विध्वंसकारी कब्जा करों की नीति पर चल रहे है, भारत आखिर अब इन्हें

समझाए तो कैसें? कुल मिलाकर हमारा देश पिछले कई दशकों से पूरे विश्व को बुद्ध, महावीर और गांधी जी का 'शांति' का संदेश देता आया है, अब यह देशों की बुद्धिमत्ता पर निर्भर है कि वे इसे किस अंश तक स्वीकार कर इसका अनुसरण करते हैं?

क्रिकेटः रोहित की जगह कप्तान कौन



हेंद्र सिंह धोनी के बाद देश के दूसरे सफलतम कप्तान रोहित शर्मा ने एकाएक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया है। चयनकर्ता रोहित शर्मा से बातचीत करने के दौरान बता चुके थे कि वह किसी युवा को कप्तान बनाना चाहते हैं, इसलिए बहुत संभव है कि उन्होंने इस संबंध में विचार किया हो। पर भारतीय कप्तान की गुत्थी इतनी आसानी से सुलझने वाली नहीं है। इसकी वजह कप्तान बनाते समय ध्यान रखना होगा कि जून में शुरू होने वाले इंग्लैंड़ दौरे की टेस्ट सीरीज से ही अगली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की साइकिल शुरू होने वाली है। वैसे भी इंग्लैंड़ का दौरा खासा कठिन होता रहा है।

रोहित ने पिछले कुछ दिनों में इस तरह के बयान दिए थे कि वह इंग्लैंड़ दौरे के पहले दो टेस्ट खेलने के बाद अपने टेस्ट कॅरियर को लेकर कोई फैसला करने के इच्छुक हैं। पर अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति रोहित के पिछली दो सीरीजों में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड़ के हाथों हारने के साथ

उनके बेहद लचर प्रदर्शन के बाद उनके नेतृत्व में टीम भेजने को तैयार नहीं थी। इस मामले में उसके बीसीसीआई से भी विचार नहीं मिलते थे क्योंकि बीसीसीआई रोहित को कप्तान बनाए रखने की पक्षधर थी। चयनकर्ता रोहित को बिना कप्तान बनाए दौरे पर भेजना चाहते थे लेकिन रोहित संन्यास की घोषणा कर देंगे, इसका अंदाजा उन्हें भी नहीं था। पर रोहित ने सोचा होगा कि पिछली दो सीरीजों में प्रदर्शन को देखते हुए कप्तान न रहने पर टीम में उनकी जगह बनती ही नहीं है, इस कारण उन्हें टेस्ट कॅरियर पर विराम लगाने का फैसला कर लिया। सवाल यह है कि इस दौरे के लिए चयन समिति किसके कंधों पर कप्तानी की जिम्मेदारी देगी। मुख्यतः चार खिलाड़ी हैं, जिन्हें कप्तानी का दावेदार माना जा रहा है। इन चार नामों में शुभमन गिल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और केएल राहल हैं पर इनमें सबसे आगे शुभमन का नाम माना जा रहा है। इसकी एक वजह तो यह है कि चयन समिति किसी युवा को यह जिम्मेदारी सौंपना चाहती हैंङ्क इस पर गिल 25 साल के होने से एकदम से खरे उतरते हैं। यह सही है कि उन्हें अभी टेस्ट ही नहीं वनडे.में भी कप्तानी करने का अनुभव नहीं है। पर वह भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी कर चुके हैं। वह आजकल आईपीएल में गुजरात टाइटंस की अच्छी कप्तानी कर रहे हैं। भारतीय टीम के मौजूदा कोच गौतम गंभीर भी किसी युवा को कप्तानी सौंपने के पक्षधर हैं। ऐसा वह इसलिए सोचते हैं कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तीन साल की नई साइकिल में एक ही कप्तान रहे, यह सोच भी गिल को आगे करती है।

थे। पर उन्होंने पिछले दिनों दिल्ली केपिटल्स की कप्तानी करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई, इससे लगता है कि वह अपने प्रदर्शन को प्रभावित होने से बचाने के लिए कप्तानी का भार नहीं उठाना चाहते हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह पिछले कुछ समय से टेस्ट टीम में रोहित के उपकप्तान रहे हैं। वह तीन टेस्ट में कप्तानी करके इसमें से एक को जीत भी चुके हैं। लेकिन उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए, लगातार पांच टेस्ट में शायद खिलाया भी न जाए। ऐसी सूरत में उन्हें कप्तान बनाना न्यायोचित नहीं होगा। ऋषभ पंत भी एक समय कप्तान बनने के प्रमुख दावेदार रहे हैं पर इस सत्र में उनका बल्ला रूठा हुआ है और कप्तानी भी रंग जमाती नहीं दिख रही है। वैसे वह टीम के लिए अहम हैं, इसलिए उन पर कप्तानी का दवाब शायद ही डाला

रोहित से आईपीएल कमेंट्री के दौरान एक साक्षात्कार में पूछा गया कि किस युवा को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए। उनका कहना था कि टेस्ट टीम की कप्तानी करना खासा मह'वपूर्ण होता है। इसे अपने प्रदर्शनों से हासिल किया जाए तो बेहतर होगा। यह किसी को सौंपी नहीं जानी चाहिए। इस पर भी शुभमन ही सबसे ज्यादा खरे उतरते हैं। इसकी वजह गुजरात टाइटंस की कप्तानी करने के दौरान गेंदबाजों का अच्छा इस्तेमाल कर रहे हैं और उनका बल्लेबाजी प्रदर्शन भी निखार पर है। पर आईपीएल टीम की कप्तानी करना और टेस्ट टीम की कप्तानी करने में खासा फर्क है। वैसे भी टाइटंस के फैसलों में कप्तान से ज्यादा कोच आशीष नेहरा सिक्रय नजर आते हैं। वैसे भी हर अच्छा खिलाड़ी अच्छा कप्तान नहीं



होताङ्क यह बात सचिन तेंदुलकर की कप्तानी से साबित हो चुकी है। शुभमन को कप्तान बनाने का फैसला बैकफायर भी कर सकता है। भारत में क्रिकेटरों का दर्जा हीरोज वाला रहता है पर क्रिकेटरों को विदाई टेस्ट के साथ विदा नहीं किया जा पा रहा है। यह अच्छी परंपरा नहीं है। रोहित को इंग्लैंड़ में एक टेस्ट खेल कर विदा लेने के लिए मनाया जाता तो बेहतर होता पर लगता है कि कप्तान नहीं बनाए जाने के फैसले से आहत होने की वजह से उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी। यह खिलाडिय़ों और प्रबंधकों में संपर्क की कमी का मामला ज्यादा लगता है। वैसे बीसीसीआई को तमाम उपलब्धियां दिलाने वाले क्रिकेटरों को सम्मान के साथ विदा करने की कोई नीति बनानी चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

ृकेएल राहुल भी कप्तानी के प्रमुख दावेदार माने जा रहे

Role of air power in crossing the Rubicon again

India's armed forces have upped the ante against Pakistan a day after Operation Sindoor was launched. An air defence system in Lahore has been neutralised. India has targeted air defence radars and systems at a number of locations in Pakistan.It is clear that there will be no let-up in India's measured but strong military response to the Pahalgam massacre. The Pakistani media are conceding that Indian drones fell on Lahore, Attock, Gujranwala, Chakwal, Rawalpindi and Bahawalpur in Punjab province, as well as on Sukkur's Miano, Umerkot's Chhor and near Karachi in Sindh.eace in India has never been easy, having to live with Pakistan, a neighbour born out of bitterness and an unfulfilled Kashmir aspiration. It is these very aspects which continue to be fostered and leveraged by Pakistan's duplicitous, self-serving military leadership to remain in power. Having lost all its wars and failed to wrest Kashmir, the use of terror as a strategic instrument of statecraft has been a deliberate choice employed against India for years. Pakistan's cultivated terror groups have taken many innocent Indian civilian lives in the past attacks, but a line was crossed in the targeted Pahalgam killings that uncannily echoed the vitriolic words of its Islamist military chief. India's enormous patience has been bitterly tested periodically, forcing punitive responses in Uri and Balakot, to drive home the lesson that terror will come at a cost. The strong, well-deliberated, multipronged military response, which has been initiated in concert with all elements of comprehensive national power, underscores India's rise towards great power and the acceptance that it will often come at a cost. Its integrated and escalated controlled kinetic action has for the first time struck deep into the heartland of Pakistan, the home of its power brokers.

The deliberate, selective and simultaneous targeting of nine terror hubs at depths ranging up to 100 km, once again displayed the enormous maturity and restraint in India's response strategy -- we believe that civilian lives matter. This controlled punitive escalation sends three clear signals — that India will continue to punish acts of terror; that punishment will encompass all instruments of Îndia's growing compreĥensive national power and the scale of the punishment will keep increasing in a calibrated manner. Whether the punishment will spill over into Pakistan's military and the nation as a whole, lies entirely in the hands of its elitist dysfunctional military and political leadership, as India has no intention of making Pakistan's deprived citizens pay the price. But this time around, the messaging is loud and clear: no more terror, period. The large coordinated strike is just the beginning of what is evidently a strategy reset with a long-term approach in India's response matrix. India's scale of the calm and collected military response has certainly created panic and disarray in Pakistan, triggering a predictable litany of rhetoric and false narratives in a desperate effort to save face. Predictable also will be the follow-on deliberate show of outrage, riding on threats of being forced into raising the nuclear ante, orchestrated to garner international pressure to get a "belligerent India" to back down from decimating an "innocent Pakistan". Even as the Pakistani establishment plays on international concerns of a potential "nuclear flashpoint."

Unfortunately for Pakistan, having continued to pursue the use of terror, it is no longer able to generate sympathy and support for being an unwitting victim. The world has changed and moved on as India's true friends are showing firm support and the rest, concerned with a nuclear escalation and not wanting to pick sides, urge restraint from both sides. Even China, interestingly, has simply expressed concern and urged the return to peace in the neighborhood. For the moment it hasn't come out in open support of Pakistan, its all-weather ally.India's strategy reset has several unique facets. After having crossed the Rubicon in 2019 when it used offensive air power in conditions of no-war-no-peace to strike the Jaish-e-Mohammed training camp in Balakot, air strikes against terror have evidently become a significant part of the operational repertoire of the Indian Air Force as well as a kinetic response option of the nation.

How political power is shaping National Herald narrative

In an age where 'gossip is gospel', must the accused be condemned in the public sphere before a definitive judicial finding of guilt?

THE charge-sheeting of the Gandhis and others by the Enforcement Directorate in the National Herald case for alleged money-laundering and criminal misappropriation of public property has invited countrywide protests by the Congress and its sympathisers. They see the criminal case as one without a basis in fact or in law and a brazen act of political vendetta. The protest by the principal Opposition party has elicited a counter-response by the ruling dispensation. Speaking through its former Law Minister Ravi Shankar Prasad at a special press conference, the BJP alleged that the accused had misappropriated public property through devious devices and were now seeking

to intimidate the ED.The former minister, embarking upon an elaboration of the prosecution's case on the basis of selective leaks, was recently reported by the media as querying: "If public property worth thousands of crores is misappropriated, then why are you protesting and calling it vendetta?" The BJP spokesperson is also reported to have said that no one had a "license to loot." Another Cabinet minister in office has reportedly asserted: "It is an open and shut case of fraud, corruption and money laundering."Clearly, the accused have been condemned through the media, without trial and even without an opportunity of being heard at the time of cognisance of the chargesheet, which was fixed for May 8. The Special Judge trying the case has since held that "the right to be heard at any stage of the proceedings breathes life into a fair trial."Therefore, the usurpation of judicial function by the government's spokespersons to conclude at the inception of the trial

itself that the accused had misappropriated property worth thousands of crores offends against the first principles of liberal democracy and constitutional justice.

Such assertions by senior representatives of the government against political adversaries facing criminal charges have fuelled an unrelenting trial of the accused in the print, electronic and social media, which could interfere with the course of justice in several ways.

epeated claims by the BJP of cheating, fraud, misappropriation and money laundering by the accused, when the trial is at its initial stage, could create a hostile

and safeguarding critical infrastructure — signals

readiness beyond the battlefield. The directive to

ministries to ensure emergency response protocols and

operational continuity reflects a sober understanding of

hybrid threats, including cyberattacks and

calculations for those orchestrating terrorism from

public perception against them and influence the judgement of those charged with conducting a judicial trial.Extensive discussion in the media of selective parts from the prosecution complaint, of which judicial cognisance is yet to be taken and for which the case was adjourned to May 8, can cause presumptive prejudice to the accused, which is proscribed in several judgements of the highest court (Sahara, 2013 and Manu Sharma, 2010, etc). In Manu Sharma, the Supreme Court declared that the "presumption of innocence of an accused is a legal presumption and should not be destroyed at the very threshold through the process of media trial." And, the



Constitution Bench in Sahara has ruled that "the presumption of open justice has to be balanced with the presumption of innocence which is now recognised as a human right."The accusatory tone and tenor of senior members of the ruling party in their media interactions concerning the case impairs the fundamental right of the accused to fair trial and presumed innocence, apart from violating their sacrosanct right to reputation, privacy and dignity.Restraint in condemning leaders of political parties without a judicial finding of criminal culpability would ensure that political parties, the life blood of democracy, and their leaders are not discredited without a trial in accordance with law (Article 21). This would afford minimal protection to all political parties against the retributive inclinations of those in power and enhance the quality of democratic engagement.Lest our democracy is wasted and weakened from within and the nation's founding ideals allowed to wither, the National Herald case should be a test of the republic's adherence to the ideal of equal justice for all. This case will test the inviolability of procedural justice, integrity of the judicial process and the constitutional promise of justice through fair trial, as against trial by accusation.

Indeed, media trials, especially in criminal cases, can adversely impact the liberty and freedom of individuals, a result that signals the "soulful requiem to liberty", as Justice DY Chandrachud reminded us in his eloquent dissent in the Bhima-Koregaon

The National Herald case raises several questions of seminal importance. In an age where "gossip is gospel", must the accused be condemned in the public sphere before a definitive judicial finding of guilt? Can unrestrained public conversations with media in cases of unproven criminal culpability of individuals be allowed to violate their right to justice and dignity? Should the principles of legal due process for discovery of truth in criminal trials be compromised to win the political battle of perception, in a trade-off between political expediency and the constitutional principle? What is the recourse, if any, for those who are punished by the oppressive processes of our criminal justice system and the endless trials that crush the accused even before the pronouncement of guilt? These questions must stay alive in the consciousness of the nation and spur us to civilise ourselves in the use of power.

Only then can we redeem the constitutional promise of a just society in which justice is not at the sufferance of the powers that be. The qualitative distinction of the democratic way is the taming of power to the community's sense of fairness and justice. The sanctity of legal processes depends likewise in ensuring that the rigours of law do not result in the mortality of justice.

Because events shape and define the future, the National Herald case will hopefully be an opportunity to reaffirm the nation's commitment to the rule of law and to draw the boundaries of partisan politics.

Strikes to strategy

National resolve amidst rising tensions



misinformation campaigns. Lending equal weight to the day was Defence Minister Rajnath Singh's detailed briefing to an all-party meeting, where he confirmed the neutralisation of at least 100 terrorists. The Opposition, notably the Congress and the AIMIM,

displayed commendable maturity, putting aside political divisions to rally behind the national interest. This rare moment of bipartisan consensus sends a strong message to both domestic and international audiences: when India's sovereignty is challenged, its political fabric holds firm. However, the larger picture remains fraught. With India stating that it has no intent to escalate but is fully prepared to retaliate, strategic restraint must continue to be balanced with credible deterrence. The emphasis must now shift from tactical victories to strategic stability. In the days ahead, civilian protection, diplomatic messaging and internal security will demand unwavering focus India must continue briefing global partners and maintain transparency with its citizens, without compromising operational security. Even as Operation Sindoor continues, the unified political posture and institutional alertness offer a template for democratic resilience in the face of external threats.

Red alert for Pak on the terror front

Operation Sindoor has signalled key shifts in India's strategy for dealing with the neighbour

ON the night of May 6-7, India launched Operation Sindoor, comprising a series of military strikes against terrorist infrastructure in Pakistan. Nine terror camps were hit, which included five in Pakistan-occupied Kashmir and four in the Punjab province. Among the most significant targets were Muridke and Bahawalpur.Muridke, about 40 km from Lahore, is the headquarters of Lashkar-e-Taiba (LeT) and its front organisation, Jamaat-ud-Dawa. The Resistance Front (TRF), which initially claimed responsibility for the Pahalgam massacre, is known to be affiliated with the LeT. Bahawalpur is home to the Jaish-e-Mohammed (JeM), which operates from the Jamia Masjid Subhan Allah

complex, also known as the Usman-o-Ali campus. Operation Sindoor is significantly larger in scale and scope than the cross-border strikes in 2016 and 2019. The message that it sends out is also far more powerful and unequivocal. And in this message, there are some key shifts in India's future strategy for dealing with Pakistan. First, major terror attacks will meet with a punitive response. Since the limited strikes of 2016 and 2019 failed to deter Pakistan from using terrorism as an instrument of state policy, greater pain must be felt by those who are directly controlling the terrorist movement. If the Pakistani military is unwilling to rein in the terrorist leadership, then India will do so using the military instrument.India has long adopted a posture of strategic restraint. However, the shifting security environment, particularly after the gruesome Pahalgam attack, has triggered a recalibration. Targeting deeper locations like Bahawalpur and Muridke indicates that India no longer considers mere retaliation sufficient. The new approach seeks to alter cost-benefit across the border. At the government briefing after Operation Sindoor, a montage of past terror attacks (from the 2001 Parliament attack to Mumbai 2008, Uri 2016, Pulwama 2019 and the Pahalgam attack) was shown to underscore the toll of cross-border terror, after which the message "...No More" flashed. The presentation may have appeared dramatic, but it underlined India's resolve that it would no longer tolerate terrorism emanating from Pakistani soil. Second, there are two choices in front of the Pakistan Army. It must either dismantle the entrenched military-jihad complex it has long nurtured, or risk plunging the country into a ruinous conflict with India, one that could push Pakistan deeper into instability and peril. For decades, the Pakistan Army has treated jihadi groups as strategic assets, using them to bleed India while maintaining plausible deniability. With Operation Sindoor, India is making it clear that there is no distinction between the state and the proxies it sponsors. This blurring of lines is deliberate. By hitting targets in Punjab, India signals that safe havens are no longer immune, regardless of their political sensitivity. In his briefing to the press, Foreign Secretary Vikram Misri said India's "actions were measured, nonescalatory, proportionate, and responsible. They focused on dismantling the terrorist infrastructure and disabling terrorists likely to be sent across to India." This was a subtle message to Pakistan that the escalation could be controlled if it restrains from any military retaliation, and in the long run, puts a

Army heeds this message is uncertain. Third, India is clear that space exists for a limited

check on terrorist activities. Whether the Pakistan

conventional conflict below the nuclear threshold. Pakistan flashes its nuclear card at the very first opportunity whenever there is an India-Pakistan crisis. Minister Hanif Abbasi has stated that if India were to halt water supply to Pakistan by suspending the Indus Waters Treaty, Islamabad would be prepared to strike with nuclear weapons. Muhammad Khalid Jamali, Pakistan's Ambassador



to Russia, made a similar threat. India no longer sees itself as constrained by Pakistan's nuclear blackmail. It has gradually moved up the ladder in the use of conventional forces to target terror infrastructure in Pakistan. Operation Sindoor, with its strikes in the Punjab heartland, has set a new standard in the employment of airpower, once considered highly escalatory, in responding to terror attacks. Fourth, the clamour from some international quarters for providing direct evidence linking Pakistan to terror attacks in India has run its course. India has been the victim of Pakistansponsored terrorism for decades and is on firm ground when it states that the fountainhead of terrorism lies in that country. The problem is not the foot soldiers who execute the attack, but the terrorist and army leadership in Pakistan that nurtures terrorism. The demand for irrefutable proof ignores the nature of proxy warfare. Terror outfits are designed precisely to offer deniability.

The consistency of terror attacks in India, the identity of the perpetrators, their training grounds, ideological narratives and sources of funding all point to an ecosystem that cannot function without state patronage. Fifth, there is also a message for the international community. There is a level of frustration in India over the inability of global institutions like the United Nations to hold Pakistan accountable for its support to terrorism. Pakistan's Foreign Minister Ishaq Dar admitted in the National Assembly that he had worked hard to get the reference to the terror group TRF removed from the final text of the UN Security Council resolution condemning the Pahalgam attack.

While international opinion and diplomatic support are important, they are not key factors when deciding on India's options to respond to Pakistan's terrorism. Platitudes that seek to equate both countries and call on them to exercise restraint, irrespective of the nature of the provocation, will be ignored by India. Operation Sindoor sets new doctrinal benchmarks: that terror infrastructure will be struck; that nuclear deterrence will not shield proxy actors; that the global community's moral ambivalence will not override India's sovereign choices; and that the Pakistan Army must reckon with the consequences of its long-standing compact with jihadist groups.

Govt to allocate satellite spectrum for five years; to charge AGR at 4%

New Delhi. The government will administratively allocate spectrum to satellite communication providers such as Starlink, Eutelsat Oneweb, and Jio Satellite Communications for five years, which can be extended for another two years.

According to the recommendation made by the Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) on Friday, the companies will be charged 4% adjusted gross revenue (AGR) for both non-geostationary satellite orbit (NGSO) and geostationary satellite orbit (GSO) based fixed-satellite service (FSS) and mobile satellite service (MSS). The regulatory body released recommendations on 'Terms and Conditions for the Assignment of Spectrum for Certain Satellite-Based Commercial Communication Services' to the Department of Telecommunication (DoT). "Satcom services, once available, can play a vital role in taking connectivity to underserved areas where telecom networks are not available. They also play a critical role in disasters, in rescue and relief operations," said TRAI Chairman Anil Kumar Lahoti. Lahoti also said satellite communication services are complementary to terrestrial networks. There is no ground for competition between the players. "There is no comparison on competition; these are complementary services," added Lahoti.Currently, India has two players: Bharti-backed Eutelsat Oneweb and Jio Satellite Communication, which have been granted a Global Mobile Personal Communication by Satellite (GMPCS) licence to operate in India. The DoT issued a letter of intent to Elon Musk-led Starlink on Tuesday, and now the company needs to submit all the required documents within next 21 days, including the licence fee and approval from the Indian National Space Promotion and Authorization Centre (IN-SPACe), the space regulator.

According to the recommendation, the TRAI has proposed that both GSO and NGSO-based FSS operators will be required to pay 4% AGR, with a minimum annual charge of `3,500 per MHz spectrum block. Additionally, operators offering services in urban areas would have to shell out `500 per subscriber annually.

IT firms allow WFH option amid India-Pakistan conflict

BENGALURU. In light of the ongoing conflict between India and Pakistan, several global tech services firms, including major Indian IT companies, have allowed employees to work from home (WFH), particularly in northern regions.

While no IT company officially commented on any advisory sent to staff, sources familiar with the matter said, "All IT services companies are flexible when it comes to the WFH option, and in a situation like this, employees can work from home, especially those in Delhi, Gurugram, Noida and other northern regions." A source from the country's largest IT services firm noted that companies prefer not to cause panic among employees by issuing formal advisories, as the option to work from home is already available. "They don't want to panic employees by sending advisory asking employees to WFH as they have an option to do so, if required," the source said.

On Friday, HCLTech officially declared WFH for its offices in Chandigarh, Gurugram and Noida.

Deloitte India, meanwhile, has advised employees currently on assignment in border states affected by the conflict to return to their base locations at the earliest, "All non-essential domestic and international travel has been postponed. An all-India command centre hotline has been set up to support colleagues," said a source from Deloitte India.

India—Pakistan tensions escalate. What's next for **Dalal Street investors**

New Delhi. Despite the escalating tensions between India and Pakistan, Dalal Street has managed to hold its ground, with investors staying calm even as geopolitical risks loom large. While the Sensex and Nifty ended over 1% lower in the previous session, experts suggest that the decline was far less than what could have been expected in such a volatile environment. They also agree that while the situation remains fluid, the underlying market sentiment is still supported by strong economic fundamentals. Vinod Nair, Head of Research at Geojit Financial Services, pointed to sustained foreign institutional inflows and record GST collections in April as key factors buoying investor confidence.A sharp escalation in India-Pakistan tensions has not dampened the domestic market sentiment," he said, highlighting how the market has remained resilient despite the volatility.

STRONG FII SUPPORT

Foreign investor sentiment has also been supported by a weaker US dollar, stable crude oil prices, and optimism around the India-UK Free Trade Agreement. Sectors such as textiles, automobiles, and IT have been key beneficiaries of this optimism.

On the global front, however, the outlook remains mixed. Nair adds that while the US Federal Reserve has expressed concerns over heightened tariffs exacerbating inflationary pressures, market sentiment has improved with encouraging signals from both the US and China about potential trade talks. Optimism surrounding a US-UK trade deal has also helped maintain a positive tone across global markets.Still, the escalating geopolitical tensions between India and Pakistan remain a key overhang. "Markets will closely monitor macroeconomic indicators, particularly CPI and WPI inflation data," Nair notes, adding that the consensus points to a softening of inflationary pressures in the coming months. The market largely expects the current geopolitical flare-up to subside, with India's military and diplomatic strength seen as crucial in stabilising the region.

Businesses in border region brace for tough times ahead

Sectors such as automobiles, travel & tourism, retail and real estate fear severe repercussions if hostilities between the two countries intensify further

New Delhi. Escalation in tensions between India and Pakistan over the past three days has begun to hamper businesses in border regions. Industry executives and experts interviewed by TNIE reported a fall in customer inquiries and footfall, as consumers prioritise spending on essential goods. Sectors ranging from automobiles, travel & tourism, and retail to real estate fear severe repercussions if hostilities between the two countries

intensify further.

"If the current conflict broadens, residential absorption in Delhi-NCR and other parts of north India may see a short-term dip of between 5-10%. Luxury housing buyers tend to delay purchases in periods of uncertainty. Demand for mid-income housing will be the first to recover once normalcy is restored," said Prashant Thakur, regional director & head - research, ANAROCK Group. A realty developer who has a strong presence in Punjab said enquiry level for their listed properties has come down to 70-80% in the past three days as there is a fear among consumers that the two countries may go to war. "In case of war, we will have difficulty in completing projects as this would result in shortage of labourers and make raw materials dearer," he said, requesting anonymity. Tensions have peaked in the region after Pakistan's missile strikes targeting several Indian cities. The missiles were intercepted by

Indian air defence units, but the escalation triggered blackouts in border towns and heightened fears of a full-scale war. Tours & travel sector, which took a hit from attack in Pahalgam last month and subsequent closure of Pakistan



airspace, is expecting additional hurdles in the near future. Operations remain suspended till May 15 at many airports, including major hubs like Leh, Chandigarh, Amritsar, and Jodhpur. This has resulted in cancellation of about 430 flights alone on Friday. Rikant Pittie, CEO and co-founder, EaseMyTrip, said traveller sentiment remains cautious

with concerns around safety and uncertainty. "Several airlines have cut or suspended operations, leading to a rise in cancellations and rescheduling across travel services," adeed Pittie. Karan Agarwal, director at Cox & Kings, said

they have paused all new travel offerings to Azerbaijan, Uzbekistan, and Turkey. "We advise Indian travellers to avoid any non-essential travel to these destinations until there is greater clarity and alignment in broader geopolitical environment," added Agarwal. An aviation industry executive said the four leading airlines are losing millions of dollars daily due to cancellations and closure of Pakistan airspace. "We are hopeful that the government will acknowledge the losses and provide support when situation eases," added the executive. Air India recently told the government that it is expecting \$600 million in additional costs if Pakistan airspace ban lasts for a

India-Pak tensions: A week of volatility, resilience, and market turmoil

CHENNAI. Investor wealth eroded by over ?7 lakh crore over the past few sessions, as escalating geopolitical tensions between India and Pakistan triggered sharp volatility in Indian equity markets. Between May 2 and May 9, 2025, the markets witnessed heightened uncertainty, with geopolitical risks dominating investor sentiment.

Market Performance Overview:

The week began with relative stability in the markets on May 2, and it saw even a modest uptick, with the BSE Sensex rising by 0.13% to 80,746.78, and ICICI Bank's stock gaining 0.26% to close at ?1,435.35.However, the situation deteriorated sharply the next day. On May 8, India launched "Operation Sindoor," targeting terrorist infrastructure in Pakistan-administered

Kashmir. In retaliation, Pakistan launched drone and missile strikes across several Indian cities, including Amritsar. The Indian military successfully intercepted these attacks using the S-400 missile system. As the situation turned worse, the markets reacted negatively to the heightened tensions on May 9. The Nifty 50 index fell by 1.18% to 23,983.3, and the BSE Sensex dropped 1.12% to 79,443.08. Small- and mid-cap indices declined by 1.8% and 1.2%, respectively. Volatility surged, with the VIX reaching its highest level in over a month, indicating increased investor fear.

Sectoral Impact:

Defence Stocks: Companies like Bharat Electronics and Hindustan Aeronautics saw gains of 3.4% and 2.1%, respectively, due to increased defense

spending and demand.Banking Sector: ICICI Bank's stock edged up by 0.26% on May 7, outperforming some competitors. Electric Vehicle Sector: Ather Energy's IPO debuted weakly, with shares falling over 4%, reflecting investor skepticism toward the unprofitable e-scooter sector.

Currency and Bond Market:

Rupee: The Indian rupee weakened, prompting the Reserve Bank of India to likely intervene by selling U.S. dollars through state-run banks to stabilize the currency. The rupee dipped to a session low of 85.8425 before rebounding to 85.50 .Bond Yields: The 10-year government bond yield increased by 3 basis points to 6.42%, indicating broader market concerns linked to regional instability.

Dixon to manufacture Alcatel smartphones in India

New Delhi. Dixon Technologies' wholly-owned subsidiary, Padget Electronics, has signed a Contract Manufacturing Agreement with NxtCell India to produce smartphones for the Alcatel brand under the 'Make in India' initiative.

We are delighted to announce that Padget Electronics has entered into a Contract Manufacturing Agreement with NxtCell India to manufacture smartphones for the iconic brand Alcatel. This strategic association with NxtCell India will further strengthen our manufacturing excellence and execution capabilities," said Atul B Lall, vice cairman & managing drector of Dixon Technologies (India) Limited.Dixon Technologies is India's largest home-grown, design-focused electronics manufacturer, catering to the consumer durables, lighting, and mobile phone segments. The company has been actively expanding its partnerships. On April 30, 2025. Dixon announced a joint venture with Taiwanese IT hardware major Inventec to form Dixon IT Devices Private Limited (60% Dixon, 40% Inventec), focused on manufacturing notebook and desktop PCs, servers, and

Ample petrol, diesel available at our outlets: Indian Oil

NEW DELHI. Indian Oil Corporation Limited (IOCL), India's largest oil refinery company, on Friday assured the public that it has adequate fuel stocks across the country and that all operational systems are functioning smoothly.

In an official statement released via social media, the company emphasised that there is no cause for concern, as petrol and diesel are readily available at all retail outlets.

"IndianOil has ample fuel stocks across the country and our supply lines are operating smoothly. There is no need for panic buying—fuel and LPG is readily available at all our outlets. Help us serve you better by staying calm and

avoiding unnecessary rush. This will keep our supply lines running seamlessly and ensure uninterrupted fuel access for all," said the marketing Panic buying was particularly evident

company. The statement came in response to widespread social media posts and videos showing long queues at petrol stations, triggered by escalating tensions between India and Pakistan following 'Operation



targeting terrorist infrastructure at nine locations in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK).

In an official statement released via social media, the company emphasised that there is no cause for concern, as petrol and diesel are readily available at all retail outlets.

on Wednesday in several parts of Punjab, where residents, especially those in border areas, rushed to stock up on fuel and essential supplies. Many petrol pump owner border areas said that fuel sales had nearly tripled due to heightened public anxiety.

Sindoor,' a coordinated missile strike As of May 2025, IndianOil has an extensive network of over 37,500 fuel stations spread across India. This makes it the company with the highest number of petrol pumps in the country.



Also in April, Dixon entered a 50:50 joint venture with lighting company Signify (formerly Philips Lighting) to manufacture LED bulbs, downlights, spots, and battens. In 2024, Padget Electronics began manufacturing HP laptops, desktops, and all-in-one PCs at its facility in Tamil Nadu.

Stock Performance As of May 10, 2025, Dixon Technologies' share price stood at ?15,190, reflecting a 2.79% decline from the previous close. Over the past week, the stock has experienced a downward trend, influenced by broader market volatility and geopolitical tensions in the region. However, over the past one year, Dixon Technologies' shares have gained over 81% backed by strong financial performance. In the first 9-month of FY25, the company posted a 120% growth in revenue to Rs 28,600 crore, and 155% growth in net profit to Rs 696 crore.

US, China trade talks begin: A test for the power of Donald Trump's tariff hammer

Any tariff war between the two of the biggest economies of the world can roil the global markets as the past few weeks have amply demonstrated. The competition to raise tariffs began with Trump slapping a 10% levy on Chinese imports in February and then quickly ramping it up.

Washington. The way President Donald Trump sees it, beating China in a trade war should be easy. After all, his logic goes, the Chinese sell Americans three times as much stuff as Americans sell them. Therefore, they have more to lose. Inflict enough pain, like the combined 145% taxes he slapped on Chinese imports last month, and they'll beg for mercy. Trump's treasury secretary, Scott Bessent has confidently compared

Beijing to a card player stuck with a losing hand. "They're playing with a pair of twos," he said. Somebody forgot to tell China. So far, the Chinese have refused to fold under the pressure of Trump's massive tariffs. Instead, they have retaliated with triple-digit tariffs of their own. "All bullies are just paper tigers," the Chinese Foreign Ministry declared in a video last week. "Kneeling only invites more bullying." The stakes are high between the world's two biggest economies whose trade topped \$660 billion last year. Bessent and Trump's top trade negotiator, Jamieson Greer, are heading to Geneva this weekend for initial trade talks with top Chinese officials. Trump suggested Friday that the U.S. could lower its tariffs on China, saying in a Truth Social post that "80% Tariff seems right! Up to Scott.? While businesses and investors welcome any easing of tensions, the prospects for a quick and significant breakthrough appear dim."These are talks about talks, and China may be coming to assess what's on the table — or even just to buy time," said Craig Singleton, senior China fellow at the Washington-based think tank Foundation for Defense of Democracies. "There's no shared roadmap or clear pathway to deescalation." But if the two countries eventually agree to scale back the massive taxes — tariffs — they have slapped on each other's goods, it would relieve world financial markets and companies on both sides of the Pacific Ocean that depend on US-China trade.

The companies involved in this trade on both sides just cannot afford waiting anymore," said economist John Gong of the University of International Business and Economics in Beijing. In a worstcase scenario, China could walk away from the negotiations if it feels the US side isn't treating China as an equal or isn't willing to take the first step to deescalate, Gong said. "I think if (Bessent) doesn't go into this negotiation with this kind of mindset, this could be very difficult," he said. For now, the two countries can't even agree on who requested the talks. "The meeting is being held at the request of the U.S. side," Chinese Foreign Ministry spokesperson Lin Jian said Wednesday. Trump disagreed. "They ought to go back and study their files," he said. Trump's faith in tariffs meet economic reality What

seems clear is that Trump's favorite economic weapon — import taxes, or tariffs — has not proved as mighty as he'd hoped. For Trump, what's happened here is that the rhetoric of his campaign has finally had to face economic reality, said Jeff Moon, a trade official in the Obama administration who now runs the China Moon Strategies consultancy. "The idea that he was going to bring China to its knees in terms of tariffs was never going to work." Trump views tariffs an all-purpose economic tool that can raise money for the US Treasury, protect American industries, lure factories to the United States and pressure other countries to bend to his will, even on issues such as immigration and drug trafficking.e used tariffs in his first term and has been even more aggressive and unpredictable about imposing them in his second. He's slapped a 10% tariff on almost every country in the world, blowing up the rules that had governed global trade for decades. But it's his trade war with China that has really put markets and businesses on edge. It started in February when he announced a 10% levy on Chinese

Drones launched, a radar destroyed: How India responded to Pak's May 8 attack

Wing Commander Vyomika Singh said that in response to the Pakistani attack, India launched armed drones at four air defence sites in Pakistan and one of the drones was able to destroy an AD radar.

ew Delhi.In response to Pakistan's drone and Rajouri, Akhnoor and Udhampur.

in Pakistan, the government said on Friday. In its latest press briefing over the unprovoked and failed attack by Pakistan, India said that the swarm of drones launched from Pakistan were intercepted."In response to the Pakistani attack, armed drones were launched at four air defence sites in Pakistan. One drone was able to destroy an air defence radar," Wing Commander Vyomika Singh said on Friday. The Pakistan Army also suffered major losses in Indian retaliatory fire, Singh said.

Talking about the May 8 attack, the government said that

Pakistan carried out artillery shelling across the line of control using heavy-calibre artillery guns "Around 300 to 400 drones were used to attempt and armed drones at Uri, Poonch, Mendhar,

missile attack on Thursday, May 8, India While a forensic investigation of the wreckage of launched armed drones at four air defence sites the Pakistani drones is currently underway,



initial reports suggest that they are likely Turkish Asisguard Songar drones.

infiltration at 36 locations. The Indian armed

kinetic and non-kinetic means. The possible purpose of such large-scale aerial intrusions was

> to test air defence systems and collect intelligence. Forensic investigation of the wreckage of the drones is being done. Initial reports suggest that they are Turkish Asisguard Songar drones..." the Wing Commander added.

She also said that later, an Unmanned Aerial Vehicle (UAV) of Pakistan attempted to target the Bathinda military station, which was detected and neutralised by the armed forces.

While talking about the possible reason behind the unprovoked attack by Pakistan last night, Singh emphasised that "the possible reasons for large area intrusions were to test the AD system and gather intelligence."Notably, Pakistan's bombardment of artillery fire, drone and missile attacks came a day after India

conducted precision strikes at terror hideouts in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK)

under Operation Sindoor.

32 airports shut till May 14 as India-Pak tensions escalate

New Delhi. The Airports Authority of India (AAI) has issued a series of Notices to Airmen (NOTAMs) announcing the temporary suspension of all civil flight operations at 32 airports across northern and western India. The closure will remain in effect from May 9 to May 14, 2025. The affected airports include: Adhampur, Ambala, Amritsar, Awantipur, Bathinda, Bhuj, Bikaner, Chandigarh, Halwara, Hindon, Jaisalmer, Jammu, Jamnagar, Jodhpur, Kandla, Kangra (Gaggal), Keshod, Kishangarh, Kullu Manali (Bhuntar), Leh, Ludhiana, Mundra, Naliya, Pathankot, Patiala, Porbandar, Rajkot (Hirasar), Sarsawa, Shimla, Srinagar, Thoise, and Uttarlai."All civil flight activities at these airports will remain suspended during this period," said the NOTAM.

On May 8, the airport authority closed the 24 airports and later extended the closure till May 15 in the wake of the India-Pakistan escalation.he NOTAM comes in the wake of escalating tensions in the region. It follows India's precision strike targeting reported terror camps in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir, which led to retaliatory drone and missile attacks by Pakistan targeting areas in Jammu, Punjab, and Rajasthan. Although Indian defence systems successfully intercepted and neutralised the threats, aviation security has been significantly heightened.

Earlier, several airlines cancelled their flights to the affected locations. Air India confirmed flight cancellations to and from Jammu, Srinagar, Leh, Jodhpur, Amritsar, Chandigarh, Bhuj, Jamnagar, and Rajkot, offering impacted passengers either a full refund or a one-time rescheduling waiver.IndiGo also cancelled services to multiple cities covered under the NOTAM and has provided online links for customers to check flight status, rebook, or apply for refunds.

What India said on Jaish group's link to US journalist's Karachi killing in 2002

New Delhi. Bahawalpur's Markaz Subhan Allah, the nerve centre of the Pakistan-based terror outfit Jaishe-Mohammed, was among the camps targeted and destroyed by India in its Operation Sindoor. Commenting on the operation, the government on Friday said that the Masood Azhar-led group was directly or indirectly involved in the 2002 murder of American journalist Daniel Pearl in Karachi."Bahawalpur is the headquarters of the Jaish-e-Mohammed terrorist group, which is proscribed by the UN. Its leader, Masood Azhar, is a proscribed individual," Foreign Secretary Mishri said at a press briefing. Pearl, the South Asia Bureau Chief for The Wall Street Journal, was kidnapped and



while reportedly researchin alleged links between Pakistan's spy agency ISI and Islamic militants. Y o u

murdered in Karachi

brought up the connection with the tragic death or killing of Daniel Pearl of The Wall Street Journal. The JeM was in some way directly or indirectly responsible for the death of Daniel Pearl," he said.

The Foreign Secretary added, "The real connection is through Ahmed Omar Saeed Sheikh, the British-Pakistani jihadi who was held in India but was released in 2000. He was the person who lured Daniel Pearl, eventually leading to his murder."

'So these are all obviously connected figures, connected individuals, connected institutions-and the attack on that facility of the Jaish-e-Mohammed in Bahawalpur is, I would imagine, a fitting part of this unfortunate incident," he added.

The foreign secretary's remarks came as tensions between the two countries soared significantly following India's strike on terror infrastructure in Pakistan and Pakistan-Occupied-Kashmir under Operation Sindoor early Wednesday.

Army destroys Pak posts, drone launch pads in precision strikes

NEW DELHI.The Indian Army has destroyed multiple Pakistani posts and terrorist launch pads near the Jammu region, which were being used to launch tube-launched drones into Indian territory, according to defence sources.The action comes amid heightened tensions along the border following repeated drone incursions

and shelling from across the Line of Control.

Pakistan launched a series of drone attacks on Friday, targeting nearly 36 cities across Jammu and Kashmir, Punjab, Rajasthan, and Gujarat for the second consecutive day. Among the targets was an air base in Awantipora,



which, along with other attempted strikes, was successfully thwarted by Indian defence systems. Sources said that 15-20 blasts were heard during attempts to destroy the drone.

Multiple drones were reported over Jammu, Samba, Rajouri, Pathankot, Amritsar, Jaisalmer, Barmer, and Pokhran, while heavy artillery

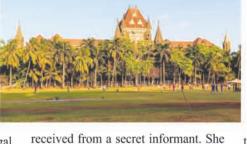
exchanges were witnessed along the Line of Control in areas such as Kupwara, Poonch, Uri, Nowgam, and Handwara.In its latest press briefing over the unprovoked and failed attack by Pakistan, India said Pakistan had launched between 300 and 400 Turkish drones across locations from Leh to Sir Creek in its failed attempt to target Indian military installations.

"In response to the Pakistani attack, armed drones were launched at four air defence sites in Pakistan. One drone was able to destroy an air defence radar," Wing Commander Vyomika Singh said on Friday. The Pakistan Army also suffered major losses in Indian retaliatory fire, Singh said.

Bangladesh woman granted bail after cops delay her court appearance upon arrest

New Delhi. The Bombay High Court has granted bail to a Bangladeshi woman arrested along with her one-and-a-half-year-old child for allegedly entering India illegally, citing that the Maharashtra Police failed to produce her before a magistrate within 24 hours of her arrest.

Justice Milind Jadhav, while granting bail, criticised the prosecution for violating basic legal procedures. "It is unfortunate that prosecution officers are indifferent to these elementary but statutory requirements regarding detention beyond 24 hours are not permissible unless the accused person is produced before the magistrate. This ground of breach of Section 50 of the Criminal Procedure Code and violation of the fundamental rights of the applicant go to the root of the matter and deserves immediate consideration even in the bail application," the judge said. The woman, Sabnam Suleman Ansari, was arrested by the prosecution on January 20, 2025, based on intelligence



was accused of staying in India without valid documents and was booked under the Foreigners Act and Passport (Entry into India) Act at APMC Police Station. The prosecution alleged that Ansari entered India along an unauthorised route from Bangladesh without proper travel documents. She was caught while on patrol duty by officers who acted on the tip-off from an informant. At the time of arrest, Ansari had her young son with her, and both were lodged in prison following the arrest.

However, advocates Shubham Upadhyay and Aryan Kotwal, representing Ansari, argued that the

allegations were based solely on a confession made to the police and that she had several official documents to prove her Indian residence."She has all documents; Aadhar Card, Pan Card, Election ID Card, Gram Panchayat confirming her Indian residence, Ration Card, marriage certificate for having married an Indian citizen and living in India for the past several years," they submitted. The defence also

contended that Ansari was arrested at 12:30 pm on January 28, 2025, and was produced before the Magistrate only at 4:30 pm on January 29, 2025-well beyond the 24-hour limit mandated by law. The bench noted that the prosecution failed to explain the delay in producing Ansari before the court. "The production of the Applicant thus beyond the permissible limit of 24 hours, is in clear violation of the fundamental rights guaranteed under Articles 21 and 22 of the Constitution of India," the court said, adding that it is the duty of the bail court to intervene in such cases.

India-Pakistan War: Pakistani Fighter Jets Shot Down in J&K, Pilots Yet To Be Located



New Delhi: India has reportedly shot down Pakistan's fighter jets between Jammu and Kashmir's Baramulla-Budgam-Srinagar areas amid escalation between India and Pakistan. Search operations are underway to locate the pilots. Debris of a drone have also been found in a field at Muglani Kot village in Punjab's Amritsar district.

Meanwhile, surface-to-air missile systems have been activated in Srinagar by armed forces, ANI reported quoting sources. Heavy engagement is going on with Pakistan over Srinagar and adjoining areas. The sources told the news agency that at least four airbases in Pakistan have been targeted by Indian strikes. In an immediate response to Pakistan's attack on 26 Indian locations on May 10, India launched retaliatory strikes. Smoke was seen rising after a loud explosion in the Dibber area of J&K's Udhampur. Houses and property were damaged in the Rajouri region following a continuous series of explosions. Loud explosions were heard in Rajouri and Akhnoor as well. Earlier in its statement, the Ministry of Defence (MoD) said, "Drones have been sighted at 26 locations along the International Border (IB) and the Line of Control (LoC) with Pakistan. These include suspected armed drones. The locations include Baramulla, Srinagar, Avantipora, Nagrota, Jammu, Ferozpur, Pathankot, Fazilka, Lalgarh Jatta, Jaisalmer, Barmer, Bhuj, Kuarbet and Lakhi Nala."

The MoD expressed regret for launching an armed drone, which targeted a civilian area in Ferozpur. The mishap resulted in injuries to members of a local family. The injured have been provided medical assistance and the area has been sanitised by security forces.

The Indian armed forces are maintaining a high state of alert and tracking aerial threats. They are also using counter-drone systems. "The situation is under close and constant watch and prompt action is being taken wherever necessary. Citizens, especially in border areas, are advised to remain indoors, limit unnecessary movement and strictly follow safety instructions issued by local authorities. While there is no need for panic, heightened vigilance and precaution are essential," said the ministry in its statement.

our Pakistani Airbases TargetedMeanwhile, India has targets at least four airbases in Pakistan in the early hours of May 10, sources told ANI. India launched the retaliatory strikes immediately after Pakistan attacked 26 locations across India.

Intermittent firing is still going on at several places along the LoC.In Jammu and Kashmir's Udhampur, smoke was seen rising after a loud explosion in the Dibber area. In the Rajouri region, houses and other property were damaged after a series of explosions. Loud blasts were also heard in Rajouri and Akhnoor.

Meanwhile, in Punjab, a drone-related explosion damaged a house in Kanganiwal village in rural Jalandhar.Surjeet Kaur, a local resident, described the moment of the attack, "A red coloured flash came above our house and there was a huge explosion. We got scared. Everything was dark. We came out of our houses after a short while and saw that the water tank above our houses and our neighbours' houses had exploded. There was a blackout at that time, and all the lights were off."

On May 9, a day after Indian air defences foiled an attempt by Pakistan to target civilian infrastructure along the LoC and the IB, Pakistani drones were again spotted in the Jammu, Samba and Pathankot sectors. On the night of May 7-8, Indian forces also successfully neutralised Pakistan's large-scale drone and missile attack aimed at several Indian military bases in northern and western parts of

India's air defence success: A saga of decade-long toil

alt was a loss of face for Pakistan after India avenged Pahalgam terror attack.

NEW DELHI. The surgical precision with which India destroyed terror camps in Pakistan and its occupied territories in Kashmir not only asserted the country's status as one of the most forceful nations in counter-terror operations, but also exposed the vulnerabilities in Pakistan's defence network. It took over a decade for India to strategically strengthen its air defence system and enhance its combat power by incorporating cutting-edge warfare technologies. "Many experts believe the successful execution of Operation Sindoor has sent a clear and unequivocal message that India is no longer just capable of defending its skies-it now commands, dictates, and controls them," remarked a senior official.It was a loss of face for Pakistan

after India avenged Pahalgam terror attack. In a move to reclaim its lost image and shore up receding spirits, Pakistan escalated the situation in the border areas by launching missile strikes on Indian military installations across Jammu and Kashmir, Punjab, Rajasthan and Gujarat. However, every single missile was

intercepted or neutralised. Despite the setback, Pakistan continued its reckless provocation by unleashing indiscriminate drone and missile

attacks on the night of May 8 in several parts of India. Thanks to India's elaborate and robust air defence system, none of these attacks reached their intended

Sources within the government said India's swift, coordinated response showcased the formidable strength of its air defence ecosystem—painstakingly developed over the past 11 years under the leadership of Prime Minister Narendra Modi. According to information available in the publicly domain, a combination of technologies-including the Integrated Counter-Unmanned Aerial System (UAS) Grid, S-400 Triumf Systems, Barak-8



missiles, Akash surface-to-air missiles, and DRDO's anti-drone Systems-came together seamlessly to form an aerial shield over India that held firm and thwarted every single attempt by the enemy to inflict damage on this side of the

Amid continuous cross-border provocations, India did not limit itself to defence. It retaliated swiftly with precision, inflicting significant destruction on the Pakistani side. Under 'Operation Sindoor,' the Indian Armed Forces demonstrated their sharpest and most accurate deep-strike capabilities, penetrating Pakistani territory and destroying a Chinese-supplied HQ-9 air

defence unit in Lahore, as well as damaging vital radar infrastructure.

Such preparedness is not the result of a single day's effort. Since 2014, the Modi government has systematically strengthened India's air defence architecture. Key acquisitions and developments include the Rs 35,000crore deal for five S-400 Triumf squadrons-signed in 2018. Three squadrons are now operational along the borders with China and Pakistan. The deployment of Barak-8 Medium-

Range Surface-to-Air Missiles (MR-SAM), part of a \$2.5 billion deal signed in 2017 with Israel, now actively defends key bases such as Bathinda.

There are also indigenous Akash missile batteries and DRDO-developed counterdrone systems that collectively form a robust shield against enemy manoeuvres. India's Man-Portable Counter-Drone Systems (MPCDS), installed in 2024 to jam and disable hostile UAVs, have also significantly enhanced modern warfare capabilities. Notably, 'Operation Sindoor' marked the combat debut of loitering munitions-so-called 'suicidal drones' ordered in 2021 and manufactured domestically.

Rubio dials Pakistan army chief, Indian External Affairs Minister, urges de-escalation

world. In another bid to defuse escalating tensions between India and Pakistan, US Secretary of State Marco Rubio spoke with Pakistan's Army Chief General Asim Munir on Friday, according to the US Department of State.Rubio also called Indian External Affairs Minister Subrahmanyam Jaishankar. The calls came amid a dramatic surge in hostilities between India and Pakistan, marking their most severe confrontation in nearly three decades. "Secretary Rubio urged both parties to find ways to de-escalate and offered US assistance in initiating constructive dialogue to prevent future conflicts,' said State Department spokesperson Tammy Bruce. She emphasised Washington's commitment to regional stability and its willingness to support peace efforts. The conversation took place just hours before Pakistan claimed to have launched a military operation against India early Saturday. According to Pakistani officials, the strikes targeted several Indian military installations, including a missile storage facility in northern India. The continuing escalation signals a dangerous turn in bilateral relations, raising concerns of wider regional instability.

The US has called on both Islamabad and New Delhi to exercise restraint and return to diplomatic channels, warning that continued military action risks spiraling into a broader conflict.

Rubio dials EAM Jaishankar

Secretary of State Marco Rubio spoke with Indian External Affairs Minister Subrahmanyam Jaishankar. Secretary Rubio emphasized that both sides need to identify methods to de-escalate and re-establish direct communication to avoid miscalculation. He further proposed US support in facilitating productive discussions to avert future disputes.

Pak defence minister refutes reports of nuclear body meet amid India tensions

world. Pakistan's Defence Minister Khawaja Asif has said that no meeting of the National Command Authority, the country's top civil-military body overseeing its nuclear arsenal, is scheduled in the aftermath of India's overnight military strikes, Reuters reported on Saturday. This comes despite an earlier statement from Pakistan's military that the Prime Minister had called for a meeting of the authorities following a military escalation with India. According to Indian government sources, the latest flare-up began when Pakistan fired a long-range missile aimed at a strategic Indian target, which was intercepted and destroyed by India's air defence systems in the Western Sector.In response, India intercepted and destroyed drones and missiles after Pakistan tried to attack 26 locations across the border, ranging from Jammu and Kashmir to Gujarat. India also overnight successfully struck six key Pakistani airbases including Chaklala in Rawalpindi, Murid in Chakwal, Rafiqui in Shorkot, Rahim Yar Khan, Sukkur and Chunian. India's Ministry of Defence said no major damage was reported on its side, crediting the swift action of defence systems, including S-400s and Akashteer units, which successfully neutralised incoming threats.

Cinnamon May Reduce Effectiveness Of Some **Prescription Drugs: Study**

world Cinnamon, when consumed in large dosages, particularly as nutritional supplements, may reduce the efficacy of several prescription medications, according to a new study.

The study, published in the June edition of the Food Chemistry: Molecular Sciences journal, looked at how cinnamon and its primary ingredients affected the body's capacity to metabolise drugs, The Washington Post reported. It noted concerns regarding cinnamon's potential interactions with medicines and the shortage of scientific data on the spice's effects on human metabolism.

While minimal intake may have health benefits, extended use may increase the risk of drug interactions, the study said, without specifying how much was excessive. According to researchers, "overconsumption" of cinnamon may cause the body to quickly flush out prescription drugs, affecting a person's capacity to absorb them.

Lead researcher Bill Gurley, chief scientist at the University of Mississippi's National Centre for Natural Products Research, told The Post, "We know there's a possibility for cinnamaldehyde to activate these receptors that can pose a risk for drug interactions."The researchers studied cinnamon oil and two of its chemical constituents, cinnamaldehyde and cinnamic acid, simulating human digestion to ascertain whether and how cinnamon influences drug metabolism.

They found that both cinnamaldehyde and cinnamic acid have the ability to trigger the body's xenobiotic receptors. These sensors aid in regulating how drugs are processed by the body. According to CNN wellness expert Dr Leana Wen, supplementing with cinnamon may help manage diabetes or aid in weight loss, per some studies, but further research is

required to explore its potential advantages fully. Cassia cinnamon may contain high concentrations of the blood thinner coumarin, and traces of coumarin may also be present in Ceylon cinnamon.

Thus, an individual taking anticoagulant drugs may be at higher risk of bleeding if they consume a lot of coumarin, said Mr Wen. How much is too much was not specified in the Food Chemistry study, but researchers cautioned that concentrated forms, such as supplements, are more dangerous.

Patients are advised to consult their physician before consuming supplements containing cinnamon or similar products.

European leaders arrive in Kyiv in show of solidarity against Russia

KYIV. The leaders of France, Britain and Germany arrived in Ukraine on Saturday for talks with President Volodymyr Zelensky, vowing to ratchet up pressure on Russia until it agrees a ceasefire the day after a lavish military parade in Moscow.

French President Emmanuel Macron, German Chancellor Friedrich Merz and British Prime Minister Keir Starmer arrived together by train from neighbouring Poland. Later, they were to be joined by Polish Prime Minister Donald Tusk.It is the first time the leaders of the four European nations have made a joint visit to Ukraine. More than three years into Russia's invasion, the hugely symbolic show of European unity comes a day after President Vladimir Putin struck a defiant tone at a Moscow parade marking 80 years since victory in World War II.US President Donald Trump has proposed a 30-day unconditional ceasefire as a step to end the conflict. But Putin has resisted so far."Alongside the US, we call on Russia to to a ceasefire. agree a full and unconditional 30-day A truce would otherwise be an "advantage for ceasefire to create the space for talks on a just and lasting peace," the leaders said in a statement ahead of the visit.

"We are ready to support peace talks as soon as possible, to discuss technical implementation of the ceasefire, and prepare for a full peace deal," they added. We are clear the bloodshed must end, Russia must stop its illegal invasion, and Ukraine must be able to prosper as a safe, secure and sovereign nation within its internationally recognised borders for generations to come". They warned: "We will continue to increase our support for Ukraine. Until Russia agrees to an enduring ceasefire, we will ratchet up pressure on Russia's war machine."In an interview with the ABC news channel on Russia obstructing efforts' Saturday, Kremlin spokesman Dmitry For Merz, who took office only this week, it Peskov said arms deliveries from Ukraine's allies must stop before Russia would agree

Ukraine" at a time when "Russian troops In the talks with Zelensky they will make are advancing... in quite a confident way" on the front, Peskov said, adding that



Ukraine was "not ready for immediate negotiations.'

will be his first visit to Ukraine as chancellor. Macron has not been to Kyiv

since June 2022 when he went with the Italian and German leaders of the time.

their "steadfast commitment to Ukraine", the statement said."We, the leaders of

France, Germany, Poland and the United Kingdom will stand in Kyiv in solidarity with Ukraine against Russia's barbaric and illegal full-scale invasion," they said."We reiterate our backing for President Trump's calls for a peace deal and call on Russia to stop obstructing efforts to secure an enduring peace,' they added. After meeting Zelensky in the morning, they are to host a virtual meeting to update other European leaders on moves to create a European

force that could provide Ukraine with security after the war. Such a force "would help regenerate Ukraine's armed forces after any peace deal and strengthen confidence in any future peace", the

Pakistan's Operation Bunyan al-Marsoos: Why the name, what it means

world Pakistan fired drones and missiles, including a Fattah-1 missile, at India in a pre-dawn strike on Saturday under what Pakistani media called Operation Bunyan al-Marsoos. The firing of the Fattah-1 ballistic missile came as Pakistan escalated the situation a day earlier targeting 26 locations in India with drones and missiles after India's Operation Sindoor."Pakistan has started 'Operation Bunyan-un-Marsoos'," reported Radio Pakistan.It's variants are Bunyan Ul Marsoos, Bunyan-un-Marsoos and Bunyanun Marsoos.Bunyan al-Marsoos is a verse from the Quran, the holy book of Muslims. According to Al Jazeera, "Bunyan Marsoos is an Arabic phrase which directly translates into 'a structure made of lead'."According to the Qatar-based Al Jazeera, the verse from Quran reads: "Truly Allah loves those who fight in His Cause in battle array, as if they were a solid cemented structure."With the name, Pakistan likely wants to portray itself as an impregnable wall or structure fighting

for a cause.Click Here For Operation Sindoor Live UpdatesThe massive escalation comes after India hit terror camps inside Pakistan and Pakistanoccupied Kashmir (POK) as part of Operation Sindoor after the April 22 Pahalgam terrorist attacksin which 26



civilians were killed.India attacked nine sites in Pakistan and POK as part of the aerial strikes on May 7.Pakistan must have named its military misadventure -- Operation Bunyan al-Marsoos -- because it has been breached. It was the first time since the 1971 War that India hit a target in Punjab province, deep in Pakistani territory. The terror camp in Pakistan's Punjab was 100km from the border. The use of Quranic verse could also be part of the pattern of giving the attacks a religious tone. At Pahalgam on April 22, Pakistani and Pakistantrained terrorists asked the tourists to read kalma to identify the non-

Muslims, and shot them dead from point-blank range in front of their family members. The communal line in the attack also comes after the dogwhistling by General Asim Munir.

Our forefathers believed that we were different from Hindus in every possible aspect of life. Our religion is different. Our customs are different...

That was the foundation of the Two-Nation Theory," said General Munir on April 16. This was perceived as a signal to the Pakistani terror assets, according to reports. Pakistan has been targeting gurdwaras, convents and temples in India with drones and missiles since Operation Sindoor. While India targeted only terror camps, Pakistan has tried to hit civilian and military areas.

Trump's new plan: Free flights for illegal migrants who selfdeport from US

world US President Donald Trump signed an executive order on Friday establishing a new voluntary deportation program that offers free flights to undocumented migrants who choose to leave the US on

The proclamation, titled "Establishing Project Homecoming," was announced in a video message posted by the official White House X account.

In a 90-second address, Trump detailed what he described as "the first-ever self-deportation program for illegal aliens.""Any illegal alien can simply show up at an airport and receive a free flight out of our country," Trump said. "We have also launched a phone app called CBP Home. That's C-B-P-H-O-M-E, where illegals can book a free flight to any foreign country. As long as it's not here, you can go anywhere you want."

Trump also described what he called an "important exit bonus" for illegals to "incentivize" their selfdeportation."This deportation bonus will save

G7 calls for 'immediate de-escalation' as India, Pakistan trade missiles



world The G7 nations on Friday urged immediate de-escalation amid rising tensions between India and Pakistan following alleged missile strikes.

In a joint statement, the bloc called on both nuclear-armed neighbors to engage in direct dialogue to prevent further conflict and ensure regional

stability."We, the G7 Foreign Ministers of Canada, France, Germany, Italy, Japan, the United Kingdom, and the United States of America, along with the High Representative of the European Union, strongly condemn the egregious terrorist attack in Pahalgam on April 22 and urge maximum

restraint from both India and Pakistan," the statement read."Further military escalation poses a serious threat to regional stability. We are deeply concerned for the safety of civilians on both sides."The statement added: "We call for immediate de-escalation and encourage both countries to engage in direct dialogue towards a peaceful outcome. We continue to monitor events closely and express our support for a swift and lasting diplomatic

Tensions between the two nuclear-armed neighbours escalated sharply after the Indian Army conducted precision strikes on May 7, codenamed 'Operation Sindoor', targeting terror launchpads in Pakistan and Pakistanoccupied Kashmir (PoK). The operation was launched in retaliation for the April 22 terrorist attack in Pahalgam, Jammu and Kashmir, which claimed the lives of 26 people, most of them tourists.



American taxpayers billions and billions of dollars. What Biden did to this country can never be explained, will never, ever be accepted. Eventually, when the illegals are gone, it will save us trillions of dollars. However, if illegal aliens choose to remain in America, they're remaining illegally, and they will face severe consequences," Trump said."Illegal aliens who stay in America face punishments, including significant jail time, enormous financial penalties, confiscation of all property, garnishment of all wages, imprisonment and incarceration, and sudden deportation. In a place and manner solely of our discretion. So, to all illegal aliens, book your free flight right now. We want you out of America, but if you're really good, we're going to try and help you get back in. Thank you," he added.

Pakistan shuts airspace amid escalation after India's retaliatory attacks

-Pakistan closed its airspace on May 10 amid rising tensions and attacks near its airbases, disrupting flights. Currently, no flights are operating within Islamabad's airspace.

world The Pakistan Civil Aviation Authority announced on Saturday that the country's airspace will be closed to all types of flights between 3:15 a.m. and 12:00 p.m. local time on May 10, 2025. The suspension, confirmed by the Pakistan Airports Authority, comes amid heightened regional tensions after Indian armed forces launched retaliatory strikes on at least four air bases in Pakistan in the early hours of



Saturday. The flight schedule at Islamabad Airport has been disrupted after a recent attack in Rawalpindi. Departures of both national and private airline flights from

delayed. Currently, no flights are operating within Islamabad's airspace. Arrivals and departures at Lahore and Sialkot airports have also been affected.

Islamabad Airport have been On Friday, India criticised Pakistan for

keeping its airspace open during the initial offensive, accusing Islamabad of a deliberate attempt to use civilian aircraft as cover to deter an immediate counterstrike.At a press briefing, Wing Commander Vyomika Singh of the Indian Air Force (IAF) said, "Pakistan refrained from shutting down its civil airspace despite carrying out an unprovoked and unsuccessful drone and missile attack on Indian cities. This shows a clear and dangerous tactic of using civilian airliners as shields, fully aware that India's air defense forces would respond robustly."Tensions between the two nuclear-armed neighbours soared after the Indian Army on May 7 carried out precision strikes, codenamed 'Operation Sindoor', targeting terror launchpads in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK), in retaliation for the April 22 terrorist attack in Pahalgam, Jammu and Kashmir, which killed 26 people, mostly tourists.

Ukraine's Kostyuk shakes hands with Kasatkina, praises anti-war stance

New Delhi. Ukrainian tennis player Marta Kostyuk shook hands with Daria Kasatkina following her straight-sets victory over the former Russian at the Italian Open on Friday.Kostyuk, ranked 27th in the world, defeated Kasatkina 6-4, 6-2 in the tournament's second round. But it was the handshake on the net - a gesture she has consistently withheld from Russian and Belarusian opponents since Russia's fullscale invasion of Ukraine in 2022 - that drew immediate attention. Kasatkina, now competing under the Australian flag, is one of the few former Russian players who have publicly condemned the war. She came out as gay in 2022 and has not returned to Russia since, citing the country's increasingly repressive climate.Kostyuk acknowledged the significance of Kasatkina's stance in a message posted on Instagram after the match.

Since the beginning of the war, I've chosen not to shake hands with Russian or Belarusian players," she wrote. "But when someone not only tells the truth - calling Russia the aggressor - but also acts on it, that deserves respect.""Daria Kasatkina has clearly spoken out against the war and made the decision to give up her Russian sports citizenship. That takes courage - and I acknowledge it," Kostyuk added. "I hope this is not the final step, but part of a deeper commitment. I stand with Ukraine. I stand



for truth, for dignity, and for those who choose to speak and act - when staying quiet would be easier."Kasatkina, currently ranked 15th in the world, has been an outspoken critic of Moscow's actions in Ukraine, and her decision to switch allegiances is seen as a rare and bold move in the world of Russian sports, where dissent is often met with severe repercussions.

Confused Rishabh Pant has forgotten his best game: Sanjay Bangar

New Delhi. Lucknow Super Giants captain Rishabh Pant has failed to have any impact on the Indian Premier League so far. Having scored just 128 runs after playing 129 balls in 9 matches, this turned out to be the batter's worst outing in the competition. Pant's struggles have had a direct result on LSG's performance this season as they have failed to win games where their top order has not fired. Former India cricketer Sanjay Bangar analysed the batter's technique in the tournament and said that Pant was confused and had forgotten his strengths."We have to recognise that he's still yet to totally understand the white-ball game - both formats, 50-over cricket as well as T20 cricket. A fabulous Test match batter, make no mistake about it, but here in this particular season, what I noticed is that he got out a number of times looking to play shots behind the wicket," Bangar said on Star Sports on Friday, May 9. The former India batting coach argued that Pant was at his best when he tried to hit down the wicket and then use his shots behind square as a variation to confuse the bowlers. Bangar based his argument on the matches that Pant had done



well in Test cricket, against Australia and England, both home and away.

'Now, you pull out the best innings of Rishabh - where has he looked to score the runs?

Drives through covers, step down the track and try to hit the sightscreen or go over midwicket, square. But here he was trying to play those reverse sweeps or shots that are very fine. So as a batter, I think probably he just got caught in that confusion and forgot that his best game, or that he plays at his best, is when he's looking to scre down the ground," Bangar said." If you do look to score down the ground a lot of times, then all those other areas open up. But if you're only looking to score behind.

IPL suspended for one week amid escalating tensions between India and Pakistan

■ Uncertainty loomed over the tournament's future after Thursday's Punjab Kings vs Delhi Capitals match in Dharamsala was halted midway due to air raid alerts in nearby Jammu and Pathankot.

New Delhi. WITH tensions escalating between India and Pakistan, the ongoing edition of the Indian Premier League (IPL) has ground to a halt, at least for the time being. The BCCI made the decision public after informing the franchises earlier on Friday morning.

'The decision was taken by the IPL Governing Council after due consultation with all key stakeholders following the representations from most of the franchisees, who conveyed the concern and sentiments of their players, and also the views of the broadcaster,



sponsors and fans; while the BCCI reposes full faith in the strength and preparedness of our armed forces, the Board considered it prudent to act in the collective interest of all stakeholders," the statement read.

This decision came less than 15 hours after the match between Punjab Kings and Delhi Captials in Dharamsala was called off midway after a series off projectiles from Pakistan and a subsequent blackout in bordering states. The BCCI top brass met on Friday morning and the final decision was made.On Thursday night, Arun Dhumal, the IPL Governing Council chair, had told this daily that they are assessing the situation. BCCI vice-president, Rajiv Shukla, had said:

"Today there were security concerns in Jammu and Pathankot, which were close to Dharamsala, that is why we called off the match. Tomorrow we don't know what will happen, based on that we will take a decision. We are arranging a special train tomorrow (Friday) for everyone to leave safely." With both militaries actively engaging, Pakistan have already moved their T20 league, Pakistan Super League, to United Arab Emirates (UAE). The BCCI, meanwhile, has decided to suspend the tournament for one week at the time being.

On Friday, Royal Challengers Bengaluru (RCB) were supposed to play in Lucknow but as things stand, teams will return to their respective bases until further notice. Multiple reports indicate that Cricket Australia have informed their players to return home in the days to come. Both CA and Cricket West Indies have released statements regarding the safety of their players and their well

being. As things stand there is no clarity on what lies ahead for the IPL. One has to wait and see how things proceed from here and whether this has any impact on India's international schedule when they tour Bangladesh in August and are expected to play the Asia Cup In September.

Mohammed Afsal breaks 800m national record in UAE Athletics Grand Prix

→India's Mohammed Afsal set a new national record in the men's 800m race at the UAE Athletics Grand Prix 2025 in Dubai, clocking 1:45.61.

New Delhi. Asian Games silver medallist Mohammed Afsal on Friday broke the seven-year-old 800m national record while finishing second at the UAE Athletics Grand Prix event in Dubai. The 29-year-old Afsal clocked 1 minute and 45.61 seconds to erase the earlier national record of 1:45.65s set by Jinson Johnson in 2018. Afsal finished behind Kenya's Nicholas Kiplagat, who clocked 1:45.38s to win the race in the World Athletics Continental Tour bronze-level competition held at Dubai Police Stadium.

He, however, could not breach the 2025 World National record holder Animesh Kujur won



Championships automatic qualification time of 1.44.50s. Afsal won a silver in the 800m at the 2023 Hangzhou Asian Games with a time

of 1:48.43s.

the 200m race in a time of 20.45 seconds. He had clocked 20.40 seconds during the 2025 Federation Cup to break Amlan Borgohain's previous national record of 20.52 created three years ago.

India men's compound team wins gold at Archery World Cup Stage 2

New Delhi. India clinched a glorious feat at the Archery World Cup Stage 2 in Shanghai, with the compound men's team leading the charge in a memorable campaign that saw the country return with three medals, including a gold, on Saturday, May 10.

The men's compound team—comprising Abhishek Verma and Ojas Deotale, alongside youngster Rishabh Yadav—delivered a composed and clinical performance in the final. They edged past Mexico 232-228 in a thrilling encounter to claim the gold medal, underscoring India's dominance in the compound discipline.It was an end-to-end battle against a strong Mexican side, but the Indian trio held their nerve with precise shooting in the final ends to secure a historic victory in Shanghai.In the women's compound team final, India's trio of Jyothi Surekha Vennam, Madhura Dhamangaonkar, and Chikitha Taniparthi put up a spirited fight but had to settle for silver after a 221-234 loss to a superior Mexican team that dominated the contest from the outset.Meanwhile, the Indian compound mixed team—featuring Abhishek Verma and Madhura Dhamangaonkar—bounced back strongly



bronze medal by defeating Malaysia convincingly in the third-place match, adding yet another podium finish to India's growing archery credentials. These consistent performances are only the latest chapter in India's rising archery narrative. At Stage 1 of the Archery World Cup in the USA, India had already bagged four medals, including a silver in the men's recurve team event and a bronze by promising archer Dhiraj Bommadevara in the individual recurve category. With compound archery set to make its Olympic debut in the mixed team format at the 2028 Los Angeles Games, India's current trajectory offers genuine hope of clinching its first-ever Olympic medal in

after missing out on the final. They secured a

India-Pakistan matches under spotlight

After the terror strike in Pahalgam last month and the subsequent Operation Sindoor launched by India against Pakistan, questions now hover on the scheduled matches between India and Pakistan later this year. What happens to those An explainer...

New Delhi. Is there any threat for those games?Officially, yes. But unofficially, a lot of the murmurs. There was some sort of reportage that the Board of Control for Cricket in India (BCCI) had written to the ICC about asking the world body to keep the two teams in separate groups. One ICC insider has told this daily that there has been no sort of communication to the ICC. India coach, Gautam Gambhir, in his personal



capacity, has said India shouldn't play Pakistan. Why do ICC insist on pairing these two nations? This is where the cricket body differs from say, FIFA. The latter goes out of its way to ensure warring nations don't face each other in the group stages. But the ICC do the opposite. One of the reasons why they do this is the money on the table from a single India v. Pakistan match. These two nations have faced other in 11 back-to-back men's global events. With cricket having a lot of TV audience from this part of the world, it's understandable that this one match

TV rights deal. Even if ICC sells rights deal for the entire package and not on a per match basis, broadcasters pay top dollar because of the guarantee of a single game inside that package. The ICC could lose out on a lot of revenue if that assumed guarantee is removed.Is there anyway of knowing the finances of a single İndia v. Pakistan game? t's very hard to put a number. For what

it's worth, it has been communicated

to this daily that the ICC have not even privately put a number for this game over the course of a rights circle. But one insider broke it down like this. "Hypothetically speaking, let's assume every men's ICC event is worth 100 crore. That one guaranteed game could be worth Rs 7.5-10 cr. You remove that 7.5-10 cr from every tournament and all teams will be financially hit."Which teams will bear the brunt?It will affect all teams on a pro rata basis but the acual effect will be felt inequally. For example, the loss of that proportionate revenue will not affect BCCI, Cricket Australia and the England an

BCCI, please convince him to stay: Fans on Virat Kohli's Test retirement indication

New Delhi. In news that has left cricket fans across the country shocked and emotional, former India captain Virat Kohli has reportedly informed the BCCI of his intention to retire from Test cricket ahead of the upcoming tour of England. Sources say Kohli is unlikely to feature in the five-match series starting June 20, as he considers stepping away from the longest format. The timing couldn't be more dramatic. Just days ago, Rohit Sharma announced his retirement from Tests, closing a significant chapter in Indian cricket. Both veterans had already stepped down from T20 internationals after India's World Cup triumph in Barbados last year, signalling a shift in their careers. Now, with Kohli likely to follow Rohit, Indian cricket faces a moment of transition few were

A senior BCCI official has reportedly reached out to Kohli, urging him to reconsider. The selectors are due to meet soon to finalise the squad for the England tour, which also marks

the start of a new World Test Championship cycle. Losing Kohli at this juncture would be a major blow.Kohli has had a tough run this season. In the Border-Gavaskar Trophy against Australia, he managed just 186 runs in five Tests. He did score a century in the opening match in Perth, but his form faded after that. Still, his career numbers speak for themselves—8,895 runs in 105 matches, including 27 centuries. Even in a slump, he r e m a i n s o n e o f I n d i a 's greatest. Unsurprisingly, fans flooded social media as the news broke. Many pleaded with the BCCI to do everything possible to keep Kohli in whites for a little longer.If Kohli does walk away, India will face a tough challenge. The middle order, already without Rohit, will suddenly look far less experienced. Players like KL Rahul, Shubman Gill, and Yashasvi Jaiswal will have to rise quickly to the occasion. But for fans, it's not just about runs or averages—it's about watching one of the game's modern greats bow out, and perhaps too soon.



Happy Birthday Sai Pallavi: Did You Know The South **Actress Is A Trained Doctor?**



The actress is known for portraying strong, complicated characters with ease. Sai Pallavi has received numerous accolades, including six Filmfare Awards South and two SIIMA Awards. Besides her acting, she also keeps winning fans' attention with her dancing skills and sartorial sense. But do you know, the Fidaa star was initially a medical student by profession? On her 33th birthday, take a look at her educational qualification as well as top movies, latest movies and uncoming as well as top movies, latest movies and upcoming

One of the most-loved actress, Sai Pallavi was born in a Badaga family in Coimbatore, Tamil Nadu. After receiving her initial education in Coimbatore, she pursued medical studies at the Tbilisi State Medical University in Georgia. However, destiny had some other plans, and she has still not registered as a medical practitioner.

It was in 2014 when film director Alphonse Puthren approached her with the script for Premam, but she initially declined the offer. Later, Puthren managed to convince the actress, and she was roped in the role of Malar in the film. This marked her debut in the Malayalam film industry. She went on to win several awards that year, and eventually signed other projects.

Premam (2015): Sai Pallavi became widely recognised for her natural beauty and acting skills right from her debut film, where she plays the role of a teacher. This is also credited as the breakout film of

Kali (2016): The next year, Sai Pallavi was approached to work in her second Malayalam romantic drama. Her character, and her chemistry with Dulquer Salmaan, etched a special place in the hearts of her fans. Fidaa (2017): Sai Pallavi played the role of

Bhanumathi, a doctor, opposite Varun Tej. She was immensely praised for her screen presence in the Telugu romantic drama.

Athiran (2019): Directed by Vivek, this movie features Sai Pallavi As Nithya Lakshmi, a mute girl. It showcased the diva's versatility and impeccable

Love Story (2021): A Telugu drama-romance, written and directed by Sekhar Kammula, stars Naga Chaitanya and Sai Pallavi in lead roles. The film revolves around a couple in an inter-caste

Operation Sindoor: Palak Tiwari 'Happy' India Is 'Fighting Back' **But Hopes For Peace**



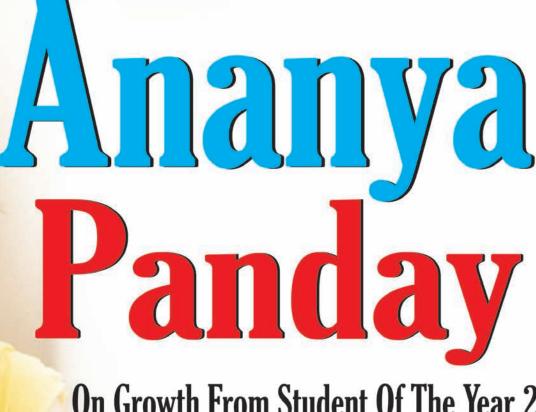
ollywood actors Akshay Kumar, Kareena Kapoor Khan, Alia Bhatt and Katrina Kaif, among many others, took to social media and reacted to Operation Sindoor, India's military retaliation to the April 22 terror attack in Pahalgam that claimed 28 lives. Many, in fact, lauded the two senior women officers - Colonel Sophia Oureshi of the Indian Army and Wing Commander Vyomika Singh of the Indian Air Force - who shared key operational details alongside Foreign Secretary Vikram Misri, marking a historic moment for women in Indian military leadership.

Now, speaking exclusively to News18 Showsha, Palak Tiwari reacts to India's strikes against terrorism in the Pakistani-administered Kashmir. While she feels that war is never the answer, she praises the Indian government for taking a stand for its civilians. "It's really unfortunate and deeply, deeply saddening that it ever had to come to this because lives matter. But I understand that often in situations like this, we've to do what we've to do. With India's political stance, we wouldn't have [attacked Pakistan] if we didn't absolutely have to," she states.

Speaking to us during the promotions of her upcoming release Romeo S3, Palak says that she recognises the efforts of our armed forces and prays for better times. "At the same time, it's innocent lives that are lost and that's never right. As happy as I'm that our country is fighting back, it's always sad. I truly hope that it doesn't escalate, for the betterment of our country and for the sake of our lives. Our soldiers are putting their entire lives at risk to protect us. And I wish for peace," she adds.

Following Operation Sindoor, on the night of May 7-8, the Integrated Counter UAS Grid and Air Defence systems neutralised Pakistani drones and missiles that attempted to target northern and western India. Reacting to it, Palak's Romeo S3 costar Thakur Anoop Singh of TV shows Ramayan and Mahabharat fame, says, "We're just reacting to the action caused earlier.

We've put our faith in the government and they know the best. We've no idea what the frontline officers at the borders are dealing with. I completely give credit to them."Praising PM Narendra Modi and his measures to avenge the deaths of the tourists in Pahalgam, he remarks, "India's a country that wouldn't attack unless provoked. But how much will you tolerate? You can't come to our home and damage everything.



On Growth From Student Of The Year 2 To Kesari 2: 'I'd Always Worry'

nanya Panday is no longer the unsure debutante once seen in Student of the Year 2. With each passing project, the actress has steadily grown—both in Lerms of craft and confidence. Her most recent performance in Kesari Chapter 2 is being hailed as one of her most grounded roles yet, and in a new interview with Mid Day, Panday revealed how her early career was marked by overwhelming anxiety and self-consciousness. "When I first started acting, I constantly felt like everyone was watching and judging me," Ananya admitted. "I used to worry about how I looked, what people were thinking, or how the final product would turn out. That made it very hard to stay present in the moment.'

It wasn't until she took on more challenging and diverse roles—like those in the web series Call Me Bae and the upcoming thriller CTRL—that she began to fall in love with the process of acting, rather than just the end result. "With these projects, I stopped fixating on the camera and started listening to my instincts," she said. "I don't feel scared anymore."

Reflecting on her role in Kesari Chapter 2, Ananya shared that portraying Dilreet Gill—a young lawyer assisting C Sankaran Nair in his legal battle against the British Empire after the Jallianwala Bagh massacre—was a turning point. "I had read about the massacre in school, but the film gave me a deeper, emotional understanding of what happened. Being part of that story felt important."She found personal resonance in the quiet strength of her character.

"Dilreet doesn't shout to be heard, but she's fierce in her own way," Ananya explained. "I related to that. I may

come across as soft-spoken, but there's a fire inside me too." Working alongside industry veterans like Akshay Kumar and R Madhavan was equally transformative, "Just observing them taught me so much. It reminded me that growth happens when you stop performing and start being."

llegng D'Cruz

Never Wants Her Kids To Feel They 'Must Earn' Her Love: 'It's Worst Feeling'

ctor Ileana D'Cruz has shared a heartfelt note on parenting, expressing how she wants to raise her children with unconditional love. The actor, who confirmed her second pregnancy earlier Sharing the screenshot, Ileana responded with a deeply this year in February, took to Instagram Stories to

for their response to our positive qualities but merely to nurture them so that people will turn to us on their own."

personal message: "I will never want my children to

feel that they need to 'earn' my love. That is by far the worst feeling I have ever experienced. Feeling 'not good enough'. I want to raise happy, healthy, kind children (I am sure all parents do) and I will do my best to ensure to know how loved they are. These are, of course, my views and opinions. You do you."

Ileana and her husband Michael tied the knot in a private ceremony in 2023. She first surprised her fans in April last year by announcing her pregnancy with a picture of a baby onesie and the caption, "Coming soon. Can't wait to meet you, my little darling." The

couple welcomed their son in August, with Ileana sharing the news: "No words could explain how happy we are to welcome our darling boy to the world. Heart's beyond full."On the professional front, Ileana was last seen in the romantic comedy Do Aur Do Pyaar, directed by Shirsha Guha Thakurta. The film also featured Vidya Balan, Pratik Gandhi, and Sendhil Ramamurthy.



respond to a fan's comment on her earlier post about love and parenting. In the fan's message, they wrote, "People, and especially kids, should be taught that being cruel, wicked, unkind or selfish are not lovable traits and you will not be loved and also should not reward love to those. Love has to be earned just like respect and happiness. And its not wrong to chase love... We just have to teach kids not to chase people